दिनमान: सूर्योदय 5.29 सूर्यास्त 5.52
तापमान: अधिकतम 36° न्यूनतम 26°

वर्ष 18, अंक 284 पृष्ठ 12
कोलकाता, बुधवार, 1 अप्रैल 2026
चैत्र, शुक्लपक्ष, चतुर्दशी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

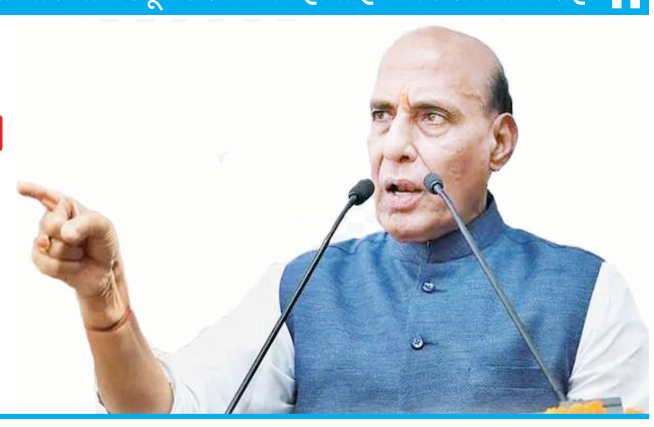

उद्योगपति पवन रुइया गिरफ्तार

317 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी मामले में बनाये गये आरोपी

उनके बेटे राघव और बेटी पल्लवी भी मामले में शामिल

कोलकाता:. पश्चिम बंगाल पुलिस की साइबर अपराध निवारण शाखा ने 600 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति पवन रुइया को गिरफ्तार किया है. उन्हें मंगलवार को न्यू टाउन के एक होटल के सामने से गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी बिधाननगर के इको पार्क पुलिस स्टेशन में स्वप्न कुमार मंडल द्वारा 2024 में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है.

पवन रुइया को राज्य पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में गिरफ्तार किया है. पिछले साल अक्टूबर में साइबर अपराध शाखा ने पवन रुइया के घर और कार्यालय पर छापा मारा था. उद्योगपति को उसी मामले में गिरफ्तार किया गया था.

पता चला है कि पवन रुइया पर करीब 317 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है. आरोप है कि उन्होंने 148 फर्जी कंपनियां खोलकर इस रकम की हेराफेरी की. पवन रुइया के खिलाफ देशभर में 1300 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं. आज राज्य पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने इस उद्योगपति को न्यू टाउन के इको पार्क से गिरफ्तार किया. गिरफ्तारी के बाद पवन रुइया को नारायणपुर पुलिस स्टेशन ले जाया गया. वहां उनसे प्रारंभिक पूछताछ की जा रही है.

पवन के अलावा, उनके बेटे राघव और बेटी पल्लवी भी इस मामले में शामिल हैं. पश्चिम बंगाल

पुलिस की साइबर क्राइम डिवीजन हिरासत में पवन से पूछताछ कर रही थी. लेकिन पवन ने अग्रिम जमानत के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट में अर्जी दी थी. उच्च न्यायालय ने दिसंबर में उनकी अर्जी मंजूर कर ली. हालांकि, साथ ही एक शर्त भी रखी कि उन्हें अपने पासपोर्ट जिला अदालत में जमा करने होंगे. 2024 में स्वपन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की जांच के बाद, 1900 से अधिक पीड़ितों ने राष्ट्रीय राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एनसीआरपी) के माध्यम से साइबर सेल में रुइया परिवार के खिलाफ साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज कराई हैं. पुलिस का दावा है कि धोखाधड़ी की कुल राशि कम से कम 600 करोड़ रुपये है.जांचकर्ताओं के मुताबिक, साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त धन जिस खाते में रखा गया था, उसका संचालन कथित तौर पर कोलकाता 17 स्थित सैयद अमीर अली एवेन्यू के 46 नंबर पर स्थित रुइया सेंटर से किया जाता था. संयोगवश, पवन रुइया को 2016 में जेसॉप फैक्ट्री से रेलवे उपकरण चोरी के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था. उनके स्वामित्व वाली जेसॉप और डनलप फैक्ट्रियों के बंद होने के बाद, राज्य सरकार ने उन्हें अधिग्रहित करने का प्रयास किया. पवन को वामपंथी शासन के दौरान डनलप फैक्ट्री का स्वामित्व मिला था.

साइबर क्राइम शाखा के अनुसार, पवन रुइया ने बेहद शातिर तरीके से इन फर्जी कंपनियों का जाल बुना था. आरोपियों ने कथित तौर पर ऐसी कंपनियां खड़ी कीं, जिनका जमीन पर कोई अस्तित्व नहीं था, लेकिन कागजों पर इनके जरिए भारी लेनदेन दिखाया जा रहा था. इन शेल कंपनियों का उपयोग काले धन को सफेद करने और साइबर ठगी के जरिए जुटाए गए पैसों को ठिकाने लगाने के लिए किया जाता था.

पुलिस का दावा है कि इस घोटाले के तार पूरे देश से जुड़े हैं और पवन रुइया इस पूरे सिंडिकेट के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में उभरे हैं.

काफी समय से साइबर सेल रुइया के संदिग्ध बैंक लेनदेन और डिजिटल फुटप्रिंट्स पर नजर रख रही थी. पुख्ता सबूत मिलने के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया. अधिकारियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी से देश के सबसे बड़े साइबर और वित्तीय घोटालों में से एक का पर्दाफाश होगा. फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस धोखाधड़ी के खेल में और कौन-कौन से प्रभावशाली लोग शामिल हैं.

भाजपा अवैध मतदाताओं को शामिल करने की कोशिश कर रही है: ममता

ज्ञानेश कुमार को फिर पत्र लिखकर तीखे लहजे में की शिकायत

बिहार की तरह ही रेल के माध्यम से बाहरी मतदाताओं को लाने की योजना

भाजपा को बांग्ला भाषी प्रवासियों को प्रताड़ित करने वाली बर्बर पार्टी कहा

जनता से कहा : सभी 294 सीटों पर मुझे ही उम्मीदवार मानें

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अवैध मतदाताओं के नाम राज्य की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रही है ताकि चुनाव परिणाम को अपने पक्ष में मोड़ा जा सके. बनर्जी ने पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में एक चुनावी रैली में यह बात कही. उन्होंने रैली में अपनी अपील दोहराई कि जनता इस पर ध्यान न दे कि विधानसभा क्षेत्रों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार कौन हैं बल्कि उन्हें ही (ममता बनर्जी को) सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार मानें.

तृणमूल प्रमुख ने कहा, कल अभिषेक (बनर्जी) ने मुझे बताया कि नए मतदाताओं को शामिल करने के लिए एक ही दिन में लगभग 30,000 फॉर्म जमा होने की सूचना मिलने पर उन्हें अपने चुनाव प्रचार कार्यक्रम के बीच से ही कोलकाता स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय जाना पड़ा. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अवैध मतदाताओं को बंगाल की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रही है. वे बिहार की तरह ही रेल के माध्यम पेज 9 पर जारी

निर्वाचन आयोग के कार्यालय के सामने भाजपा –तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

कई वाहनों को तोड़ा गया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर मंगलवार को तनावपूर्ण स्थिति बन गई. यहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थित बूथ-स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के बीच मतदाता सूची में कथित हेरफेरी को लेकर झड़प हुई. पुलिस को स्थिति को काबू में लाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. दोपहर में विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय का दौरा किया. उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और उन पर अशांति भड़काने का आरोप लगाया. उनके जाने के थोड़ी देर बाद फॉर्म 6 के कथित दुरुपयोग को लेकर विरोध प्रदर्शन भड़क गया.

फॉर्म 6 का इस्तेमाल कथित तौर पर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे एनडीए शासित राज्यों के मतदाताओं को पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में जोड़ने के लिए किया जा रहा था. भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने दखल दिया, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई. सोमवार को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया था कि भाजपा ने एक ही दिन में करीब 30 हजार फॉर्म 6 जमा किए थे, जिससे अन्य राज्यों के निवासियों को पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में दर्ज किया जा सके. मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि विरोध पेज 9 पर जारी

नालंदा में शीतला माता मंदिर में भगदड़, 9 मरे

मंदिर प्रबंधन की लापरवाही से हुआ हादसा, एसएचओ सस्पेंड

नालंदा: बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई. हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा.नालंदा जिले के प्रसिद्ध शीतलामाता मंदिर में हुए दर्दनाक हादसे के बाद बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक और मंदिर प्रबंधन की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण बताया. इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दीपनगर थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से 04-04 लाख रुपये एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रुपये (कुल 06 लाख रुपये) अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है.डीजीपी ने स्पष्ट कहा कि इतने बड़े आस्था केंद्र पर भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस की पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था नहीं थी, जो बेहद गंभीर और अक्षम्य लापरवाही है. उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों पर सुरक्षा प्रबंधन का मजबूत होना अनिवार्य है. निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने मंदिर की संरचना पर भी चिंता जताई.

टेनिस कोर्ट के बाद अब भाजपा के साथ राजनीति के मैदान में उतरेंगे पेस

नई दिल्ली: अपने शानदार करियर से भारतीय टेनिस की कई पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले लिएंडर पेस मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और अब राजनीति की पिच पर एक नयी पारी खेलने को तैयार हैं . 51 वर्ष के पेस ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा से जुड़ने का फैसला किया . वह 2021 में बंगाल में सत्तारूढ तृणमूल कांग्रेस से जुड़े थे और 2022 गोवा चुनाव में प्रचार भी किया था . करीब तीन दशक तक भारतीय टेनिस का चेहरा रहे पेस उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने बड़े मौकों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया .

भाजपा में शामिल होकर वह उन बड़े खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए

हैं जिन्होंने खेलों के मैदान पर मिली सफलता को जनसेवा से जोड़ने की कोशिश की है.

अटलांटा ओलंपिक 1996 में पुरूष एकल वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले पेस ने ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक का भारत का लंबा इंतजार खत्म किया. उनसे पहले 1952 हेलसिंकी ओलंपिक में कुश्ती में कशाबा जाधव ने कांस्य पदक जीता था. भारत के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ियों में शुमार पेस का कैरियर लंबा और सुनहरा रहा . पेस ने 18 ग्रैंडस्लैम खिताब पेज 9 पर जारी

ममता 8 अप्रैल को भवानीपुर से नामांकन दाखिल करेंगी ?

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के चुनावी मौसम में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र राज्य में सबसे चर्चित मुकाबले का गवाह बनने जा रहा है. मौजूदा विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के दो अप्रैल को इस क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने की उम्मीद है, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे. उसके छह दिन बाद, आठ अप्रैल को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपना नामांकन दाखिल करने के लिए कालीघाट स्थित अपने आवास से जुलूस के रूप में गोपालनगर सर्वे बिल्डिंग तक जा सकती हैं.

भवानीपुर इस बार आम विधानसभा क्षेत्र नहीं है, बल्कि दो प्रमुख नेताओं के बीच मुकाबले के कारण लोगों की निगाहें इस ओर हैं. सीट पर पश्चिम बंगाल के दो अहम प्रतिद्वंद्वी एक बार फिर एक-दूसरे का सामना करेंगे. ममता बनर्जी 2011 में मुख्यमंत्री बनने के बाद इसी क्षेत्र से विधानसभा पहुंचीं. उसके बाद 2021 में नंदीग्राम में अधिकारी से बहुचर्चित मुकाबला हारने के बाद उन्होंने एक बार फिर इसी सीट से उपचुनाव में जीत हासिल करके विधानसभा में वापसी की. इस बार भाजपा ने भवानीपुर में ममता बनर्जी के खिलाफ अधिकारी को मैदान में उतारा है.

भाजपा की चौथी सूची जारी

चौरंगी से संतोष पाठक और मतुआ बहुल बागदा से सोमा ठाकुर उम्मीदवार

नई दिल्ली/कोलकाता: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 13 उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की. पार्टी ने सामाजिक समीकरणों को साधने के तहत, हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए संतोष पाठक को चौरंगी से और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर की पत्नी सोमा ठाकुर को मतुआ बहुल बागदा सीट से मैदान में उतारा है.

भाजपा ने अब तक पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए कुल 288 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. केवल छह सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा बाकी है. उत्तर 24 परगना जिले की मतुआ बहुल बागदा सीट से भाजपा की उम्मीदवार सोमा ठाकुर, बनगांव के सांसद और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर की पत्नी हैं. उनकी उम्मीदवारी को चुनाव से पहले मतुआ वोट बैंक को मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है.

संतोष पाठक पांच बार कांग्रेस पार्षद रह चुके हैं. उन्हें मध्य कोलकाता की चौरंगी सीट से उतारा गया है. पाठक औपचारिक रूप से 23 मार्च को भाजपा में शामिल हुए थे. भाजपा की चौथी सूची में हावड़ा दक्षिण से श्यामल हाटी, नाटाबाड़ी से गिरिजा शंकर राय, सीताई से आशुतोष वर्मा, मगराहाट पूर्व से उत्तम कुमार बनिक, फाल्टा से देबांगशु पांडा, पेज 9 पर जारी

आईएएस–आईपीएस अफसरों के तबादलों का मामला

हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाएं खारिज की

कहा: साबित नहीं हुआ कि चुनाव आयोग की कार्रवाई मनमानी थी

अदालत ने स्थानांतरण को सेवा का एक हिस्सा माना

वैधानिक प्रावधान के विपरीत तबादले पर पीड़ित दे सकता है चुनौती

कोलकाता: कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग द्वारा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादलों को चुनौती देने के लिए दाखिल दो जनहित याचिकाओं को मंगलवार को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में विफल रहे कि कार्रवाई मनमानी थी और इससे जनहित को नुकसान हुआ. निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया था. याचिकाकर्ता ने दलील दी थी

कि बड़े पैमाने पर किए गए इन तबादलों से राज्य के प्रशासनिक कामकाज पर असर पड़ेगा और निर्वाचन आयोग के आदेशों को निरस्त करने का अनुरोध किया था.

मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर सका कि निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों के तबादलों के लिए अपनी शक्ति का मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक हित को कोई नुकसान पहुंचा. पीठ ने कहा, जनहित याचिका को बनाए रखने के लिए इस मूलभूत तत्व को स्थापित किये बिना, याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता है. अदालत ने कहा, हमारी राय में, स्थानांतरण आदेशों की वैधानिकता, वैधता और औचित्य, जिनसे कोई सार्वजनिक क्षति नहीं हुई है, उनकी जनहित याचिका में पड़ताल नहीं की जा सकती. एक दूसरी याचिका राज्य में बड़े पैमाने पर बीडीओ, ओसी व अन्य पुलिस अधिकारियों के तबादले को लेकर दायर की गयी थी.

पीठ ने रेखांकित किया कि याचिकाकर्ता अर्का कुमार नाग ने कुछ वरिष्ठ नेताओं और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बीच 'साठगांठ' स्थापित करने का प्रयास किया. अदालत ने कहा लेकिन निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता डीएस नायडू ने दलील दी कि जिन व्यक्तियों पर मिलीभगत या दबाव की रणनीति अपनाने के आरोप लगाए गए हैं, उनमें से किसी को भी प्रतिवादी नहीं बनाया गया है. पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग के खिलाफ दुर्भावना के किसी भी आरोप को स्वीकार नहीं किया जा सकता है. उसने टिप्पणी की कि निरर्थक दलीलों के अलावा, इस तरह के किसी भी संबंध पेज 9 पर जारी

चौरंगी में 2 छापों में 15 लाख रुपये बरामद

युवाशक्ति न्यूज, कोलकाता: चुनाव में काले धन का इस्तेमाल रोकने के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है. मंगलवार को पड़े दो जगहों पर पड़े छापों में 15 लाख रुपये नकद बरामद किये गये. ये छापे व तलाशी चौरंगी विधान सभा क्षेत्र में चलायी गयी. एक स्थान से 10 लाख और एक स्थान से 5 लाख रुपये बरामद किये गये. उल्लेखनीय है कि पुलिस व प्रशासन चुनाव आयोग के आदेशों का सख्ती से अनुपालन कर रहा है. बरामद नकदी आयकर विभाग टीम को आगे की कार्यवाही के लिए सौंप दी गयी है.

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

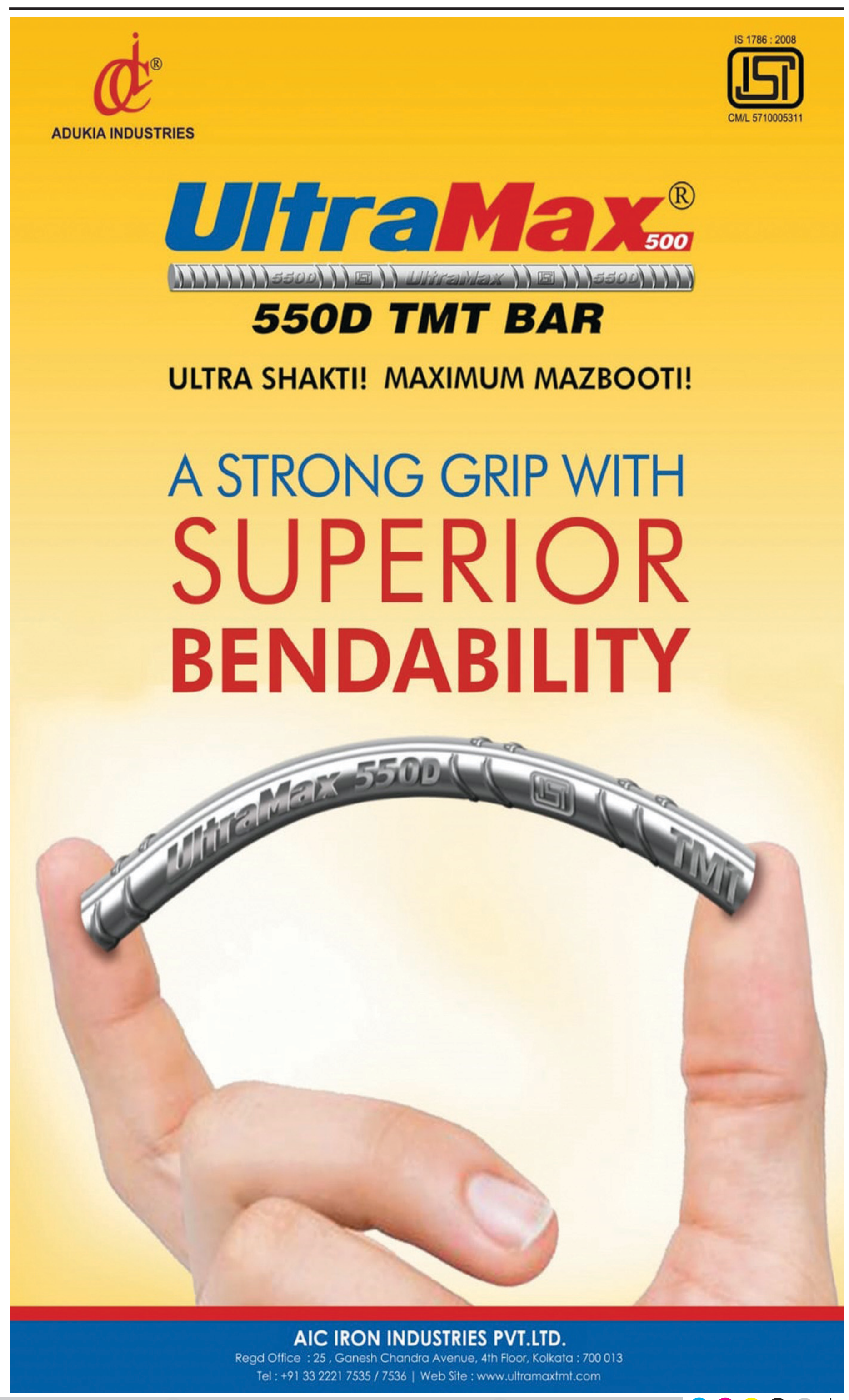

आरामबाग : गांव में भाजपा उम्मीदवार का शंख बजाकर और मिठाई खिलाकर हुआ स्वागत

हुगली : आरामबाग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गोरहाटी नंबर-एक पंचायत के पैशारा स्थित कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हेमंत बाग ने मंगलवार को अपने जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की.इसके बाद उन्होंने खारोल, पैशारा, गौरी ग्राम और शुभयपुर गांवों का दौरा कर लोगों से मुलाकात की. इस दौरान खारोल गांव की महिलाओं ने उम्मीदवार का गर्मजोशी से स्वागत किया. महिलाओं ने उन्हें मिठाई खिलाकर, फूलों की माला पहनाकर और शंखध्वनि के साथ सम्मानित किया. भाजपा उम्मीदवार हेमंत बाग ने स्थानीय लोगों के साथ संवाद किया और उनका हालचाल जाना. गांव की महिलाओं ने उम्मीदवार के साथ खुशी जाहिर करते हुए नृत्य किया और समर्थन में नारे भी लगाए.इस दौरान हेमंत बाग ने क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे.

वोट से पहले गोघाट के पश्चिमपाड़ा में बवाल, मतदाता सूची को लेकर विरोध

हुगली : आगामी विधानसभा चुनाव से पहले हुगली जिले के गोघाट क्षेत्र के पश्चिमपाड़ा में मतदाता सूची को लेकर तनाव फैल गया है. आरोप है कि कई बूथों में करीब 220 मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है.
स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कुल 12 बूथों में से अब तक आठ बूथों की सूची जारी की गई है. जारी सूची में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम नहीं होने से इलाके में हड़कंप मच गया. आरोप लगाया जा रहा है कि एसआईआर सूची से योजनाबद्ध तरीके से नाम हटाए गए हैं.मंगलवार सुबह से ही स्थानीय लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने लगे. महिला और पुरुष झाड़ू और जूते लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन करते नजर आए.

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि उनके नाम सूची से हटाए जाने का कारण स्पष्ट किया जाए.स्थानीय निवासियों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना के उनके नाम हटा दिए गए हैं. कई वर्षों से मतदान कर रहे लोगों के नाम अचानक गायब होने से उनमें चिंता और नाराजगी बढ़ रही है. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तृणमूल कांग्रेस की ओर से इलाके में एक हेल्प डेस्क खोला गया है.
जहां प्रभावित मतदाताओं को फॉर्म दिए जा रहे हैं ताकि वे चुनाव आयोग के पास दोबारा आवेदन कर सकें.तृणमूल का दावा है कि सभी प्रभावित लोगों के नाम फिर से सूची में शामिल कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं.वहीं, विपक्ष ने इस हेल्प डेस्क को असली समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया है. घटना को लेकर इलाके में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है.

मेदिनीपुर के विकास के लिए पूरी निष्ठा से काम करूंगा : शंकर

मेदिनीपुर : मेदिनीपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार डॉ. शंकर गुच्छैत ने कहा है कि वह क्षेत्र के समग्र विकास और जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देंगे.डॉ. गुच्छैत ने मंगलवार को संवाददाता से विशेष बातचीत में कहा कि मेदिनीपुर की जनता ने हमेशा विकास की राजनीति को महत्व दिया है. उन्होंने कहा कि मैं यहां के हर गांव और हर परिवार की समस्याओं को समझते हुए उनके समाधान के लिए प्रतिबद्ध हूं.उन्होंने कहा कि मेदिनीपुर विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा.

कांग्रेस को बड़ा झटका, वरिष्ठ नेता जयंत कुमार राय भाजपा में शामिल

कूचबिहार : राज्य में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जिले के मेखलीगंज क्षेत्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. मेखलीगंज विधानसभा सीट से दो बार कांग्रेस के उम्मीदवार रह चुके वरिष्ठ नेता जयंत कुमार राय ने भाजपा का दामन थाम लिया है. मेखलीगंज के परमेखलीगंज ग्राम पंचायत के निगमानंद आश्रम से सटे मैदान में आयोजित मंगलवार को राजनीतिक सभा में उन्होंने भाजपा उम्मीदवार दधिराम रॉय के हाथों से पार्टी का झंडा थाम लिया.इस कार्यक्रम में जिला कमेटी के महासचिव बंकिम चंद्र रॉय, दक्षिण मंडल अध्यक्ष शंकर रॉय समेत अन्य भाजपा नेता मौजूद थे.मिली जानकारी के अनुसार, जयंत कुमार राय 1993 में हल्दीबाड़ी पंचायत समिति के सदस्य चुने गए थे. इसके बाद 2006 और 2011 में उन्होंने मेखलीगंज सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा. वह लंबे समय तक जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भी रहे है. पार्टी बदलने को लेकर जयंत कुमार राय ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार परेश चंद्र अधिकारी पर कटाक्ष किया.उन्होंने कहा कि शिक्षा घोटाले में आरोपित उम्मीदवार को हराने और पश्चिम बंगाल को भ्रष्टाचार व शोषण से मुक्त करने के उद्देश्य से उन्होंने भाजपा में शामिल हुए हैं.चुनाव से पहले इस बड़े नेता के भाजपा में शामिल होने से मेखलीगंज में पार्टी को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है.

जलपाईगुड़ी हत्याकांड: दामाद ही निकला सास का कातिल, गला काटकर हत्या करने वाला आरोपी सिलीगुड़ी से गिरफ्तार

जलपाईगुड़ी : जलपाईगुड़ी के बहादुर पंचायत अंतर्गत चेकरचंडी कामत इलाके में हुई वृद्धा की रोंगटे खड़े कर देने वाली हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है. पुलिस ने इस मामले में मृतका के मंझले दामाद आलामिन हक को गिरफ्तार किया है. आरोपी अपने ससुराल में ही 'घर जमाई' बनकर रहता था.
पुलिस आरोपी की पत्नी हसीना बीबी से भी कड़ी पूछताछ कर रही है.बीते शनिवार को 73 वर्षीय वृद्धा समीजा खातून का बिना सिर वाला धड़ उनके घर के पीछे से बरामद हुआ था. घटना के बाद से ही आरोपी आलामिन हक फरार था. जलपाईगुड़ी पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से उसे सिलीगुड़ी के भरत नगर इलाके से हिरासत में लिया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया.अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) शौभनिक मुखोपाध्याय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया:आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है. हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि इस जघन्य हत्याकांड के पीछे संपत्ति का विवाद था या फिर कोई 'काला जादू' का मामला. आरोपी ने बताया है कि उसने कटा हुआ सिर और हत्या में इस्तेमाल हथियार कहाँ छिपाया है.वृद्धा का कटा हुआ सिर बरामद करना पुलिस के लिए अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है. पुलिस ने अब तक निम्नलिखित कदम उठाए हैं:ड्रोन और खोजी कुत्ते: सिर की तलाश के लिए इलाके में ड्रोन उड़ाए गए और स्निफर डॉग्स की मदद ली गई.तालाबों की तलाशी: सिविल डिफेंस के गोताखोरों ने गांव के सभी तालाबों में उतरकर तलाशी अभियान चलाया.फॉरेंसिक जांच: फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने इकट्ठा किए हैं ताकि वैज्ञानिक सबूत जुटाए जा सकें.आरोपी की निशानदेही पर पुलिस अब उस हथियार और सिर की तलाश कर रही है, जिसे उसने कहीं सुनसान जगह पर फेंक दिया था. इस घटना से पूरे इलाके में अभी भी भारी तनाव और दहशत का माहौल है.

महिला उत्पीड़न के आरोप पर सियासी संग्राम

हुगली : अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हुगली में एक कथित महिला उत्पीड़न मामले को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है, जहां दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं.तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर हुगली जिला भाजपा अध्यक्ष गौतम चटर्जी पर एक महिला के साथ कथित उत्पीड़न का आरोप लगाया. पार्टी का दावा है कि संबंधित नेता ने अपनी ही पार्टी के एक कार्यकर्ता की पत्नी के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार किया और विरोध करने पर उसके पति को झूठे वित्तीय मामले में फंसाने की कोशिश की.वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम चटर्जी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया है. उनका कहना है कि 30 तारीख को उन्होंने संबंधित व्यक्ति से पैसे वापस करने को कहा था, लेकिन पैसे नहीं लौटाए गए और इसके बाद उनके खिलाफ आरोप लगाए जाने लगे.भाजपा नेता ने कहा कि मेरे पास सभी सबूत मौजूद हैं. जांच होने दीजिए, सच्चाई सामने आ जाएगी. तृणमूल कांग्रेस के लोग मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि वह लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में हैं और स्थानीय लोग उनके चरित्र को भली-भांति जानते हैं.

मलय घटक ने आसनसोल में किया चुनाव प्रचार

आसनसोल : मंगलवार को आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार ने अपना जनसंपर्क अभियान और तेज कर दिया है.जनसंपर्क अभियान के तहत मलय घटक आसनसोल के बाजार घांटी गली इलाके में पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से सीधे संवाद स्थापित किया.उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की, हाथ जोड़कर समर्थन की अपील की. आगामी चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने का अनुरोध किया. इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पार्टी समर्थक भी मौजूद रहे.अपने संबोधन में मलय घटक ने राज्य में हुए विकास कार्यों को प्रमुख मुद्दा बनाया. उन्होंने कहा कि

ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में लगातार विकास हुआ है और आसनसोल उत्तर क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी की गई हैं, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिला है.उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि विकास की गति को बनाए रखना है, तो ममता बनर्जी को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाना जरूरी है. साथ ही उन्होंने आगामी चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को भारी बहुमत से जीत दिलाने का आह्वान किया.आसनसोल उत्तर में चल रहा यह अभियान संकेत देता है कि तृणमूल कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक चुकी है और हर घर तक पहुंचकर समर्थन जुटाने की रणनीति पर काम कर रही है.

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

जलपाईगुड़ी : जिले के तीस्ता ब्रिज के पास बालापाड़ा स्थित 27 (डी) राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह दुर्घटना बीती रात करीब एक बजे हुई है. हादसे के बाद काफी देर तक बाइक सवार का शव सड़क पर ही पड़ा रहा. मृतक की पहचान दिलीप दास के रूप में हुई है, जो पाताकाटा इलाके के निवासी बताए जा रहे है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.बताया जा रहा है कि पिछले दस दिनों में इसी मार्ग पर लरगातार तीन लोगों की जान जा चुकी है,

नेता बनने के बाद भाजपा उम्मीदवार के आय में गिरावट हलफनामे में दर्ज

आसनसोल : आसनसोल नॉर्थ विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु मुखर्जी के नामांकन के साथ उनके हलफनामे में दी गई जानकारी ने कई अहम बातें सामने रखी हैं.हलफनामे के अनुसार, वर्ष 2015-16 से 2019-20 के बीच कृष्णेंदु मुखर्जी की औसत वार्षिक आय करीब 8.59 लाख रुपये थी, जबकि उनकी पत्नी की आय 6.91 लाख रुपये थी. 21 फरवरी 2020 को भाजपा में शामिल होने के बाद वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान उनकी औसत आय घटकर 5.41 लाख रुपये रह गई और उनकी पत्नी की आय भी घटकर 4.91 लाख रुपये हो गई.आय में गिरावट के बावजूद उनकी संपत्ति में बढ़ोतरी दर्ज की गई है. मुखर्जी के पास लगभग 54.41 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है, जबकि उनके नाम कोई अचल संपत्ति नहीं है. उन पर करीब 2.03 करोड़ रुपये का कर्ज है. उनकी पत्नी के पास 2.49 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 1.17 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है. उनकी पत्नी पर लगभग 1.86 करोड़ रुपये का कर्ज है.
वाहनों की बात करें तो कृष्णेंदु मुखर्जी के पास केवल एक दोपहिया वाहन है, जिसे उन्होंने 2021 में खरीदा था, जबकि उनकी पत्नी के पास एक ळ10 कार है. आभूषण के मामले में मुखर्जी के पास कोई सोना-चांदी या अन्य जेवरात नहीं है,
जबकि उनकी पत्नी के पास लगभग 4.23 लाख रुपये के आभूषण हैं.हलफनामे में यह भी बताया गया है कि उनके खिलाफ कुल 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं. ये सभी मामले 1997 से 2019 के बीच के हैं, इलाके में उनकी छवि एक बाहुबली नेता के रूप में बताई जाती है.

अभिषेक बनर्जी की जनसभा को लेकर तैयारियां जोरों पर

जलपाईगुड़ी : तृणमूल महासचिव तथा सांसद अभिषेक बनर्जी बुधवार दोपहर आमबाड़ी में एक बड़ी चुनावी जनसभा को संबोधित करने आ रहे है. यह सभा स्वप्ना बर्मन के समर्थन में आयोजित की जा रही है, जो राजगंज विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार है.मंच निर्माण से लेकर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन तक सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है.

शांतिपुर के चुनावी दंगल में फिट भाजपा उम्मीदवार: कसरत के साथ जनसंपर्क की नई रणनीति

शांतिपुर : शांतिपुर विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व शिक्षक स्वपन दास अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों से एक कदम आगे नजर आ रहे हैं. पेशे से शारीरिक शिक्षा के शिक्षक रहे स्वपन दास के लिए सुबह का समय केवल कसरत का नहीं, बल्कि सीधे जनता से जुड़ने का जरिया बन गया है.हर सुबह शांतिपुर के विभिन्न खेल मैदानों में वे अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हुए देखे जा सकते हैं. मंगलवार सुबह भी कुछ ऐसा ही नजारा कैमरे में कैद हुआ, जहाँ स्वपन बाबू मैदान में पसीना बहाने के बाद स्थानीय लोगों के साथ चाय की चुस्कियों पर चर्चा करते नजर आए. स्थानीय लोगों का मानना है कि एक पूर्व शिक्षक और 'मैदान से जुड़े व्यक्ति' के विधायक बनने से वर्तमान पीढ़ी में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी, जो आज के समय की बड़ी जरूरत है.मैदान में अभ्यास के दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा:मेरे लिए मैदान में आना या शारीरिक व्यायाम करना कोई नई बात नहीं है; यह मेरा पेशा भी रहा है और जुनून भी. आज उम्मीदवार बनने के बाद भी मैं अपनी दिनचर्या नहीं भूला हूँ. सुबह मैदान में आकर लोगों से मिलना और उनके साथ चाय पीना मुझे ऊर्जा देता है. अगर जनता मुझे सेवा का मौका देती है, तो मेरी प्राथमिकता होगी कि शांतिपुर की नई पीढ़ी को नशा और मोबाइल की लत से दूर कर वापस खेल के मैदानों तक लाया जाए.

चुनाव 2026 : श्रीरामपुर से संतोष कुमार सिंह फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में

हुगली : जिले के श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र से संतोष कुमार सिंह एक बार फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरने जा रहे हैं. पेशे से होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर डॉ. सिंह इससे पहले वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भी इसी सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ चुके हैं, जहां उन्हें लगभग 0.5 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे.मंगलवार को मीडिया से बातचीत में डॉ. सिंह ने कहा कि श्रीरामपुर क्षेत्र के लोग अब भी विकास से वंचित हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में स्थानीय जनता को उनका अधिकार नहीं मिल पा रहा है. इन मुद्दों को लेकर ही वे एक बार फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है.डॉ. सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान उम्मीदवार का श्रीरामपुर के विकास में कोई ठोस योगदान नहीं रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा के समय में संबंधित नेता जनता के बीच नजर नहीं आते, जबकि अब चुनाव के समय घर-घर जाकर वोट मांग रहे हैं.वार्ड संख्या 23 के निवासी डॉ. संतोष कुमार सिंह ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को उनके अधिकार दिलाना और समग्र विकास सुनिश्चित करना है.

न्यूज कॉर्नर

चुनावी पोस्टर और दीवारों पर पोती गई कालिख; भाजपा ने टीएमसी पर लगाया गुंडागर्दी का आरोप

हावड़ा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच हावड़ा जिले के डोमजूर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक तनाव चरम पर है. डोमजूर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के समर्थन में लिखी गई दीवारों और पोस्टरों पर रात के अंधेरे में कीचड़, गोबर और कालिख पोतने का मामला सामने आया है. इस घटना को लेकर भाजपा ने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस (ढचउ) के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है.भाजपा नेतृत्व का आरोप है कि डोमजूर के मंडल नंबर 2 के अंतर्गत आने वाले देवीर पाड़ा और चामराइल सहित विभिन्न इलाकों में पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में जो दीवार लेखन किया गया था, सोमवार देर रात टीएमसी आश्रित बदमाशों ने उन पर कीचड़ और गोबर पोत दिया. इतना ही नहीं, कई जगहों पर भाजपा के झंडे भी फाड़ दिए गए और पोस्टरों को मिटाने की कोशिश की गई.स्थानीय भाजपा नेताओं का कहना है कि टीएमसी हार के डर से इस तरह की ओछी राजनीति पर उतर आई है. उन्होंने कहा:लोकतंत्र में दीवारों पर अपनी बात लिखना हर पार्टी का अधिकार है, लेकिन टीएमसी के गुंडे रात के अंधेरे में हमारी दीवारों पर कालिख पोत रहे हैं. वे जितना भी कीचड़ उछालें, जनता का समर्थन हमारे साथ है. हमने इस घटना की शिकायत चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन से की है.

मालदा: वोटर लिस्ट से नाम कटने पर फूटा गुस्सा ,टायर जलाकर जोरदार प्रदर्शन

रतुआ (मालदा) : :मालदा जिले के रतुआ-1 ब्लॉक अंतर्गत बहाड़ाल इलाके में मंगलवार सुबह मतदाता सूची से नाम काटे जाने के विरोध में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हुआ. स्थानीय निवासियों ने एनएच-131ए पर टायर जलाकर और बीच सड़क पर बेंच रखकर रास्ता पूरी तरह जाम कर दिया.प्रशासन के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वे वर्षों से इलाके के वैध नागरिक हैं और पिछले कई चुनावों में मतदान कर चुके हैं. इसके बावजूद, इस बार अचानक उनका नाम सूची से गायब कर दिया गया है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस मुद्दे पर बूथ लेवल अधिकारियों (इड्ज) के माध्यम से ब्लॉक विकास अधिकारी (इऊ्ज) से बात करने की कोशिश की, तो प्रशासन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला. इसी उपेक्षा से नाराज होकर ग्रामीणों ने सुबह 9 बजे से बहाड़ स्टैंड पर नाकाबंदी शुरू कर दी.पुलिस और सुरक्षा बल रहे नाकाम सड़क जाम होने के कारण नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रतुआ थाने की पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुँचे. सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और जाम हटाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे. समाचार लिखे जाने तक इलाके में तनाव व्याप्त है और प्रदर्शनकारी अपनी नागरिकता और मताधिकार की रक्षा के लिए आंदोलन पर डटे हुए हैं.

वोटर लिस्ट विवाद पर तृणमूल का हल्ला बोल

सिलीगुड़ी : :सिलीगुड़ी विधानसभा चुनाव के बीच मतदाता सूची से नाम काटे जाने के मुद्दे पर राजनीति गरमा गई है. मंगलवार सुबह से सिलीगुड़ी के व्यस्त हाशमी चौक (एयरव्यू मोड) पर तृणमूल कांग्रेस (ढचउ) के नेतृत्व में एक विशाल 'गण-अवस्थान' (सामूहिक धरना) आयोजित किया गया. टीएमसी का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर बंगाल के वैध नागरिकों का मताधिकार छीनने की गहरी साजिश रची है.इस विरोध प्रदर्शन में सिलीगुड़ी के मेयर और वर्तमान टीएमसी प्रत्याशी गौतम देव, डिप्टी मेयर रंजन सरकार, सिलीगुड़ी नगर निगम के पार्षद और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए.धरना मंच के ठीक बगल में तृणमूल कांग्रेस के 'लीगल सेल' की ओर से एक विशेष कैंप लगाया गया है. टीएमसी नेतृत्व ने दावा किया कि:दार्जिलिंग लोकसभा क्षेत्र से अब तक 22,000 से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं. पार्टी का दावा है कि इस केंद्र के लगभग 40,000 मतदाताओं के नाम फिलहाल 'विचाराधीन' (णपवशी ठर्शींळशु) रखे गए हैं.मीडिया से बात करते हुए गौतम देव ने कहा:यह भाजपा की एक सुनियोजित साजिश है. जानबूझकर हमारे समर्थकों और वैध नागरिकों के नाम लिस्ट से हटाए जा रहे हैं. हमने आज हाशमी चौक पर कैंप लगाकर उन लोगों की मदद शुरू की है जिनके नाम काट दिए गए हैं. यह कैंप केवल आज के लिए नहीं है, बल्कि आने वाले दिनों में हमारे पार्टी कार्यालय से भी संचालित होगा ताकि हर नागरिक को उसका कानूनी हक मिल सके.

सिलीगुड़ी का सियासी पारा हाई: शंकर घोष का पोस्टर' वार बनाम टीएमसी का गण-अवस्थान

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी विधानसभा सीट पर चुनावी जंग अब पोस्टर राजनीति और धरने तक पहुँच गई है. मंगलवार को भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच आरोपों और प्रत्यारोपों का दौर तेज रहा. एक ओर जहाँ भाजपा उम्मीदवार शंकर घोष ने सरकारी कर्मचारियों को लुभाने के लिए पोस्टर अभियान चलाया, वहीं दूसरी ओर टीएमसी उम्मीदवार गौतम देव ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के खिलाफ सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाला. भाजपा उम्मीदवार शंकर घोष ने आज एक अनोखे अंदाज में प्रचार किया. उन्होंने सिलीगुड़ी थाना, सिलीगुड़ी बॉयज स्कूल और सिलीगुड़ी नगर निगम जैसे सरकारी परिसरों में पोस्टर लगाकर सरकारी कर्मचारियों (स्थायी और अस्थायी) से भाजपा को वोट देने की अपील की. पोस्टर में स्पष्ट लिखा है कि भाजपा के सत्ता में आने के 45 दिनों के भीतर 7वें वेतन आयोग को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी.शंकर घोष ने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में बंगाल में अनुबंध आधारित (उेपीीरलींीरश्र) कर्मचारियों का वेतन बहुत कम है, जिसे भाजपा सरकार बढ़ाएगी.दूसरी ओर गौतम देव ने सरकारी जगहों पर पोस्टर लगाने को लेकर टीएमसी उम्मीदवार गौतम देव ने शंकर घोष पर आचार संहिता (चेवशश्र उेवश `ष उेपर्वीली) के उल्लंघन का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि उनके पास सीसीटीवी फुटेज है और वे चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेंगे.दूसरी ओर, सिलीगुड़ी के हाशमी चौक पर तृणमूल कांग्रेस ने विशाल 'गण-अवस्थान' (सामूहिक धरना) आयोजित किया. टीएमसी का आरोप है कि भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर बंगाल के वैध नागरिकों का मताधिकार छीनने की साजिश रची है. टीएमसी के अनुसार, दार्जिलिंग लोकसभा सीट से 22,000 से अधिक नाम काटे गए हैं और सिलीगुड़ी विधानसभा में 40,000 से अधिक नाम विचाराधीन हैं. धरना मंच के बगल में ही टीएमसी के लीगल सेल ने एक कैंप लगाया, जहाँ उन लोगों की मदद की जा रही है जिनका नाम लिस्ट से कट गया है.गौतम देव (मेयर व टीएमसी प्रत्याशी) ने कहा:यह भाजपा की साजिश है जिसमें चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया जा रहा है. हम चुप नहीं बैठेंगे. हमने हाशमी चौक पर कैंप लगाया है और आगे यह कैंप हमारे पार्टी कार्यालय से भी चलेगा ताकि प्रभावित लोगों की कानूनी मदद की जा सके.इस विरोध प्रदर्शन में मेयर गौतम देव के साथ डिप्टी मेयर रंजन सरकार और नगर निगम के अन्य टीएमसी पार्षद भी शामिल हुए.

भाजपा के सातो विधानसभा सीट के उम्मीदवार एक साथ नामांकन भरेंगे : जिलाध्यक्ष

आसनसोल : बराबनी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने पर अरिजीत राय ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उसके लिए आभारी हैं. उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से पार्टी के विभिन्न पदों पर काम करते आ रहे हैं और अब उन्हें टिकट देकर पार्टी ने उनके प्रति अपना विश्वास दिखाया है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह इस विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे और बराबनी सीट जीतकर पार्टी को समर्पित करेंगे.उन्होंने यह भी जानकारी दी कि एक अप्रैल को आसनसोल संसदीय क्षेत्र के सभी सात भाजपा उम्मीदवार नामांकन दाखिल करेंगे. इससे पहले एक बड़ी रैली निकाली जाएगी, जिसमें सभी उम्मीदवार एक साथ शामिल होंगे और वहीं से निर्वाचन कार्यालय पहुंचेंगे. आसनसोल उत्तर के उम्मीदवार पहले ही नामांकन कर चुके हैं, लेकिन वे भी इस रैली में भाग लेंगे.उन्होंने क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि बराबनी विधानसभा क्षेत्र मुख्यतः ग्रामीण इलाका है, जहां आज भी कई जगह कच्चे मकान हैं और विकास का अभाव साफ दिखाई देता है. उनका आरोप है कि पिछले 15 वर्षों से तृणमूल कांग्रेस के शासन के बावजूद यहां कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ.उन्होंने

मजदूरों की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उनसे 12 घंटे काम लिया जाता है, लेकिन उन्हें आठ घंटे की ही मजदूरी मिलती है, जो शोषण को दर्शाता है. इसके लिए उन्होंने स्थानीय विधायक को जिम्मेदार ठहराया.चुनावी मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां जनता ही सबसे बड़ी ताकत होती है. उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार जनता बदलाव का मन बना चुकी है और तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से हटाने का संकल्प ले चुकी है.
उन्होंने कहा कि अब तक डर और दबाव के जरिए शासन चलाया गया, लेकिन इस बार जनता खुलकर अपना फैसला सुनाएगी.टिकट मिलने में देरी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह पार्टी के एक अनुशासित कार्यकर्ता हैं और संगठन के फैसले का सम्मान करते हैं. देर से ही सही, लेकिन अब वह पूरी तरह चुनावी मैदान में उतर चुके हैं और आक्रामक तरीके से प्रचार करेंगे. उन्होंने इसे टी-20 मैच की तरह बताते हुए कहा कि कम समय में तेज अभियान चलाया जाएगा.वोटर लिस्ट को लेकर भी उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में फर्जी वोटरों को हटाया गया है, जिससे इस बार चुनाव परिणाम पर असर पड़ेगा. उनके अनुसार, मतदाता सूची में संशोधन के बाद चुनाव अधिक निष्पक्ष होने की उम्मीद है.
वहीं, भाजपा के जिलाध्यक्ष देबतानु भट्टाचार्य ने कहा कि 2021 के चुनाव में भाजपा सत्ता में आने की कोशिश कर रही थी, लेकिन 2026 के चुनाव में जनता खुद तृणमूल कांग्रेस को हटाना चाहती है. उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल विकास के नाम पर वोट मांग रही है, जबकि भाजपा जनता के वास्तविक विकास के मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ रही है.

शमीक भट्टाचार्य का ममता सरकार पर तीखा हमला

भ्रष्टाचार, फर्जी वोटिंग और केंद्रीय योजनाओं को रोकने का लगाया आरोप

कोलकाता: भाजपा नेता शमीक भट्टाचार्य ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जानबूझकर लोगों को भाजपा के खिलाफ भड़का रही है और चुनाव आयोग के सामने टीएमसी द्वारा लोगों को डराने-धमकाने की शिकायत दर्ज कराई गई है. शमीक भट्टाचार्य ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में राज्य के 9 विश्वविद्यालयों में कोई स्थायी फैकल्टी नहीं है. उन्होंने विशेष रूप से बारासात विश्वविद्यालय का जिक्र करते हुए दावा किया कि वहां फैकल्टी की नियुक्तियों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है और किसी भी नियम का पालन नहीं किया गया. विधाननगर में एक मस्जिद के निर्माण पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्ट किया, यह मामला धर्म का नहीं, बल्कि अवैधता का है. फर्जी मतदाताओं के नाम पर मस्जिद के प्लॉट तैयार किए गए हैं. उन्होंने आगे कहा कि भाजपा वैध मस्जिदों के खिलाफ नहीं है, लेकिन फर्जीवाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. टीएमसी सरकार पर वक्फ संपत्तियों को लूटने का आरोप लगाया. भवानीपुर में दो संपत्तियों को लूटकर अवैध इमारतें बनाने और सरकारी जमीन पर प्रमोटिंग करने का दावा किया. केंद्र द्वारा बंगाल को फंड न देने के दावों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 100 दिनों के काम (मनरेगा) का पैसा देना चाहती है, लेकिन राज्य सरकार की उदासीनता और लेबर बजट न देने के कारण यह अटका हुआ है. इसके अलावा राज्य सरकार ने पीएम सेतु परियोजना, खेलो इंडिया और पीएम उषा जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को राज्य में लागू नहीं होने दिया. उन्होंने मुख्य सचिव से इन दावों पर लिखित जवाब देने की मांग की. शमीक भट्टाचार्य ने हाल ही में खड़गपुर के एक भाजपा कार्यकर्ता पर हुए हमले का जिक्र करते हुए पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में दस्तावेज छीने जा रहे हैं. उन्होंने चुनाव आयोग से पूछा कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद स्थिति इतनी खराब क्यों है? उन्होंने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि मई 2026 में बंगाल में भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा और राज्य में रुकी हुई सभी विकास परियोजनाओं को फिर से शुरू किया जाएगा.

महंगाई भत्ते में विसंगति के खिलाफ कोर्ट कर्मचारियों का हल्ला बोल

कामकाज ठप कर जताया विरोध

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की अदालतों में मंगलवार को कामकाज आंशिक रूप से प्रभावित रहा. पश्चिम बंगाल अदालत कर्मचारी समिति ने महंगाई भत्ते (डीए) के भुगतान में भारी विसंगतियों और केंद्र के बराबर डीए की मांग को लेकर एक व्यापक विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया. प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का आरोप है कि राज्य सरकार द्वारा घोषित हालिया डीए वृद्धि के बावजूद, वे अभी भी केंद्रीय कर्मचारियों और अन्य राज्यों के मुकाबले काफी पीछे हैं. समिति के नेताओं ने कहा: राज्य सरकार डीए के नाम पर कर्मचारियों के साथ छलावा कर रही है. वर्षों से बकाया डीए का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे अदालती कर्मचारियों के परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं. कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट, अलीपुर कोर्ट और विधाननगर कोर्ट सहित विभिन्न जिला अदालतों के बाहर कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया. लंच ब्रेक के दौरान कर्मचारियों ने गेट के सामने इकट्ठा होकर सरकार विरोधी नारे लगाए. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी जायज मांगें पूरी नहीं होतीं, वे अपना लोकतांत्रिक आंदोलन जारी रखेंगे.

हाथ में झाड़ू लिए मतदाताओं को संदेश!

कांग्रेस उम्मीदवार सुमन ने मानिकतला में प्रतीकात्मक सफाई की

कोलकाता: चुनाव प्रचार में चौंकाने वाले नज़ारे देखने को मिल रहे हैं. कुछ उम्मीदवार दाढ़ी मुंडवा रहे हैं, कुछ रसोई में खाना बना रहे हैं, और कुछ घरों में पानी पहुंचा रहे हैं. चुनाव प्रचार के इन अनोखे तरीकों की सूची में एक नया नाम जुड़ गया है - कोलकाता का मानिकतला विधानसभा क्षेत्र. इस बार कांग्रेस उम्मीदवार सुगाता (सुमन) रॉयचौधरी ने झाड़ू से कूड़ा साफ करके सबका ध्यान खींचा! मंगलवार की सुबह, उन्होंने सबसे पहले उल्तोडांगा क्षेत्र के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. वहां से वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ पास के शीतला मंदिर गए. पूजा के बाद, इलाके के लोगों से बातचीत करते समय, उन्होंने अचानक एक खेत के किनारे कूड़े का ढेर देखा. वे एक पल के लिए रुके. उन्होंने कार्यकर्ताओं से झाड़ू लाने को कहा. फिर उन्होंने खुद झाड़ू उठाई और बिखरे हुए कूड़े को एक जगह इकट्ठा करने लगे. इस दृश्य को देखकर स्थानीय लोग स्वाभाविक रूप से उत्सुक हो जाते हैं. सवाल उठता है, क्या यह महज़ चुनावी हथकंडा है? हालांकि, सुमन रॉयचौधरी का कहना है, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है, यह एक प्रतीकात्मक विरोध है. मानिकतला शहर का केंद्र है, यहाँ हर वर्ग के लोग रहते हैं. फिर भी वहाँ स्वास्थ्य और स्वच्छता की इतनी अनदेखी क्यों है? उन्होंने यह भी कहा, मैंने बच्चों के खेलने के मैदान में कचरा पड़ा देखा. यह शर्मनाक है. मैंने प्रशासन की विफलता के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करने के लिए झाड़ू उठाई. कांग्रेस उम्मीदवार यहीं नहीं रुके. उन्होंने सीधे कोलकाता नगर निगम और सत्ताधारी पार्टी को निशाना बनाया. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, क्या यह नगर प्रबंधन का आदर्श है? यदि हम नागरिकों को स्वस्थ वातावरण प्रदान नहीं कर सकते, तो आने वाली पीढ़ी बीमार पड़ जाएगी. फिर हम किससे वोट मांगेंगे? कुछ स्थानीय लोगों ने यह भी शिकायत की है कि खेत में जमा कचरे से आने वाली दुर्गंध के कारण कभी-कभी परेशानी होती है. सुमन का दावा है कि यह प्रतीकात्मक सफाई वास्तव में एक संदेश है कि यदि मानिकतला के लोग उन्हें मौका दें, तो कांग्रेस स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण करेगी. गौरतलब है कि राज्य में चुनाव तिथि की घोषणा के बाद सबसे पहले वाम मोर्चा ने उम्मीदवारों की सूची जारी की. इसके बाद तृणमूल और भाजपा ने भी अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर जोरदार प्रचार अभियान शुरू कर दिया. हालांकि कांग्रेस ने उम्मीदवारों की सूची थोड़ी देर से जारी की, लेकिन अब उनके उम्मीदवार भी धीरे-धीरे मैदान में उतर रहे हैं. और इसी प्रचार अभियान में मानिकतला से कांग्रेस के उम्मीदवार ने झाड़ू से सफाई करते हुए सबका ध्यान आकर्षित किया!

भाजपा का दावा : कूच बिहार में उसके उम्मीदवार के काफिले पर हमला हुआ; तृणमूल ने किया खारिज

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में उसके उम्मीदवार के काफिले पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने हमला किया, जिसे सत्तारूढ़ दल ने खारिज कर दिया. तृणमूल ने दावा किया कि यह हमला विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नामों को हटाए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों के बीच व्याप्त आक्रोश का परिणाम था. घटना के बाद तनाव बढ़ने पर पुलिस और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे. एक पुलिस अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया, भाजपा उम्मीदवार ने आरोप लगाया है कि उनके काफिले पर हमला हुआ है. हम इस आरोप की जांच कर रहे हैं. पश्चिम बंगाल की प्रमुख विपक्षी पार्टी ने दावा किया कि तृणमूल कार्यकर्ताओं ने कूच बिहार दक्षिण विधानसभा सीट से उम्मीदवार रथेंद्र नाथ बोस के काफिले पर उस समय पथराव किया जब वे चुनाव प्रचार से घर लौट रहे थे. भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने सुतकबारी इलाके में काफिले को रोका और कम से कम एक कार में तोड़फोड़ की. एक भाजपा नेता ने एक स्थानीय समाचार चैनल से कहा, उन्होंने लाठियों, डंडों, ईंटों और पत्थरों से काफिले पर हमला किया. एक वाहन के शीशे तोड़ दिए गए. हमारे एक कार्यकर्ता को बुरी तरह पीटा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. बोस ने आरोप लगाया कि यह हमला तृणमूल समर्थकों द्वारा चुनाव से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं को डराने के लिए किया गया था. हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इस आरोप का खंडन किया और दावा किया कि स्थानीय लोग एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने से नाराज थे. तृणमूल के एक स्थानीय नेता ने कहा, स्थानीय लोगों में असंतोष था क्योंकि कई नाम मतदाता सूची से कथित तौर पर हटा दिए गए थे. भाजपा उम्मीदवार को उस गुस्से का सामना करना पड़ा. इस घटना में तृणमूल कांग्रेस की कोई भूमिका नहीं थी.''

सीईओ ने फॉर्म-6 को लेकर तृणमूल की शिकायत को किया खारिज

सत्तारूढ़ पार्टी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता : विधानसभा चुनाव पहले मतदाता सूची को लेकर विवाद चरम पर पहुंच गया है. राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने फर्जी फॉर्म 6 जमा करके मतदाता सूची में हेरफेर करने के आरोप में सीधे पुलिस से संपर्क किया है. सत्ताधारी पार्टी की ओर से कोलकाता के हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा चुनाव आयोग कार्यालय में अवैध रूप से बड़ी संख्या में फॉर्म 6 जमा करने की घटना की पूरी जांच की मांग की गई है. हालांकि, तृणमूल के इस कदम से पहले ही राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने उनके सभी आरोपों का खंडन कर दिया है. यह घटनाक्रम सोमवार को शुरू हुआ. तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सीधे मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई कि भाजपा की मदद से राज्य की मतदाता सूची में अन्य राज्यों के फर्जी मतदाताओं को शामिल करने की साजिश रची जा रही है. इसके बाद मंगलवार दोपहर को राज्य मंत्री शशि पांजा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और इस संबंध में कई वीडियो मीडिया को जारी किए. तृणमूल का दावा है कि अज्ञात लोग लगातार फॉर्म 6 भरकर बोरियों और थैलों में भरकर कोलकाता स्थित शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया बिल्डिंग में सीईओ के नए कार्यालय में ला रहे हैं. वीडियो फुटेज में अज्ञात लोगों को आवेदन पत्रों के बंडल लेकर कार्यालय में बेरोक-टोक प्रवेश करते देखा जा सकता है. तृणमूल का आरोप है कि नियमों का उल्लंघन करते हुए हजारों फॉर्म एक साथ जमा किए जा रहे हैं, जो महाराष्ट्र या दिल्ली मॉडल की तरह राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने और अल्पसंख्यक मतदाताओं को बाहर करने की एक गहरी साजिश है. इस वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद, तृणमूल ने तुरंत पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई. तृणमूल सूत्रों के अनुसार, शिकायत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भाजपा सदस्य और कार्यकर्ता अवैध रूप से और बड़ी संख्या में सीईओ कार्यालय में फॉर्म-6 जमा करा रहे हैं. यह पता लगाने के लिए तत्काल जांच की आवश्यकता है कि ये फॉर्म कौन ला रहा है और कहां से भरे जा रहे हैं. हालांकि, जब तृणमूल ने इस मुद्दे को उठाया और पुलिस एवं प्रशासन से संपर्क किया, तो चुनाव आयोग ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया. मुख्य चुनाव आयोग के मनोज अग्रवाल ने इस संबंध में मीडिया को बताया कि आयोग ने फॉर्म जमा स्वीकार करने में किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया. मनोज अग्रवाल ने कहा, अगर कोई दस्तावेज़ हमें मिलता है, तो हम उसे डीईओ को भेज देंगे. डीईओ उसे ईआरओ को भेज देगा. मेरे पास दो श्रेणियां हैं. जब मुझे दस्तावेज़ की फाइल मिल जाएगी, तब मैं सटीक संख्या बता पाऊंगा. तृणमूल द्वारा किसी व्यक्ति की ओर से कई फॉर्म जमा करने के बारे में उठाए गए प्रश्न के उत्तर में, सीईओ ने कहा, हमें जितने अधिक फॉर्म 6 प्राप्त होंगे, उतने ही अधिक फॉर्म कोई भी ला सकता है. यहाँ हमारा कोई नियम नहीं है. हम फॉर्म नहीं भेजेंगे, हम डीईओ को उन्हें शीघ्रता से निपटाने का निर्देश देंगे. फॉर्म जमा करते समय हम यह नहीं देखते कि किसने कितने फॉर्म जमा किए हैं. साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया, 30 तारीख के बाद जमा किए गए आवेदनों के पहले दो चरणों के लिए फॉर्म 6 मान्य नहीं होंगे. कुल मिलाकर, चुनाव से पहले मतदाता सूची में नामों को शामिल करने और हटाने को लेकर राज्य की सत्ताधारी पार्टी और चुनाव आयोग के बीच हुए इस सीधे टकराव ने राज्य की राजनीति में एक नया आयाम जोड़ दिया है. हालांकि आयोग का कहना है कि वह नियमों के अनुसार काम कर रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में फिलहाल यह देखने की उत्सुकता बनी हुई है कि तृणमूल द्वारा लगाए गए इस सनसनीखेज आरोप के आधार पर पुलिस आगे क्या कार्रवाई करती है.

टीएमसी प्रत्याशी के जाति प्रमाण पत्र पर विवाद

भाजपा उम्मीदवार स्वपन मजूमदार पहुंचे हाई कोर्ट

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच बनगांव दक्षिण केंद्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. इस निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक और वर्तमान प्रत्याशी स्वपन मजूमदार ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उम्मीदवार ऋतुपर्णा आढ्या के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. मजूमदार का आरोप है कि टीएमसी प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने के लिए फर्जी अनुसूचित जाति (एसटी) प्रमाण पत्र का उपयोग किया है. भाजपा उम्मीदवार का दावा है कि ऋतुपर्णा आढ्या ने अवैध तरीके से यह प्रमाण पत्र हासिल किया है. उन्होंने आरटीआई का हवाला देते हुए कहा कि ऋतुपर्णा के माता-पिता ने पूर्व में जब चुनाव लड़ा था, तब उन्होंने खुद को सामान्य श्रेणी का बताया था. स्वपन मजूमदार का आरोप है कि उप-मंडलीय मजिस्ट्रेट (एसडीओ) को प्रभावित कर मात्र एक दिन के भीतर यह प्रमाण पत्र जारी करवाया गया है. अदालत के साथ-साथ चुनाव आयोग में भी लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए स्वपन मजूमदार ने ऋतुपर्णा का नामांकन रद्द करने की मांग की है. इसके अलावा, उन्होंने पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष शंकर आढ्या और ज्योत्सना आढ्या पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं. इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना के 19 करोड़ रुपये के गबन का आरोप. 98 करोड़ रुपये के जल परियोजना घोटाले में संलिप्तता का दावा शामिल हैं. इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए ऋतुपर्णा के पिता और पूर्व चेयरमैन शंकर आढ्या ने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है. उन्होंने कहा:क्या स्वपन मजूमदार पिछले 15-16 वर्षों से सो रहे थे? अब जब ऋतुपर्णा को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है, तो वे घबराकर झूठे आरोप लगा रहे हैं. यह केवल हमारी उम्मीदवार की छवि खराब करने की कोशिश है. हमें कानून और न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है.

महंगाई भत्ता चुकाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा नवान्न

90 प्रतिशत खातों में आ चुका है पैसा!

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, राज्य में महंगाई भत्ता (डीए) की बकाया राशि को निर्धारित समय के भीतर निपटाने के लिए युद्धकालीन प्रयास शुरू हो गए हैं. नवान्न के वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन और महावीर जयंती की छुट्टी के दिन भी काम किया. नवान्न सूत्रों के अनुसार, राज्य के लगभग 90 प्रतिशत सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बैंक खातों में महंगाई भत्ता की बकाया राशि पहुंच चुकी है. शेष लोगों के खातों में भी राशि भेजने की प्रक्रिया पूरी तेजी से चल रही है. राज्य प्रशासन के उच्च स्तरीय आदेशों पर पिछले कुछ दिनों से बकाया महंगाई भत्ता (डीए) के भुगतान के लिए यह व्यापक अभियान चल रहा है. महावीर जयंती के अवसर पर मंगलवार को राज्य के सभी सरकारी कार्यालय बंद थे, लेकिन नवान्न भवन की 12वीं मंजिल पर स्थित वित्त कार्यालय में स्थिति बिल्कुल अलग थी. वित्त कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी महंगाई भत्ता (डीए) के वितरण में पूरी तरह से व्यस्त थे. दिन के अंत में, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य के आधे दर्जन से अधिक कोषागार और डीडीओ कार्यालय के कर्मचारी इस प्रक्रिया में अथक परिश्रम कर रहे हैं. राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर महंगाई भत्ता (डीए) वितरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यह अभिनव पहल की है. राज्य द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, जनवरी 2016 से दिसंबर 2019 तक देय महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की पूरी राशि का भुगतान किया जा रहा है. यह बकाया राशि अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (एआईसीपीआई) के अनुसार 100 प्रतिशत की दर से चुकाई जा रही है. इन बकाया महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशन भत्ते (डीआर) का लाभ न केवल कार्यरत राज्य सरकारी कर्मचारियों को दिया जा रहा है, बल्कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और दिवंगत कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों को भी दिया जा रहा है. प्रशासन के एक वर्ग के अनुसार, नवन्ना का यह अभूतपूर्व कदम लंबे समय से लंबित महंगाई भत्ते के मुद्दे को हल करने और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का सख्ती से पालन करने के लिए है.

वोटर लिस्ट से 1200 नाम गायब, भड़के ग्रामीणों ने जैसोर रोड पर टायर जलाकर किया चक्का जाम

कोलकाता: उत्तर 24 परगना जिले के अशोकनगर विधानसभा क्षेत्र के गुमा इलाके में मंगलवार सुबह से ही भारी तनाव देखा गया. गुमा 2 नंबर पंचायत के अंतर्गत छोटा बामुनिया इलाके के तीन बूथों (बूथ संख्या 139, 140 और 141) से लगभग 1200 मतदाताओं के नाम अचानक वोटर लिस्ट से गायब होने की खबर मिलते ही स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए. प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ अपना आक्रोश जताते हुए ग्रामीणों ने गुमा जोरा ब्रिज के पास जैसोर रोड (राष्ट्रीय राजमार्ग) को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया. प्रदर्शनकारियों ने सड़क के बीचों-बीच टायर जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया, जिससे पिछले दो घंटे से अधिक समय से यातायात ठप पड़ा है. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना या उचित सत्यापन के इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाना एक बड़ी साजिश या गंभीर लापरवाही है. स्थानीय निवासी बताते हैं कि 139, 140 और 141 नंबर बूथ के लगभग 1200 लोग अब मतदान से वंचित होने की कगार पर हैं. बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला. जैसोर रोड पर चक्का जाम होने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. जाम स्थल पर मौजूद एक ग्रामीण ने मीडिया से कहा, हम सालों से यहीं रह रहे हैं और पिछले हर चुनाव में हमने वोट दिया है. अचानक 1200 लोगों के नाम लिस्ट से कैसे हट सकते हैं? जब तक हमारे नाम वापस नहीं जोड़े जाते और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, यह आंदोलन और जैसोर रोड पर जाम जारी रहेगा.

ममता पर चुनाव आचार संहिता का पालन नहीं करने का आरोप

दिल्ली के बाद, भाजपा ने सीईओ के कार्यालय में दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता : दिल्ली के बाद अब बंगाल भाजपा भी राज्य के चुनाव आयोग कार्यालय पर दबाव बढ़ा रही है. भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय पहुंचा. विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री पर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है. मंगलवार को शुभेंदु अधिकारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय गए और सीधे मुख्यमंत्री पर हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया, ममता बनर्जी चुनाव आचार संहिता का पालन नहीं कर रही हैं. वह केंद्र सरकार के खिलाफ महिलाओं को भड़काने वाली टिप्पणियां कर रही हैं, जो बेहद गंभीर बात है. इतना ही नहीं, भाजपा का दावा है कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से यह भी कहा है कि 4 मई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं को अपने गले में पोस्टर लटकाकर हम भाजपा नहीं करते लिखना होगा. शुभेंदु का सवाल है, एक मुख्यमंत्री इस तरह की टिप्पणी कैसे कर सकती है? भले ही वह उम्मीदवार हैं, लेकिन उन पर संवैधानिक जिम्मेदारियां हैं. क्या इसका इस्तेमाल चुनाव के बाद हिंसा की आशंका जताने के लिए किया जा सकता है? उन्होंने कहा कि ये सभी शिकायतें मंगलवार को सीईओ के कार्यालय में लिखित रूप में जमा कराई गई है. भाजपा ने शुभेंदु द्वारा आज आयोग को शिकायत करने से ठीक एक दिन पहले दिल्ली स्थित राष्ट्रीय चुनाव आयोग मुख्यालय में इसी तरह की शिकायत दर्ज कराई थी. केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू, अरुण सिंह और सुकांत मजूमदार द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में आरोप लगाया गया है कि मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सभाओं और रैलियों के माध्यम से सुनियोजित रूप से भय और उकसावे का माहौल बना रहे हैं. हालांकि, तृणमूल कांग्रेस भाजपा के इस आरोप को विशेष महत्व देने से हिचकिचा रही है. सत्ताधारी पार्टी के अनुसार, यह महज राजनीतिक दबाव बनाने की एक चाल है. कई जानकारों का मानना है कि भाजपा दिल्ली और राज्य दोनों जगह शिकायतें दर्ज कराकर इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की कोशिश कर रही है. अब देखना यह है कि चुनाव आयोग इन शिकायतों पर क्या कार्रवाई करता है. यह कहना गलत नहीं होगा कि चुनाव के माहौल में इससे तनाव और बढ़ेगा.

'मैंने अपनी रीढ़ नहीं बेची', बंगाल चुनाव में न्याय की लड़ाई लड़ रहीं आरजी कर पीड़िता की मां

कोलकाताः बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी की गलियों में एक मां का दर्द अब सियासी बहस का केंद्र बन गया है. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में अगस्त, 2024 में दरिंदगी की शिकार हुईं अपनी बेटी को खो चुकी मां अब इंसाफ की मांग को लेकर घर-घर पहुंच रही हैं, और उनकी यह जंग चुनावी माहौल को भी गरमा रही है. हम बात कर रहे हैं आरजी कर पीड़िता की मां की, जिन्हें भाजपा ने पानीहाटी सीट से चुनावी मैदान में उतारा है. अपनी बेटी को खो चुकी मां अब इंसाफ की लड़ाई को जनआंदोलन बनाने में जुटी हैं-और उनकी यह जंग सीधे सत्ता बनाम विपक्ष की टक्कर में बदलती दिख रही है. सुबह करीब आठ बजे पानीहाटी स्थित भाजपा कार्यालय में पहुंचकर आरजी कर पीड़िता की मां पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलती हैं और फिर दिनभर के प्रचार के लिए निकल पड़ती हैं. सफेद सूती साड़ी, काले बॉर्डर और उस पर लिखा संदेश-मैंने अपनी रीढ़ नहीं बेची-उनके संकल्प और संघर्ष की कहानी खुद बयां करता है. ये वही मां हैं, जिनकी 31 वर्षीय बेटी अभया (काल्पनिक नाम) के साथ अगस्त 2024 में आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था. इस घटना के बाद राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और मामला केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआइ को सौंपा गया था. अब, चुनाव से ठीक पहले, हमें न्याय चाहिए के नारे एक बार फिर पानीहाटी में गूंज रहे हैं. भाजपा इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रही है और राज्य सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगा रही है. आरजी कर पीड़िता की मां रोज सुबह पूजा के बाद चुनाव प्रचार के लिए निकल पड़ती हैं और इलाके की संकरी गलियों में लोगों से मिलती हैं. महिलाएं उन्हें गले लगाकर सांत्वना देती हैं. कई लोग उनकी पीड़ा से खुद को जोड़ते नजर आते हैं. एक मतदाता ने कहा कि एक मां होने के नाते वह उनके दर्द को समझ सकती हैं और चाहती हैं कि किसी और को ऐसा दिन न देखना पड़े. भाजपा की स्थानीय नेता संगिता पाल इसे केवल चुनावी अभियान नहीं, बल्कि न्याय की लड़ाई बता रही हैं. उनका कहना है कि लोगों का समर्थन इस संघर्ष को मजबूत बना रहा है. खुद आरजी कर पीड़िता की मां का कहना है कि उन्होंने यह रास्ता इसलिए चुना क्योंकि उन्हें लगा कि इसी के जरिए वह अपनी बेटी के लिए इंसाफ की लड़ाई को आगे बढ़ा सकती हैं. उन्होंने उम्मीद जताई कि जांच एजेंसी अपना काम कर रही है और उन्हें न्याय जरूर मिलेगा. इस बीच, पानीहाटी के अन्य इलाकों में सत्तारूढ़ दल की ओर से भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों और परंपरागत आयोजनों के जरिए चुनावी माहौल बनाया जा रहा है. बहरहाल, एक मां का दर्द, न्याय की मांग और राजनीति-इन तीनों के संगम ने पानीहाटी को इस चुनाव में सबसे संवेदनशील और चर्चित सीटों में ला खड़ा किया है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–38ए–25, दिनांक 26.03.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्यों के लिए निविदा सं. **ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–38ए–25** के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नाम एवं स्थान** : पूर्व रेलवे के वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/1/हावड़ा के अधीन झील साइडिंग में लाइन नं. 16, 17, 18, 19 के विस्तार के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य एवं अन्य सहायक कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 1,26,14,529.46, **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी हैः** रु. 2,13,100/–, **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह। **निविदा समापन तिथि और समयः** दिनांक 17.04.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलनाः** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। HWH-716/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

83 सेविका-सहायिका नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन

पाकुड़: समाज कल्याण विभाग को सुदृढ़ करने की दिशा में रविन्द्र भवन टाउन हॉल में 83 सेविका-सहायिका के बीच नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया. समारोह का शुभारंभ डीसी मनीष कुमार, एसपी निधि द्विवेदी, स्थापना उप समाहर्ता त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी हिरणपुर टुडु दिलीप, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, विधायक प्रतिनिधि गोकुल अहमद. झामुमो की युवा नेत्री उपासना मरांडी एवं सीडीपीओ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया.

योजनाओं का सही लाभ और ऑनलाइन कार्य संचालन:

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा ने कहा कि सेविका-सहायिका सरकार और ग्रामीणों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं. योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है. उन्होंने बताया कि चयन के बाद प्रखंड स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसके उपरांत आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रतिनियुक्त कर कार्य की व्यवहारिक जानकारी दी जाएगी. उन्होंने सभी को सलाह दी कि कार्य को बेहतर ढंग से सीखने के लिए पर्यवेक्षिका, सीडीपीओ एवं जिला कार्यालय से निरंतर मार्गदर्शन लें. साथ ही उन्होंने कहा कि लाभार्थी प्रविष्टि, पोषाहार वितरण, टीकाकरण एवं योजनाओं का क्रियान्वयन सभी कार्य अब ऑनलाइन माध्यम से किए जाएंगे.

एसपी निधि द्विवेदी ने कहा :

एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों की देखभाल का स्थान नहीं है. यह पूरे गांव की सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र भी है. उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गांव की समस्याओं, सामाजिक परिस्थितियों एवं गतिविधियों को समझने की महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं. इसलिए उन्हें अपने दायित्वों को व्यापक दृष्टिकोण के साथ निभाना चाहिए. उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निभाएं. साथ ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाएं.

सामूहिक प्रयासों से पंचायतों ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान: उपायुक्त

जिले की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से पंचायतों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है. इसे आगे भी बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त सदस्य पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करें. ताकि योजनाओं का लाभ समय पर जरूरतमंदों तक पहुंचे और जिले का समग्र विकास सुनिश्चित हो.

विधानसभा चुनाव से पहले खूनी संघर्ष

मालदा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की दहलीज पर मालदा जिले के चंचल इलाके में राजनीतिक हिंसा का तांडव देखने को मिला है. चंचल थाना अंतर्गत शाहबाजपुर गांव में कांग्रेस की पंचायत समिति सदस्य के पति और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मर्तुज आलम पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है. इस घटना का आरोप सीधे तौर पर सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगा है.पीड़ित परिवार के अनुसार, मर्तुज आलम को उनके घर से खींचकर बाहर निकाला गया और लोहे की रॉड व पंच से उन पर अंधाधुंध वार किए गए. हमले में उनके सिर और आँखों पर गंभीर चोटें आई हैं. उन्हें लहूलुहान हालत में चंचल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है.पंचायत समिति सदस्य नाशेदा खातून (घायल नेता की पत्नी) ने आरोप लगाया कि इलाके के टीएमसी कार्यकर्ता राजेश और मिराज ने घर में घुसकर उनके पति पर हमला किया.

न्यूज कॉर्नर

समाजिक कार्यकर्ता ने डॉक्टर के खिलाफ सीएस को सौंपा मांगपत्र

साहिबगंज : जिले के सदर अस्पताल में आए दिन डॉक्टरों की मनमानी को लेकर समाजिक कार्यकर्ता मो. शाहिद के नेतृत्व में सीएस को तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा है. इसमें ओपीडी में कुछ डॉक्टर नदारत रहने व गायब रहने पर हंगामा होता है. ऐसे डॉक्टर पर करवाई करते हुए यहां से तबादला करने, प्रसूता वार्ड में 24 घंटे महिला डॉक्टर की मौजूदगी करने समेत अन्य मांगे की गई है. आगे समाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि कुछ डॉक्टर के चलते हमारे सरकार की छवि धूमिल हो रही है.आए दिन अखबार में प्रकाशित होती है कि डॉक्टर अस्पताल से नदारत रहते हैं तो कभी मरीज को छोड़कर अपने निजी कार्य से चले जाते हैं. कभी मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की जाती है. दुर -दराज से आए मरीजों को सेवा नहीं मिल पाती है. डॉक्टर मरीज के साथ गलत व्यवहार करते हैं.कहते हैं कि डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं लेकिन कुछ डॉक्टर अपने मर्यादा खो देते हैं. इससे मरीजों को काफी तकलीफ होती है.इधर सीएस ने इस मांगपत्र पर उचित कार्वाई करने का आश्वासन दिया है.

साहिबगंज के सूर्या सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में 'तनाव मुक्ति शिविर' का सफल आयोजन

साहिबगंज : मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग साहिबगंज अंतर्गत जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 'सूर्या सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल' में विशेष तनाव मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते तनाव, चिंता और अवसाद के प्रति जागरूकता फैलाना था. सदर अस्पताल की मनोचिकित्सक एवं क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सुमेधा कुमारी ने नि:शुल्क परामर्श दिया तथा तनाव प्रबंधन की सरल तकनीकें सिखाईं. इस अवसर पर सूर्या सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. विजय कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य की महत्वपूर्णता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की भागदौड़ वाली जिंदगी में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है.अन्यथा यह व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर सकता है.शिविर में सूर्या सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुमित कुमार एवं पूरे अस्पताल स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी की. विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों और सामाजिक कलंक दूर करने पर जोर दिया.विशेषज्ञों ने बताया कि नींद में बदलाव, लगातार उदासी, चिड़चिड़ापन या सामाजिक दूरी जैसे लक्षण 2 सप्ताह से अधिक रहें तो नजर अंदाज न करें मानसिक बीमारी शारीरिक रोग की तरह इलाज योग्य है, अंधविश्वास न अपनाएं. जिला अस्पताल में नि:शुल्क परामर्श-दवाएं उपलब्ध हैं तथा तत्काल सहायता के लिए टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 पर कॉल करें. आयोजकों ने कहा, एक स्वस्थ मन ही स्वस्थ जीवन की नींव है.इसे नजरअंदाज करने से पहले जिला मानसिक स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें.सूर्या सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आए ओपीडी एवं ओपीडी, मरीजों सहित सूर्या के सभी स्टाफ, पैरा मेडिकल स्टूडेंट्स और नर्सिंग स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया.

श्री लोद्रवा पार्श्वनाथ जैन मंदिर में भगवान महावीर का जन्मकल्याणक उत्सव

कोलकाता : श्री लोद्रवा पार्श्वनाथ जैन मंदिर में तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्मकल्याणक उत्सव आस्था, भक्ति भावना से मनाया गया. मंदिर के ट्रस्टी विनीत रामपुरिया ने बताया महानगर के श्रावक, श्राविकाओं ने भक्ति भाव से पूजन किया. श्री त्रिभुवन जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के ट्रस्टी संजय रामपुरिया, बिमलसिंह रामपुरिया, मोहनलाल कोचर, चंद्रकुमार बांठिया एवं कार्यकर्ता सक्रिय रहे.

मंडरो फॉसिल पार्क में शोध गतिविधियों को सुदृढ़ करने हेतु रिसर्च हॉस्टल स्वीकृत

साहिबगंज : वन प्रमंडल अंतर्गत मंडरो स्थित फॉसिल पार्क में संरक्षित जीवाश्मों के अध्ययन और वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिसर्च हॉस्टल निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है. यह पहल फील्ड-आधारित अध्ययन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक आवश्यक कदम मानी जा रही है.मंडरो फॉसिल पार्क क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवाश्म अवशेष भू-विज्ञान एवं पुराजीवविज्ञान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं. इनका व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए शोधार्थियों को स्थल पर पर्याप्त समय और सुविधा उपलब्ध होना आवश्यक है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह अवसंरचना विकसित की जा रही है.इसके साथ ही एक कॉन्फ्रेंस रूम का निर्माण भी प्रस्तावित है, जहां शोध निष्कर्षों की प्रस्तुति, अकादमिक चर्चा एवं छोटे स्तर के प्रशिक्षण वर्कशॉप आयोजित किए जा सकेंगे. यह सुविधा शोध कार्य को केवल फील्ड तक सीमित न रखकर उसे संवाद और ज्ञान-साझाकरण से जोड़ने में सहायक होगी.हाल के समय में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं यहां शोध कार्य हेतु पहुंच रहे हैं. पटना विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने यहां फील्ड रिसर्च किया, वहीं कोलकाता के सरोजिनी नायडू महिला महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी जीवाश्म अध्ययन के लिए स्थल का भ्रमण किया. यह दोनों भ्रमण साहिबगंज के भूवैज्ञानिक डॉ रणजीत सिंह के नेतृत्व में हुए. इनके अलावा रांची से भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण संस्थान से भी एक टीम ने डॉ सौरव पाल के नेतृत्व में फॉसिल पार्क एवं बोरियो स्थित पहाड़ियों में जीवाश्म अध्ययन किया.

ख्रीस्त राजा शांति शोभा यात्रा में डीसी और एसपी ने दिया शांति और सद्भाव का संदेश

पाकुड़: जिदातो मिशन मैदान में आयोजित ख्रीस्त राजा शांति शोभा यात्रा कार्यक्रम में डीसी मनीष कुमार और एसपी निधि द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया.इस दौरान एसपी निधि द्विवेदी ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमें आध्यात्मिक मूल्यों को आत्मसात करने और ईश्वर द्वारा बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं. उन्होंने यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम द्वारा आयोजित इस शांति यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में शांति स्थापित करना हम सभी का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए. उन्होंने कहा कि यदि हम प्रभु यीशु के बताए मार्ग-प्रेम, करुणा और सद्भाव-पर चलें, तो समाज और विश्व में सकारात्मक परिवर्तन संभव है.वहीं डीसी मनीष कुमार ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह सहित सभी धर्मों के उपदेश हमें प्रेम, त्याग और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं.

दुर्लभ और अनोखा मेहमान, सिवेट दिखने से ग्रामीणों में चर्चा

पाकुड़: जिले के महेशपुर प्रखंड में मंगलवार को उस वक्त हलचल मच गई, जब एक दुर्लभ वन्यजीव स्मॉल इंडियन सिवेट यानी कस्तूरी बिल्ली रिहायशी इलाके में नजर आई. आमतौर पर जंगलों में रहने वाला यह जीव अचानक गांव की गलियों में दिखा, तो लोग हैरान भी हुए और थोड़ा डर भी गया. **कौतूहल भी, डर भी:** प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह जानवर काफी देर तक गांव की सड़कों और घरों के आसपास घूमता रहा. इसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई. कई ग्रामीणों ने मोबाइल से फोटो और वीडियो भी बनाए. वहीं कुछ लोग डर के कारण बच्चों को घर के अंदर ही रहने की सलाह देते नजर आए.**कैसा होता है यह वन्यजीव:** जानकार बताते हैं कि स्मॉल इंडियन सिवेट एक निशाचर और बेहद शर्मीला जीव होता है. यह आमतौर पर रात में निकलता है और इंसानों से दूर रहना पसंद करता है. इसका गांव में दिखना असामान्य माना जाता है. **क्यों भटककर पहुंचा गांव:**

विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह के वन्यजीव का आबादी वाले इलाके में आना इस बात का संकेत हो सकता है कि आसपास के जंगलों में बदलाव हो रहा है. भोजन की कमी या पर्यावरणीय दबाव के कारण भी यह अपने इलाके से भटककर गांव तक पहुंच सकता है. **ग्रामीणों ने प्रशासन से की अपील:** ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि इस दुर्लभ जीव को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ा जाए. लोगों का कहना है कि इससे न तो जानवर को नुकसान हो और न ही गांव में किसी तरह की अनहोनी हो.

अहिंसा का संदेश लेकर निकली भव्य शोभायात्रा, श्रद्धा से मनी भगवान महावीर जयंती

पाकुड़: जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती नगर में ती श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक आस्था के साथ मनाई गई. इस अवसर पर जैन समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा, प्रभात फेरी एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर से प्रभात फेरी के साथ हुई. भगवान महावीर की आकर्षक प्रतिमा के साथ निकली शोभायात्रा अंबेडकर चौक और पेट्रोल पंप होते हुए नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों से गुजरी. इस दौरान श्रद्धालु 'अहिंसा परमो धर्म' और 'जीव हत्या पाप है' जैसे संदेशों के साथ लोगों को जागरूक करते नजर आए. शोभायात्रा में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया. महिला श्रद्धालु पीले वस्त्रों में और पुरुष सफेद परिधान में अनुशासनबद्ध तरीके से शामिल हुए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया. जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत भी किया. इस अवसर पर जैन समाज के प्रतिनिधि निर्मल जैन ने कहा कि भगवान महावीर का मूल मंत्र 'जियो और जीने दो' आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है. उन्होंने कहा कि अहिंसा, प्रेम और भाईचारे का संदेश समाज को एकता और शांति की दिशा में आगे बढ़ाता है. कार्यक्रम में उत्तम जैन, पवन जैन, विकास जैन, सुनीता जैन, अज्जु जैन, प्रवीण जैन, महावीर जैन, पिंकू जैन, मुन्ना जैन सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

मददगार की भूमिका में गौतम देव

सिलीगुड़ी : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के बीच सिलीगुड़ी के कद्दावर नेता और तृणमूल कांग्रेस (ढचउ) के उम्मीदवार गौतम देव एक अलग भूमिका में नजर आए. राजनीति और रैलियों से समय निकालकर वे आज सिलीगुड़ी इंस्टीट्यूट ऑफ रीहैबिलिटेशन (ङखठ) पहुँचे, जहाँ वे जरूरतमंदों और बेसहारा लोगों को दी जा रही सहायता कार्यों की खुद निगरानी कर रहे हैं.तृणमूल कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे इस मानवीय कार्य के तहत संस्थान में रहने वाले और वहाँ से जुड़े लोगों को विभिन्न आवश्यक सामग्री और सहायता प्रदान की जा रही है. बल्कि वहाँ मौजूद लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को भी सुना.डबग्राम-फूलबाड़ी केंद्र से उम्मीदवार गौतम देव का मानना है कि राजनीति का असली अर्थ जनसेवा है.

सदर अस्पताल के वेयर हाउस में नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन

साहेबगंज : सदर अस्पताल के वेयर हाउस में मंगलवार को नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप ने सीएस डॉ. रामदेव पासवान व डीएस डॉ. दिवेश कुमार शामिल हुए. कार्यक्रम शहर के आम नागरिकों द्वारा किया गया है. कार्यक्रम का नेतृत्व समाजिक कार्यकर्ता मो. शाहिद ने किया. इसमें सीएस डॉ. रामदेव पासवान के अलावा सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा, डॉ. मोहन मुर्मू व डॉ. मुकेश को स्वास्थ सेवा में बेहतर कार्य करने के लिए आम नागरिकों द्वारा बुके देकर सम्मानित किया गया. सामाजिक कार्यकर्ता मो. शाहिद ने सीएस के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सीएस के यहां योगदान के बाद लगातार जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में तेजी से सुधार हो रहा है.

इसके साथ ही सीएस के मार्गदर्शन पर सदर अस्पताल के तीन ऐसे चिकित्सक है जिन्होंने अपनी सेवा को ही सबकुछ समझा है. इसमें डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. केशव कृष्णा व मोहन मुर्मू है. ऐसे डॉक्टरों से अन्य डॉक्टरों को भी सीख लेने की आवश्यकता है. समय से पहले ड्यूटी पर पहुंचना और अंतिम मरीज तक देखना इनकी पहचान है.

वही वार्ड पार्षद मो. नजरुल बारी ने कहा कि सीएस अपने कार्य के लिए जाने जाते है. तो वहीं डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. केशव कृष्णा व मोहन मुर्मू सदर अस्पताल की पहचान है. वही सीएस ने इस तरह के कार्यक्रम से हमारे डॉक्टरों को और भी प्रेरणा मिलेगी.

वही डॉ. मुकेश कुमार ने कहा कि जिस कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया है. आगे इससे भी बेहतर सुविधा देने का कार्य करेंगे.

यह सिर्फ सम्मान नहीं है बल्कि इससे बेहतर करने का ऊर्जा और उत्साह मिला है. मौके पर लोजपा के जिलाध्यक्ष प्रदीप पासवान, मो. सोहेल, राजेश कुमार, पंकज कुमार, लड्डन, राहुल, मेहवाल आदि थे.

बसपा की समीक्षा बैठक संपन्न

धनबाद : बहुजन समाज पार्टी, झारखंड के जोन-3 स्तरीय समीक्षा बैठक सर्किट हाउस धनबाद में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मुख्य जोन इंचार्ज सुबल दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य प्रभारी नर्मदा प्रसाद अहिरवार ने अपने मुख्य संबोधन में कहा कि खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखंड प्रदेश का बुनियादी विकास नहीं होना बहुत ही दुखद है. उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस झारखंड समेत पूरे देश में जाति धर्म का गलत राजनीति करके लोगों को आपस में लडाने का काम कर रही है जो बहुत ही गलत है. धनबाद डीआरएम चौक पर भाजपा आरएसएस के द्वारा रामनवमी के दिन भगवा झंडा गाड़ने व बलियापुर में घटित घटना पर भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के द्वारा किए जा रहे स्वार्थ व पार्टी संकीर्ण नीति पर आधारित करवाई का विरोध किया. उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सपनों का भारत बनाने के लिए सिर्फ और सिर्फ बहुजन समाज पार्टी ही कृत संकल्पित है. उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करके ही हर तरह की समस्या का समाधान संभव है.अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मुख्य जॉन इंचार्ज सुबल दास ने कहा कि आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती जॉन स्तरीय धनबाद में समारोह पूर्वक कार्यक्रम किया जाएगा. उन्होंने संगठन विस्तार पर जोर देते हुए संगठन मजबूती का आह्वान किया. बैठक का संचालन जॉन प्रभारी जयदेव मेहरा द्वारा किया गया. बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव शिवकुमार दास, प्रदेश कोषाध्यक्ष बलदेव दास, प्रदेश सचिव गौतम कुमार, जॉन प्रभारी बाबूराम मांझी, जिला अध्यक्ष अभय कुमार, गिरिडीह जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष गणेश भारती, जिला महासचिव मनोज दास, ईश्वर दास, राज किशोर दीनदयाल, सत्येंद्र कुमार, परमेश्वर रविदास, जय श्री, शिरीष कुमार, सुभाष कुमार, बसीर अहमद, डॉक्टर प्रीति रानी, मनोहर सिंह, अजीत दास, दिनेश कुमार, राजीव कुमार, अजीत रविदास, शाहिद खान, अरुण कुमार दास, वीरेंद्र राम, सहतम राम, हीरालाल राम आदि उपस्थित थे.

मानगो में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी , गैस उपभोक्ता परेशान

जमशेदपुर : मानगो डिमना चौक स्थित ग्रीन इंडेन गैस सर्विस एवं कंचन दीप एजेंसी सहित अन्य गैस एजेंसी द्वारा बड़े पैमाने पर सिलेंडर गैस की कालाबाजारी किया जा रहा है . गैस बुकिंग करने के महीनों दिन बाद भी गैस सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है . आलम यह कि बिना गैस दिए हुए ही डिलीवरी करने का एजेंसी द्वारा मैसेज भी भेजा जा रहा है . जब ग्राहक एजेंसी के नंबर पर फोन करते हैं तो कोई फोन भी रिसीव नहीं करता है . एजेंसी के ऑफिस में सैकड़ों की संख्या में ग्राहकों ने अपनी समस्या लेकर प्रति दिन पहुंच रहे हैं लेकिन कोई सार्थक जवाब नहीं दिया जाता है . एजेंसी के ऑफिस के समीप प्रति दिन ग्राहकों की काफी भीड़ देखी जा सकती है . कर्मचारियों से भेंट करने पर टाल मटोल जानकारी देते हैं . होम डिलिवरी वाले सबसे ज्यादा परेशान हैं, क्योंकि उनके नाम के गैस सिलेंडर मनमानी रकम लेकर किसी दूसरे व्यक्ति को बेच दे रहे हैं और वहीं दूसरी तरफ उपभोक्ता को एक दो दिन में घर पर गैस सिलेंडर पहुंचा देने की झूठी वादा करते हैं . मानगो में इस तरह का सबसे ज्यादा शिकायत डिमना रोड एवं आजाद बस्ती में मिल रहा है . गैस एजेंसी के काला बाजारी में सीधे साधे लोग सबसे ज्यादा परेशानी झेल रहे हैं . इस तरह की समस्या से संबंधित कई लोगों ने झामुमो नेता उज्ज्वल दास को अवगत कराया , जिसपर झामुमो नेता ने कहा कि मानगो क्षेत्र में गैस एजेंसी द्वारा गैस सिलेंडर की कालाबाजारी जोर शोर से किया जा रहा है . उन्होंने कहा कि ग्राहकों को समय पर गैस सिलेंडर नहीं देकर उसे दो हजार से तीन हजार रुपए में बिचौलिया के

माध्यम से और गैस एजेंसी के मिलीभगत से ब्लैक में बेचा जा रहा है .

इस तरह की सबसे ज्यादा शिकायत हाल के दिनों में सभी धर्मों के त्यौहार के समय भी कालाबाजारी के चलते गैस की काफी किल्लत देखी गई . झामुमो नेता ने कहा कि अगर गैस एजेंसी द्वारा काला बाजारी पर रोक नहीं लगाता है तो गैस एजेंसी के खिलाफ जिला उपायुक्त से भी शिकायत करेंगे

. साथ ही शीघ्र समस्या का समाधान नहीं होने पर गैस एजेंसी के ऑफिस के सामने उग्र आंदोलन भी किया जाएगा. इस मौके पर झामुमो नेता उज्ज्वल दास के साथ मकसूद अंसारी , वाजिब अली , जगदीश पोद्दार , डब्बू खान , उमेश महतो , अजय सोरेन, सूरज गौड़, प्रकाश हो, दीपक कुजूर , रहीम अंसारी, शाहिद आलम आदि मौजूद थे .

भीखराजपुर मामले पर शांति और सद्भावना समिति की बैठक संपन्न

धनबाद : राम नवमी के दिन बलियापुर थाना क्षेत्र के भीखराजपुर में हुई घटना को लेकर मंगलवार को बलियापुर थाना परिसर में शांति एवं सदभावना समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता एसएसपी प्रभात कुमार ने की. इस दौरान पुलिस प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाज के प्रबुद्ध वर्ग के लोग तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे.बैठक में मौजूद सभी लोगों ने एक स्वर में घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग उठाई. वहीं कुछ लोगों ने यह भी आग्रह किया कि जांच के दौरान निर्दोष लोगों को परेशान न किया जाए और उनके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाया जाए.

सभी पक्षों की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद एसएसपी प्रभात कुमार ने स्पष्ट शब्दों में भरोसा दिलाया कि पुलिस किसी भी प्रकार की दुर्भावना से कार्रवाई नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि न तो किसी निर्दोष को फंसाया जाएगा और न ही किसी दोषी को बख्शा जाएगा. उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्ष और पारदर्शी जांच में जुटी हुई है.एसएसपी ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक हैं और समाज के सभी वर्गों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. उन्होंने बताया कि मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण साक्ष्य पुलिस के हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

उन्होंने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे घटना में शामिल शरारती तत्वों की पहचान करने में पुलिस की मदद करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बेवजह डरने या भागने की जरूरत नहीं है, निर्दोष लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी.फरार आरोपियों को लेकर एसएसपी ने साफ कहा कि वे जल्द से जल्द आत्मसमर्पण करें. उन्होंने भरोसा दिलाया कि कानून के दायरे में आने वालों के साथ नियमानुसार सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया जाएगा.अपने संबोधन के अंत में उन्होंने समाज में आपसी एकता और भाईचारे को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि नफरत फैलाने वाले तत्व अंततः स्वयं ही उसका शिकार बनते हैं. उन्होंने लोगों से अफवाहों से दूर रहने, शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की.इस बैठक में सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, एडीएम विधि व्यवस्था हेमा प्रसाद, एसडीएम लोकेश बारंगे, सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष सत्यम, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम, डीएसपी मुख्यालय शंकर कामती, निरसा विधायक अरुप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, श्रीमती तारा देवी, थाना प्रभारी सत्याजीत कुमार, अंचल निरीक्षक नूतन मोदी, सीओ मुरारी नायक, बीडीओ पीसी दास सहित कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे.कुल मिलाकर बैठक का मुख्य उद्देश्य शांति, सौहार्द और सामाजिक एकता को मजबूत करना रहा, जिसमें सभी वर्गों ने मिलकर सहयोग का आश्वासन दिया.

रोजगार की मांग को लेकर भाजपा उम्मीदवार विजन मुखर्जी ने किया प्रदर्शन

आसनसोल : जामुड़िया विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को भाजपा उम्मीदवार डा विजन मुखर्जी की ओर से की ओर से एक विरोध रैली और धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया. यह रैली भाजपा के जामुड़ियाप्रत्याशी के नेतृत्व में चुरुलिया चौधरी पुकुर इलाके से निकाली गई. रैली की शुरुआत में महान कवि की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिसके बाद यह जुलूस चुरुलिया हटिया होते हुए तारा माइंस तक पहुंचा, जहां धरना प्रदर्शन किया गया.इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे और जमकर नारेबाजी की गई. इस मौके पर डॉ. विजन मुखर्जी ने निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य और जामुड़िया में अपेक्षित विकास नहीं हुआ है. यहां आज भी लोगों को स्वच्छ पेयजल तक उपलब्ध नहीं है. उन्होंने अवैध बालू खनन, कोयला तस्करी और बढ़ते प्रदूषण को

लेकर भी तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए. जामुड़िया जैसे औद्योगिक क्षेत्र में भी स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और सड़कों की स्थिति भी खराब है, जिससे लोगों में असंतोष है.उन्होंने कहा कि भाजपा का यह प्रदर्शन जनता की बुनियादी मांगों को सामने लाने के लिए किया गया है और लोगों में बदलाव की इच्छा साफ दिखाई दे रही है.दूसरी ओर, जामुड़िया से तृणमूल प्रत्याशी हरेराम सिंह ने इन आरोपों को खारिज करते हुए पलटवार किया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में पूरे राज्य में व्यापक विकास हुआ है. उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ये समस्याएं पहले से थीं तो भाजपा उम्मीदवार ने पहले आवाज क्यों नहीं उठाई.हरे राम सिंह ने कहा कि पेयजल की समस्या काफी हद तक सुलझा ली गई है और जो थोड़ी बहुत परेशानी है, उसे भी जल्द दूर कर लिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि सड़कों की हालत पहले से बेहतर हुई है और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो चुकी है, जिसे चुनाव के बाद आगे बढ़ाया जाएगा.तारा माइंस के प्रबंधन की ओर से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी गई. मैनेजर निलेश रंजन भुंईया ने बताया कि भाजपा की ओर से ज्ञापन सौंपा गया है, जिसमें स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग की गई है. उन्होंने कहा कि इस मांग को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा.

नवादा विधि कॉलेज के बॉडी गवर्नर डॉ मनीष पंकज मिश्र को सम्मानित किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले में शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी दैनिक समाचार पत्र द्वारा आयोजित ओलंपियाड 2025 प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन स्थित बुद्धा रिसोर्ट में मंगलवार को किया गया.इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गया के जिले के डीएम शशांक शुभंकर उपस्थित रहे.कार्यक्रम में नगर निगम के मेयर गणेश पासवान सहित शिक्षा जगत से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया.कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई.इसके बाद मंच से ओलंपियाड 2025 प्रतियोगिता के विभिन्न स्पॉन्सरों को जिला पदाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया.इस अवसर पर ओलंपियाड 2025 के प्रमुख स्पॉन्सर नवादा विधि कॉलेज के बॉडी गवर्नर डॉ मनीष पंकज मिश्रा को भी सम्मानित किया गया.सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए, ताकि वे अपने विद्यालय, अपने राज्य और अपने देश का नाम रोशन कर सकें.कार्यक्रम के अंत में मंच के माध्यम से सभी स्पॉन्सरों के प्रति आभार व्यक्त किया गया और शिक्षा के क्षेत्र में उनके सहयोग की सराहना की गई.इस सम्मान समारोह ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और बेहतर करने के लिए नई प्रेरणा प्रदान की.

महावीर जयंती पर शोभायात्रा में शामिल लोगों को सरयू राय ने कराया फलाहार

जमशेदपुर : भगवान महावीर जी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में, भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव, जैन समाज, बिष्टुपुर के तत्वावधान में शोभायात्रा निकाली गई. इस शोभायात्रा का जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने भव्य स्वागत किया. उन्होंने अपने हाथ से शोभायात्रा में शामिल लोगों को फलाहार और शर्बत का सेवन कराया. उन्होंने कहा कि सेवा ही सर्वोपरि है, धर्म चाहे कोई हो. उन्होंने राजगीर से पधारीं साध्वी सुधानजी और साध्वी कल्याणी को नमन किया. शोभायात्रा में शामिल राजेन भाई कमानी, नकुल भाई कमानी, हर्षद भाई गांधी, परेशभाई सेठ, नरेंद्र भाई दोशी, मुकेश भाई गांधी, मिलन भाई वैद, भाविन भाई मोदी, मनीष भाई उडानी, किलोल भाई भयाणी, राहुल भाई भयाणी, चंद्रकांत देसाई, धीरेन मेहता आदि ने श्री राय की सेवा भाव की खूब सराहना की. श्री राय के आवास के पास शोभायात्रा में शामिल लोगों की सेवा करने वालों में वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गोयल, सुबोध श्रीवास्तव, देव कुमार वर्मा, सन्नी सिंह, दिनेश सिंह, उदय मंडल, अमित देउड़ी आदि प्रमुख रहे.

पेंशनधारियों का पेंशन अविलंब चालू कराने हेतु निर्देश दिया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिला का पूर्व से रुके हुए 281 सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों का रुका हुआ पेंशन पुनः त्रुटि सुधार कराते हुए चालू करने हेतु जिले के डीएम शशांक शुभंकर का निर्देश प्राप्त हुआ है, जिसमें यथा इमामगंज-37, खिजरसराय-11, वजीरगंज-48, बोधगया-15, गुरूआ-21, बांकेबाजार-20, शेरघाटी-29, नगर-13, बाराचट्टी-22, अतरी-05, मोहनपुर-15, टनकुप्पा-02, गुरारू-09, डोभी-22, कोंच-04 एवं परैया 08 पेंशनधारी इसमें शामिल है.डीएम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, गया को सभी पेंशनधारियों का पेंशन अविलंब चालू कराते हुए निदेश दिया.

निगम परिसर में जेनरेटर को लेकर हंगामा

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी :नगर निमग परिसर में सीसीटीवी कंट्रोल रूम और जेनरेटर के निर्माण को लेकर सोमवार को हंगामा हुआ. मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान, डिप्टी मेयर चिंता देवी और सशक्त स्थायी समिति के सदस्य अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव सहित कई पार्षदों ने निर्माण कार्य रुकवा दिया.जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि निगम की जमीन पर यह निर्माण कार्य बिना बोर्ड की स्वीकृति और सशक्त स्थायी समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित किए बिना शुरू किया गया है, जो नियमों का उल्लंघन है.मेयर गणेश पासवान ने इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की.उन्होंने कहा कि निगम में किसी भी बड़े कार्य के लिए बोर्ड की अनुमति अनिवार्य होती है, लेकिन इस मामले में प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया है. मेयर ने नगर आयुक्त पर मनमाने तरीके से काम कराने का आरोप लगाया.निगम कार्यालय सभागार के पास जेनरेटर.जनप्रतिनिधियों ने निगम कार्यालय सभागार के पास बड़े जेनरेटर को रखने पर भी आपत्ति जताई.उनका कहना था कि निगम का भवन लगभग 100 पुराना और जर्जर है.भारी जेनरेटर से होने वाले कंपन से भवन को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका है.मौके पर मौजूद ठेकेदार ने बताया कि यह काम नगर आयुक्त के अनुमोदन के बाद ही शुरू किया गया था.इस पर मेयर ने स्पष्ट किया कि यदि बिना बोर्ड की जानकारी के कार्य कराया जाएगा तो यह जनप्रतिनिधियों की अनदेखी होगी, जिसे स्वीकार नहीं किया जाएगा.इस पूरे मामले को लेकर मेयर, डिप्टी मेयर और पार्षदों ने मगध आयुक्त से मिलकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है.
सशक्त स्थायी समिति के सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि निगम परिसर में आने-जाने के मुख्य रास्ते पर जेनरेटर रखने से रास्ता अवरुद्ध हो गया है, जिससे वाहनों और आम लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और सुरक्षा का खतरा भी बढ़ गया है.
उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगर निगम में मेयर सर्वोपरि होते हैं और नगर आयुक्त की भूमिका योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित है.ऐसे में बिना बोर्ड और स्टैंडिंग कमेटी की स्वीकृति के कोई भी कार्य कराना नियमों के विरुद्ध है.
फिलहाल इस विवाद के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया है.

मां शीतला महोत्सव कार्यक्रम भव्य रूप से हुआ सम्पन्न

बीहट/बेगूसराय (युवा शक्ति) : बीहट के जलेलपुर स्थित प्रसिद्ध मां शीतला धाम में आयोजित मां महोत्सव के अंतिम और चौथे दिन सोमवार की रात मुख्य अतिथि हर्ल बरौनी के महाप्रबंधक नीतिन सक्सेना, हर्ल कारखाना प्रबंधक मनीष कुमार, आईएमए के अध्यक्ष डा. ए. के. राय, आरएसएस के उत्तर बिहार प्रांत प्रचारक रवि शंकर, पान समाज के वरिष्ठ नेता संतोष पान, राजीव पान, महेश दास जी महाराज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. उद्घाटन के उपरांत आगत अतिथियों, समाचार -पत्र/टेलीविजन चैनल के पत्रकारों एवं कार्यक्रम में सेवा देने वाले स्वयंसेवकों को मुख्य अतिथि हर्ल बरौनी के महाप्रबंधक नीतिन सक्सेना, हर्ल कारखाना प्रबंधक मनीष कुमार, महेश दास जी महाराज, महासचिव अभिषेक कुमार राय उर्फ कन्हैया सिंह ने सम्मानित किया. सम्मान समारोह के बाद मशहूर गायक अल्ताफ राजा, निलोफर सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं और अतिथियों को अपनी सुरीली आवाज में एक से बढ़कर एक भक्ति गाना सुनाकर लोगों को खूब झूमाया. इस अवसर पर मां शीतला धाम ट्रस्ट के संस्थापक महेश दास जी महाराज, महासचिव अभिषेक कुमार राय उर्फ कन्हैया सिंह, बब्लू सिंह, हर्ष राज, निशांत कुमार, मोहन झा, सभापति सिंह, पशुपति सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित थे.

ट्रेन से 28 जीवित कछुए बरामद

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : रेलवे स्टेशन पर सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने वन्य जीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की.इस दौरान 28 जीवित कछुए बरामद किए गए, जिन्हें बाद में वन विभाग को सौंप दिया गया.कार्रवाई ऑपरेशन विलेप के तहत आरपीएफ और राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीम की ओर से की गई. टीम ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए इन कछुओं को बरामद किया.आरपीएफ थाना अध्यक्ष बनारसी यादव के अनुसार, वरीय अधिकारियों के निर्देश पर उप निरीक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट गया, सीपीडीएस टीम और जीआरपी के जवान गया रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रहे थे.इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर खड़ी गाड़ी संख्या 13010 (देहरादून-हावड़ा डाउन दून एक्सप्रेस) के एक सामान्य कोच की तलाशी ली गई.जांच के दौरान, टीम को कोच संख्या ईआर.-247139 में एक पिट्ठू बैग और एक प्लास्टिक के झोले लावारिस हालत में मिला.संदेह होने पर जब इन बैगों की तलाशी ली गई, तो उनके अंदर जूट के बोरों में 28 जीवित कछुए पाए गए.रेल पुलिस ने मामले की दी जानकारी.कछुए वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित श्रेणी में आते हैं, जिसके कारण टीम तुरंत सतर्क हो गई.प्रथम दृष्टया यह मामला वन्य जीव तस्करी से जुड़ा प्रतीत हुआ.आरपीएफ टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी कछुओं को सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया और बैगों को जब्त कर लिया.बरामदगी के बाद इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी गई.कुछ समय बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी 28 जीवित कछुओं को अपने संरक्षण में ले लिया.अधिकारियों ने बताया कि इन कछुओं की अवैध रूप से तस्करी कर अन्य स्थानों पर भेजे जाने की आशंका थी,

मगध यूनिवर्सिटी में 25 अप्रैल को एलुमनी मीट

युवा शक्ति न्यूज
बोधगया(गया) : मगध विश्वविद्यालय में 25 अप्रैल को एलुमनी मीट का आयोजन किया जा रहा है.कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन करेंगे. राज्यपाल सचिवालय से इसकी आधिकारिक सहमति भी यूनिवर्सिटी को मिल गई है.कार्यक्रम को लेकर यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई है.कैंपस में लगातार बैठकों का दौर चल रहा है.हर स्तर पर यूनिवर्सिटी की कोर टीम की ओर से प्लानिंग हो रही है.

पुलिस ऑब्जर्वर बीएल मीणा ने नियामतपुर क्षेत्र का दौरा किया

आसनसोल : आगामी 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान को लेकर चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं और हर स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है. इसी कड़ी में मंगलवार सुबह चुनाव आयोग के पुलिस ऑब्जर्वर बी. एल. मीणा ने आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के तहत आने वाले कुल्टी थाना क्षेत्र के नियामतपुर फांड़ी इलाके का विस्तृत निरीक्षण किया.निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों का दौरा किया, जिनमें नियामतपुर धर्मशाला और लछीपुर ब्रह्मचारी स्कूल प्रमुख रूप से शामिल रहे. इन बूथों पर पहुंचकर ऑब्जर्वर ने सुरक्षा व्यवस्था, मतदान से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत को परखा. उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया कि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या बाधा उत्पन्न न हो.इस दौरान नियामतपुर चौकी के प्रभारी अधिकारी मिहिर कुमार दे और अन्य पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे. अधिकारियों ने ऑब्जर्वर को इलाके की सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील बूथों की पहचान, गश्ती व्यवस्था और तैनात पुलिस बल की जानकारी दी.पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक मतदान केंद्र की सूक्ष्म जांच की जा रही है. इसमें बूथों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी व्यवस्था, मतदाताओं के लिए पेयजल, शौचालय, बिजली और रैंप जैसी सुविधाओं की उपलब्धता को भी परखा जा रहा है, ताकि बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी न हो.इसके अलावा, संभावित संवेदनशील और अति-संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी की योजना बनाई जा रही है. इन स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे और लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी. चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन को पहले से ही अलर्ट मोड में रखा गया है.चुनाव आयोग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो. इसी के तहत इस तरह के निरीक्षण अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी तरह की कमी को पहले ही दूर किया जा सके और मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें.

शब्दवीणा के तीसरे स्थापना दिवस पर हुआ कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

युवा शक्ति न्यूज
गया जी : राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा के तीसरे स्थापना दिवस पर 30 मार्च को शब्दवीणा की बिहार प्रदेश समिति एवं औरंगाबाद जिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में दानिका संगीत महाविद्यालय के सभागार में कवि सम्मेलन, विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ.शब्दवीणा की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रश्मि प्रियदर्शनी के निर्देशन में एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता-सह- औरंगाबाद जिला अध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी एवं जिला संरक्षक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र की कुशल देखरेख व संयोजन में आयोजित यह समारोह उद्घाटन सत्र, सम्मान सत्र, एवं, विचार गोष्ठी-सह-कवि सम्मेलन, तीन सत्रों में विभाजित था.कार्यक्रम का शुभारंभ दानिका संगीत महाविद्यालय एवं शब्दवीणा औरंगाबाद जिला समिति की सदस्य कलाकारों द्वारा सुमधुर स्वर में प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ.शब्दवीणा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, शब्दवीणा के जिला संरक्षक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, जम्होर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह, सिन्हा कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ रामाधार सिंह, डॉ शिवपूजन सिंह, जेपी सेनानी डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह, पृथ्वीराज ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह, राष्ट्रीय उद्घोषक आफताब राणा, एंटी करप्शन ब्यूरो के सचिव आदित्य श्रीवास्तव, नेहरू युवा केंद्र के समन्वयक अजीत मिश्रा, दानिका संगीत महाविद्यालय के निदेशक डॉ रविंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से समारोह का दीप प्रज्ज्वलित किया. सम्मान सत्र में शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता, एवं सामाजिक क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले 16 विभूतियों को अंगवस्त्र तथा शब्दवीणा स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया गया
.कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने की, एवं संचालन सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया.शब्दवीणा औरंगाबाद जिला सचिव सतीश कुमार पांडेय ने शब्दवीणा का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. श्री पांडेय ने शब्दवीणा की देश के बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, पंजाब आदि विभिन्न प्रदेशों एवं जिलों में गठित समितियों की साहित्यिक सक्रियता, हिंदी सेवा, एवं सुदृढ़ होती सांगठनिक संरचना पर प्रकाश डाला. शब्दवीणा द्वारा नियमित रूप से आयोजित होने वाले कार्यक्रम एक शाम, साहित्य के नाम, शब्दवीणा सृजन त्रिविधा, शब्दवीणा भेंटवार्ता सत्यम् शिवम् सुंदरम्, सरगम, शब्दवीणा संगीत संध्या आदि के प्रयोजनों को साझा किया गया.राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रश्मि प्रियदर्शनी एवं शब्दवीणा के संरक्षक, परामर्शदाता, पदाधिकारी, एवं सदस्यों के मार्गदर्शन व नेतृत्व में आयोजित विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की समाजोपयोगिता एवं सफलता पर बातचीत हुई.कार्यक्रम के तृतीय सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें रचनाकारों ने एक से बढ़कर एक रचनाएँ पढ़ीं.आफ़ताब राणा के गीत होना है, तो होना है को श्रोताओं ने खूब सराहा.डॉ हेरम्ब मिश्रा के व्यंग्य रचनाएँ सुन कार्यक्रम स्थल हास्य रस से ओतप्रोत हो गया.बेहतरीन मगहिया अंदाज में हेरम्ब मिश्रा ने काव्य पाठ किया.डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह की राष्ट्रवाद से प्रेरित कविताएँ सुन वातावरण देशभक्ति के भावों से भर उठा.मथुरा रंजन ने हिंदू-मुस्लिम एकता पर आधारित कविता पढ़ी.समारोह में अजीत मिश्र, पुरंजय प्रसाद, राणा सुनील सिंह, सुजीत कुमार सिंह, मधुसूदन पांडेय, सुबोध कुमार पांडेय, वेद प्रकाश, कुंदन सिंह कोंबो, शिवांगी सिंह, अंजली सिंह, जूही कुमारी, रूपेश रौशन, रवि शंकर सहित अनेक साहित्यानुरागी उपस्थित थे.कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शब्दवीणा केन्द्रीय पेज से किया गया, जिससे जुड़कर डॉ रश्मि प्रियदर्शनी, महावीर सिंह वीर, अजीत अग्रवाल, प्रो सुबोध कुमार झा, डॉ वीरेन्द्र कुमार, डॉ विजय शंकर, ललित शंकर, अरुण अपेक्षित, प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, जैनेन्द्र कुमार मालवीय, पी.के. मोहन, डॉ रवि प्रकाश, पंकज मिश्र, अशोक राय वत्स, सरोज कुमार, सुरेश गुप्ता, रामनाथ बेख़बर, हीरा लाल साव, पुरुषोत्तम तिवारी आदि ने कार्यक्रम का आनंद उठाया.

न्यूज कॉर्नर

महामहिम राष्ट्रपति तथा विदेश मंत्री का गया पहुंचने पर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तथा विदेश मंत्री एस. जयशंकर का गया पहुंचने पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया.इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह गया की पवित्र धरती के लिए गौरव का विषय है कि देश की महामहिम राष्ट्रपति एवं माननीय विदेश मंत्री का आगमन यहां हुआ.उन्होंने बताया कि महामहिम राष्ट्रपति का कार्यक्रम नालंदा विश्वविद्यालय में प्रस्तावित था, जिसके क्रम में गया आगमन पर उनका स्वागत करने का सुअवसर प्राप्त हुआ.डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि इस प्रकार के उच्चस्तरीय आगमन से बिहार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक गरिमा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलती है.उन्होंने गया की धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि सदैव से विश्व को शांति, ज्ञान और आध्यात्म का संदेश देती रही है.अंत में डॉ. प्रेम कुमार ने महामहिम राष्ट्रपति एवं विदेश मंत्री के सफल एवं मंगलमय प्रवास की कामना की.

अभिजीत घटक को एससी, एसटी और ओबीसी मोर्चा ने दिया चुनावी समर्थन पत्र

आसनसोल : कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल के बीच तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी अभिजीत घटक को विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन मिलने से राजनीतिक समीकरण और दिलचस्प हो गए हैं. मंगलवार को एससी, एसटी परगना महल, ओबीसी तथा माइनॉरिटी समुदाय से जुड़े तीन संगठनों ने गैर-राजनीतिक रूप से अभिजीत घटक के समर्थन का ऐलान किया.इस संबंध में ऑल इंडिया बाउरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष गणेश बाउरी ने बताया कि संगठनों की ओर से एक लिखित पत्र भी सौंपा गया है, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल प्रत्याशी को समर्थन देने की बात कही गई है. संगठन के पदाधिकारी ने तृणमूल उम्मीदवार अभिजीत घटक को समर्थन पत्र सौंपा गया .गणेश बाउरी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अंबेडकर विरोधी विचारधारा रखती है, इसी वजह से उनके संगठन ने तृणमूल का समर्थन करने का निर्णय लिया है. उन्होंने यह भी कहा कि कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय की बड़ी आबादी है और इन वर्गों का समर्थन अभिजीत घटक के पक्ष में रहने की उम्मीद है.इस समर्थन को तृणमूल के लिए चुनावी दृष्टि से अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे क्षेत्र में सामाजिक आधार मजबूत होने की संभावना है.

आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय समय की आवश्यकता : कुलपति

युवा शक्ति न्यूज
टेकारी(गया) : मात्र पाठ्यक्रम में परिवर्तन एवं पाठ्यपुस्तकों का परिवर्तन राष्ट्र शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त नहीं है.बल्कि धरातल पर भारत की प्रकृति एवं संस्कृति से जुड़ने का सशक्त एवं सक्षम प्रयास एनईपी का एक आवश्यक अंग है.इसी को कार्यरूप देने के लिए विश्वविद्यालय ने पश्चिमी संस्कृति के विकृतियों से निपटने के लिए आत्मनिर्भर कैंपस को विकसित करने का संकल्प लिया है जिसके अंतर्गत कृषि एवं पशुधन पर आधारित व्यावहारिक पठन - पाठन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है.इसी क्रम में गोवंश के साथ आरती एवं दीप प्रज्वलन के साथ जन्मदिन मनाने का शुभारंभ किया गया है.उल्लेखनीय है दीप प्रज्वलन जीवंतता एवं अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाने का सूचक है.उक्त वक्तव्य दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूज़लेटर सीयूएसबी टाइम्स (अक्टूबर - दिसंबर 2025) अंक के विमोचन समारोह में कही.इस अवसर पर कुलपति प्रो. के. एन. सिंह के साथ कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा एवं 'सीयूएसबी टाइम्स' के संपादक पीआरओ मोहम्मद मुदस्सीर आलम उपस्थित थे.कुलपति ने कहा कि हरे भरे कैंपस के साथ आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय को समर्पित इस अंक में विशेषतौर पर सीयूएसबी के स्वयं के उत्पादों को विशेष जगह दी गई है.उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में संरचनात्मक परिवर्तन हो चुका है.लगभग सभी विश्वविद्यालयों एनईपी 2020 के प्रावधानों के अनुसार अपने पाठ्यक्रम में परिवर्तन, परिमार्जन एवं परिष्कार कर लिया.

महावीर के विचार दर्शन से ही सृष्टि को विनाश विध्वंस से बचाई जा सकती है : डॉक्टर मिश्र

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : स्थानीय डॉ.विवेकानंद पथ में भारतीय राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा एवं कौटिल्य मंच के संयुक्त तत्वाधान में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी की पावन जयंती कृतज्ञता दिवस के रूप में मनाई गई.इस अवसर पर महासभा एवं मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विवेकानंद मिश्र ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज संपूर्ण विश्व मानवीय मूल्यों के जिस संकट के दौर से गुजर रहा है इससे उबरने के लिए भगवान महावीर के शाश्वत स्वरूप को जानने की महती आवश्यकता है.डॉ मिश्र ने आगे कहा की महावीर के विचार जीयो और जीने दो मानव जीवन का मूल मंत्र है जिसे दुर्भाग्यवश आज हम उन सभी मानवीय गुणो को जिसमें सेवा, समर्पण, मानवता जैसी मूल भावना निहित थी, विलुप्त हो गई है. आज स्वतंत्रता, स्वच्छंदता के रूप में हावी है.जिसके कारण रक्तबीज की तरह आसुरी शक्ति का प्रभाव निरंतर बढ़ती जा रही है.यह मानवता के लिए घोर चिंता का विषय है.महासभा एवं मंच के संरक्षक प्रसिद्ध व्यवसायी शिवचरण बाबू डालमिया ने कहा जियो और जीने दो से प्राणबंध महावीर स्वामी के बताए हुए रास्ते का अनुसरण कर लिए होते, तो आज संपूर्ण विश्वमानव ही नहीं समस्त प्राणियों का भी कल्याण संभव होता.सम्मानित साहित्यकार राधा मोहन मिश्रा माधव ने कहा सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य व्रत के प्रणेता भगवान महावीर के संदेश आज के आधुनिक समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं.सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् आचार्य सच्चिदानंद मिश्र ने

अपने अमूल और आध्यात्मिक विचारों से वहां उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया आचार्य ने स्पष्ट किया कि भगवान महावीर ने हमेशा बाहरी शत्रुओं से लड़ने के बजाय स्वयं की इंद्रियों और मां पर विजयपथ करने को ही मनुष्य की सच्ची विजय माना है उन्होंने उपस्थित जन समूह को यह विनम्र आग्रह किया कि वह सैनिक भौतिक सुखों की अंधी दौड़ से बाहर निकले और आत्म कल्याण तथा निस्वार्थ सेवा के मार्ग को अपनावे.प्रसिद्ध समाजसेवी विनय राजेश जैन ने कहा कि केवल महावीर स्वामी का जीवन मानवता का संदेश तो है हीं, बल्कि सत्य, अहिंसा, सेवा करुणा, दया के मार्ग पर चलने वाले उनके समस्त मुनियों ने भी महावीर स्वामी के सिद्धांत विचारों से समझौता नहीं किया.स्वाभिमान, धवल चरित्र, सादगी, कर्तव्यबोध और प्राणियों के कल्याण के लिए जो सेवा समर्पण का भाव है, मानवीय जीवन के इतिहास में एक मिसाल है.उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए.भारद्वाज ज्योतिष शिक्षा शोध संस्थान के निदेशक डॉक्टर ज्ञानेश भारद्वाज ने कहा कि आज जिस तरह से हमारे समाज में हिंसा, आतंक, व्यभिचार से मानवता एवं इंसानियत का निर्माण हुआ है नग्न तांडव हो रहा है वह समस्त प्राणियों के लिए मानवता के लिए खतरे की घंटी है.ऐसे में भगवान महावीर के दर्शन-विचारों की प्रासंगिकता पहले से ज्यादा अब है.उक्त मौके शिवानी जैन, चिराग जैन, संगीता जैन, रौनक जैन, साक्षी जैन, नमिता कुमारी, सुमन जैन, नमिता कुमारी, विमला देवी, डॉ दिनेश कुमार सिंह, डॉ रविंद्र कुमार, सिद्धार्थ कुमार, देवेंद्र पाठक, आचार्य सुनील पाठक, अमरनाथ पांडेय, अमरनाथ मिश्रा, राजीव लाल गुर्दा, दीपक पाठक, राजेंद्र सिंह, दिलीप कुमार, शंभू गिरी, नीरज वर्मा, सुनीता देवी, चंद्रभूषण मिश्र, विश्वजीत चक्रवर्ती, रजनी चावला, प्रोफेसर सुनील कुमार मिश्रा, रंजीत पाठक, पवन मिश्रा मृदुला मिश्रा, आनंद सिंह, मनीष कुमार मिश्रा, रामकिशोर पांडेय, सुनीता कुमारी, मुन्नी कुमारी, पिंटू कुमार, दिनेश कुमार, अर्चना कुमारी, पूजा कुमारी, नेहा पाठक, अरुण ओझा शीतल चौबे पक कुमारी, अपर्णा मिश्रा, दिव्यांशु कुमार, हर्ष कुमार, संतोष प्रसाद, रूबी कुमारी, डॉक्टर शंभू कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रामप्रवेश पाठक, प्रियांशु मिश्रा, नीलम कुमारी, कविता राऊत, पार्वती देवी, प्रोफेसर अशोक कुमार, मनीष कुमार, डिंपल कुमारी, रंजना पांडेय, बेबी देबी, अजय मिश्रा, सुनील कुमार, अभय सिंह, आदि उल्लेखनीय है.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | बुधवार | 1 अप्रैल, 2026

दुनिया भी कहे, 'नो किंग्स'

राष्ट्रपति ट्रंप अपने ही देश में बुरी तरह घिर गए हैं. उनके खिलाफ 'नो किंग्स' बैनर वाले विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं. सांसद भी सड़कों पर उतर आए हैं. अमरीका के 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर करीब 80 लाख लोग सड़कों पर आक्रोशित हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का इस्तीफा मांग रहे हैं. ये विरोध-प्रदर्शन ट्रंप के अधिनायकवाद के खिलाफ हैं और ब्रिटेन, यूरोप तक फैल गए हैं. ईरान पर हमला अमरीका और इजरायल के शासनाध्यक्षों का तानाशाही किस्म का रवैया था. उनके तमाम मंसूबे अधूरे रहे हैं. युद्ध को एक महीना बीत चुका है. लगभग पूरी दुनिया हिल चुकी है. संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी का सर्वेक्षण है कि ईरान युद्ध से 4.5 करोड़ से अधिक लोग 'भुखमरी' के कगार पर हैं. अनुमानित डाटा है कि युद्ध में अभी तक 4500 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, वैश्विक जीडीपी के 2 फीसदी नीचे आने के खतरे सामने हैं. यदि अमरीका और इजरायल में जनता ट्रंप और नेतन्याहू का आक्रामक विरोध कर रही है, तो बिल्कुल लोकतांत्रिक कदम है. अमरीका सबसे प्राचीन लोकतंत्र है. बल्कि विरोध इतना तीखा और सटीक होना चाहिए कि दोनों नेता इस्तीफा देने को विवश हो जाएं. दोनों देशों के नेता 'कब्जेबाज' हैं, लिहाजा युद्ध को माध्यम बनाए हुए हैं. दोनों देशों में चुनाव होने हैं और वे निम्नतम लोकप्रियता के स्तर पर हैं. पेंटागन का आकलन है कि एक माह के युद्ध में ही अमरीका का करीब 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है. आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि ईरान का भी 15-20 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों का करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है. राष्ट्रपति ट्रंप अब भी विमानवाहक युद्धपोत, मरीन कमांडो, सैनिक, विमान आदि ईरान की ओर भेज रहे हैं. बॉम्बर्स से बमबारी करवा रहे हैं. ईरान को 'कब्रिस्तान' बना दिया गया. अब जमीनी युद्ध की भी संभावनाएं हैं. अमरीका और इजरायल ने एक माह की अवधि में ईरान पर 10,000 से अधिक हमले (प्रति) कर उसके 66 फीसदी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है. आखिर मिसाइल, ड्रोन कितने बचे होंगे? और ईरान कब तक उनके सहारे युद्ध लड़ता रहेगा? यह बेहद चिंतित सवाल है. 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि युद्ध से विश्व के सामने ऊर्जा-संकट पैदा हो गया है, जो लगातार गहराता जा रहा है. मुद्रास्फीति और सप्लाई चेन की अवरुद्धता ने दुनिया को झटके दिए हैं. ट्रंप की इस तानाशाही और वैश्विक गुंडागर्दी को क्यों सहन किया जा रहा है? यूरोप, एशिया (भारत, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया आदि समेत), अफ्रीका, लैटिन अमरीका और जो देश ईरान युद्ध से पिसे, कुचले जा रहे हैं, वे संयुक्त राष्ट्र में जाएं और ट्रंप के खिलाफ आंदोलन करें. अब प्रस्ताव पारित कराने का वक्त निकल चुका है. देशों को आक्रामक होना होगा, लेकिन अहिंसक आंदोलन करना होगा. यह कूटनीति या राजनीति अथवा अमरीका के साथ संबंधों का वक्त नहीं है, बल्कि विश्व के अस्तित्व का सवाल है. विरोध देश का नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप का करना है. भारतीय विशेषज्ञ मान रहे हैं कि हमारी तेल-गैस की आपूर्ति लगातार कम हो रही है और खपत जस की तस है. हमारी जरूरत 20 की है, लेकिन सप्लाई 10 की ही हो रही है. साफ है कि कमी बढ़ती रहेगी, तो अंततः एक विकराल संकट सामने खड़ा हो सकता है. चूंकि खाड़ी देशों में तेल-गैस ठिकानों का व्यापक स्तर पर तबाह किया गया है, आग ने सब कुछ खाक कर दिया है, लिहाजा यह तय है कि आगामी 4-5 साल तक आपूर्ति वैसी नहीं रहेगी, जैसी युद्ध से पहले थी. भारत के लिए मध्य-पूर्व ही सबसे मुफीद क्षेत्र है, जहां से तेल-गैस का आयात 2-4 दिन में ही संभव है. अन्य देश हमसे बहुत दूर हैं और सप्लाई में 40-45 दिन लग जाते हैं. भारत जितना विशाल, विराट देश है, उतनी ही हमारी जरूरतें हैं. तेल-गैस के बजाय बिजली वाले वाहनों को ज्यादा सार्वजनिक बनाया जाए.

मूर्ख दिवस (1 अप्रैल) पर विशेष

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व

–योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है. इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं. इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं. लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं. कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है. यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं. इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं. 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्ज़रलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है. हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया. इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया. डिजिटल युग में यह परंपरा और व्यापक हो गई है. सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं. हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं. मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं. एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था. जब कैलेंडर

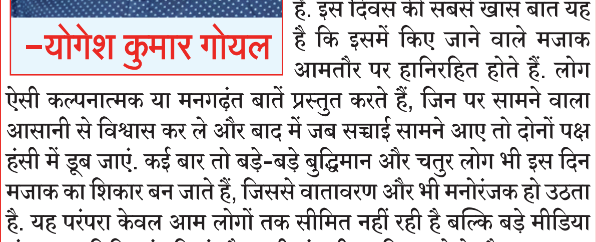

प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे. ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा. धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई. भारतीय संस्कृति में भले यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है. आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है. हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए. किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है. मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है. वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है. यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है. ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है. अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है. यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है. *(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

नक्सलवाद की समाप्ति के बाद भी बहुत कुछ करना होगा

– अशोक मधुप

काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा. मार्च 2026 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की. नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है. आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है. उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है. उन्होंने कहा कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है. शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं. अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है. उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समस्या को बढ़ने दिया. मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं. उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है. उन्होंने साफ कहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना. उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी. उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है. काफी मारे गए, बहुतों ने सरेंडर किया. कुछ अभी फरार हैं. शाह ने कहा कि देश अब नक्सल मुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है. उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए. इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ. उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं. सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया. केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था. कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था. ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया. जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया. भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए. हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया. शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई. इसमें सीएपीएफ, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया. फंडिंग और स्पोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया. सरेंडर नीति लागू की गई. इसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया. उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ. उन्होंने दावा किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ. हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए. शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए. उन्होंने कहा कि विकास ही नक्सलवाद खत्म करने का सबसे बड़ा कारण बना. शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं, बल्कि विचारधारा से पैदा हुआ. उन्होंने कहा कि यह विचारधारा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती और बंदूक के जरिए सत्ता चाहती है. उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को बरगलाकर उनके हाथ में हथियार दिए गए और विकास को रोका गया. गृह मंत्री ने कहा कि सरकार आगे भी सख्ती और विकास दोनों पर काम जारी रखेगी. उन्होंने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि अब देश बंदूक से नहीं, संविधान से चलेगा और यही असली जीत है. गृह मंत्री के अनुसार, जिस रेड कॉरिडोर का विस्तार कभी पशुपति से तिरुपति तक माना जाता था, वह अब सिमटकर केवल कुछ जिलों तक रह गया है. 2014 में जहाँ 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे, वहीं 2025-26 तक यह संख्या घटकर मात्र एक अंक में रह गई है. छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग, जो कभी नक्सलियों का अभेद्य किला माना जाता था. अब वह सुरक्षा बलों के नियंत्रण में है और वहां विकास की किरणें पहुँच रही हैं. सरकार के इन दावों की पुष्टि जमीनी आंकड़ों से भी होती है. पिछले कुछ वर्षों में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है. सुरक्षा बलों की शहादत के आंकड़ों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है. ऑपरेशन कगार और ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे लक्षित अभियानों के माध्यम से सुरक्षा बलों ने नक्सली नेतृत्व की कमर तोड़ दी है. 2025 के दौरान ही 300 से अधिक नक्सली मारे गए. इनमें कई शीर्ष कमांडर शामिल थे. इसके साथ ही, हजारों की संख्या में कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है,. यह समर्पण इस बात का प्रतीक है कि अब इस विचारधारा का आकर्षण खत्म हो रहा है. इतना सब होने के बावजूद, इन सफलताओं के बावजूद नक्सलवाद की चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं. सबसे बड़ी चुनौती भौगोलिक विषमता है. छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ जैसे घने वन क्षेत्र आज भी सुरक्षा बलों के लिए कठिन परीक्षा बने हुए हैं. नक्सलियों ने अपने पैर पीछे जरूर खींचे हैं, लेकिन वे पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं. वे अक्सर घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों का लाभ उठाकर छापामार हमले करने की ताक में रहते हैं. इसके अलावा, अर्बन नक्सलिज्म या वैचारिक उग्रवाद एक नई चुनौती बनकर उभरा है. शहरों में बैठे कुछ बौद्धिक समूह नक्सलियों को वैचारिक और रसद सहायता प्रदान करते हैं. इससे इस समस्या की जड़ें गहरी बनी रहती हैं. जब तक इन वैचारिक और वित्तीय नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाता, तब तक उग्रवाद के पुनर्जीवित होने का खतरा बना रहेगा. एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्थानीय आदिवासियों के बीच विश्वास की बहाली है. दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे होने के कारण, कई क्षेत्रों में ग्रामीण अब भी सुरक्षा बलों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं. नक्सली अक्सर इस अविश्वास का फायदा उठाते हैं और ग्रामीणों को ढाल के रूप में उपयोग करते हैं. सुरक्षा बलों और स्थानीय जनता के बीच के इस गवर्नेंस वैक्यूम को भरना एक लंबी प्रक्रिया है. केवल सड़कों या मोबाइल टावरों का निर्माण पर्याप्त नहीं है; लोगों को यह महसूस कराना होगा कि सरकार उनकी संस्कृति और अधिकारों की रक्षक है. इसके साथ ही, पड़ोसी राज्यों के बीच समन्वय की कमी भी कई बार बाधा बनती है, क्योंकि नक्सली एक राज्य में दबाव बढ़ने पर दूसरे राज्य की सीमा में शरण ले लेते हैं. विकास के मोर्चे पर, सरकार को नियत नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) जैसी योजनाओं को और विस्तार देना चाहिए, जो अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने पर केंद्रित हैं. शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण सबसे प्रभावी हथियार है. जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वतः ही बंद हो जाएगी. कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना नक्सली विचारधारा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है. साथ ही, वन अधिकारों (फोरेस्ट राइट एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि आदिवासियों को अपनी जमीन पर मालिकाना हक का अहसास हो और वे उग्रवाद के बहकावे में न आएं. मान्यता है कि, नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन केवल बंदूकों के दम पर संभव नहीं है. वास्तव में ऐसा भी नही हैं. कभी श्रीलंका में लिट्टे बहुत मजबूत संगठन था. उसके लड़ाके बेमिसाल थे. श्रीलंका के साथ भारतवर्ष को भी वह प्रभावित कर रहा था. इस पर भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी (1991), श्रीलंकाई राष्ट्रपति प्रेमदासा रनसिंघे (1993) सहित कई लोगों की हत्या का आरोप है. श्रीलंका सरकार से इस संगठन को खत्म करने का निर्णय लिया. एक झटके में 2009 में लिट्टे पूरी तरह खत्म हो गया. न श्रीलंका सरकार ने उसके लड़ाकों को फुसलाया. न समर्पण के लिए कहा. बंदूक के बल

पर लिट्टे को खत्म कर दिया. भारत सरकार तो नक्सलवाद को खत्म करने के लिए इन्हें समझाने और आत्म समर्पण के लिए प्रेरित कर रही है. सरकार को अपनी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को और अधिक उदार और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भटक चुके युवा बिना किसी डर के मुख्यधारा में लौट सकें. इस सबके लिए तकनीकी और खुफिया तंत्र को भी मजबूत करना होगा. आधुनिक तकनीक का उपयोग करके नक्सली गतिविधियों पर नजर रखना और उन्हें समय रहते रोकना संभव है. इसके अलावा, राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि नक्सलवाद कई राज्यों में फैला हुआ है. इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों की जरूरत होती है. मजबूत इच्छा शक्ति की भी आवश्यकता है.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 1 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 1 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह सूर्य है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप आजीवन मंगल एवं सूर्यग्रह से प्रभावी रहेंगे. आपका जीवन कठिनाइयों से परिपूर्ण रहेगा. आप किसी व्यक्ति द्वारा अपमानित होने पर उसे हमेशा याद रखेंगे. और अन्तत: उससे बदला लेने में सफल होंगे. त्वरित निर्णय व दूरदर्शिता आपके सफलता में सहायक सिद्ध होगी. हाथ पर हाथ रखकर बैठना आप पसन्द नहीं करेंगे. आप अपने जीवन में अनुशासन को ज्यादा महत्व देंगे. स्वार्थ की भावना आप में विशेष रूप से रहेंगी. आप परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना लेने में सक्षम होंगे. मित्रों से आपको हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. भौतिक सुख सुविधा हेतु आप सदैव प्रयत्नशील रहेंगे. आपकी स्मरण शक्ति श्रेष्ठ होगी. आप जिससे भी एक बार मिल लेंगे उसे हमेशा याद रखेंगे. आप निम्न स्तर का कार्य करना पसन्द नहीं करेंगे. जीवन में अनुकूलता हेतु अपने इष्ट-देवी-देवता की अर्चना करें. अपने दैनिक जीवन में सुनहरा एवं पीले रंग की वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें. लालवस्त्र में गेंहू, गुड़, लाल फूल, तांबे का टुकड़ा दक्षिणा सहित रविवार के दिन दान में देवें. सदाचार का पालन सदैव करें. आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ घृणि सूर्याय नम:	मास	:	जनवरी, जुलाई एवं दिसम्बर
व्रत	:	रविवार	वर्ष	:	1, 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64
दिन	:	रविवार, बुधवार एवं गुरुवार	रंग	:	नारंगी, सुनहरा एवं पीला
दिनांक	:	1, 10, 19, 28	जन्मरत्न	:	माणिक्य
अंक	:	2, 4, 7	उपरत्न	:	गार्नेट (तामड़ा)

यंत्र

6	1	8
7	5	3
2	9	4

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 22 मार्च से 28 अप्रैल, 10 जुलाई से 20 अगस्त

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : स्वास्थ्य सुधार पर, कार्य व्यवसाय अर्थ पक्ष में उन्नति का सुअवसर प्राप्त, आपसी वैमनस्यता का समापन, अध्यवसाय की ओर रुझान, यात्रा संतोषजनक.

वृषभ : अधूरी या नवयोजना की पूर्ति हेतु प्रियजनों से विचार-विमर्श, समस्या विशेष के संदर्भ में स्वयं का निर्णय हितकर, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम.

मिथुन: योजना की पूर्ति में अड़चनें, कार्यक्षमता में कमी की अनुभूति, मित्रों-स्वजनों से मनमुटाव, वरिष्ठजनों की सलाह अमान्य, भाग्य में न्यूनता, यात्रा में असुविधा.

कर्क : ग्रहस्थिति भाग्य के पक्ष में, धन सम्पत्ति विषयक मसला पक्ष में सुलझने की ओर, पराक्रम से कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूलता, दूर या समीप की यात्रा का कार्यक्रम.

सिंह : बुद्धि-विवेक से कार्य सिद्धि, आर्थिक व्यापारिक प्रगति हेतु नवप्रयास सार्थक, समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त, अध्यवसाय की ओर रुझान, आपसी सम्बन्ध मधुर.

कन्या: नवीन योजना के प्रति रुचि जागृत, बहुप्रतीक्षित कार्य बनने से प्रसन्नता, विवाद का निर्णय पक्ष में, घरेलू समस्याएँ सुलझने की ओर, वैवाहिक जीवन में मधुरता.

तुला: प्रगति में अवरोध, बने-बनाये कार्यों में बाधा, अधीनस्थ सहयोगियों से तनाव, परिवार में अशांति, आत्मविश्वास में कमी की अनुभूति, सामाजिक पक्ष से परेशानी.

वृश्चिक : प्रतियोगिता में सफलता, कार्य-व्यवसाय के विस्तार व परिवर्तन की योजना फलीभूत, परिवार में मांगलिक कृत्य सम्पन्न, भोग-विलासिता की ओर रुझान.

धनु : परिस्थितियां भाग्य के अनुकूल, किसी के माध्यम से बकाये धन की प्राप्ति, पारिवारिक कठिनाइयों में कमी, पारस्परिक सम्बन्धों में प्रगाढ़ता.

मकर : विशिष्टजनों के सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त, पारिवारिक समस्याओं का संतोषजनक समाधान, व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल, संतानपक्ष से हर्ष.

कुम्भ: भाग्योदय का मार्ग अवरुद्ध, पारिवारिक समस्याओं से मन अशांत, आत्मविश्वास में कमी का एहसास, आर्थिक प्रगति में बाधा, दाम्पत्य जीवन में मतभेद.

मीन: धर्म-अध्यात्म की ओर रुचि जागृत, पुराने विवाद के समापन का मार्ग प्रशस्त, समस्या के विशेष संदर्भ में स्वयं का निर्णय लाभप्रद, राजकीय पक्ष से सहयोग.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक :
लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी | पीड़ा प्रसव विगत महतारी ||
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु | मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ||

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई | चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए |

समाचार सुनि ऋषि सब आए | देखि मुख छवि आशीष बरसाए ||
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी | सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ||

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे | सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा |

वैश्विक भारत : उद्योगों की रफ्तार, अर्थव्यवस्था का विस्तार

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में ऐसी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जिसकी गति, स्थिरता और विविधता ये तीनों ही उसे विशेष बनाती हैं. इस संबंध में सामने आए आर्थिक आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है. विशेष रूप से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में दर्ज प्रगति इस व्यापक आर्थिक मजबूती का स्पष्ट संकेत है. फरवरी 2026 में भारत की औद्योगिक वृद्धि दर बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी के 4.8 प्रतिशत से अधिक है. कहना होगा कि यह वृद्धि आर्थिक गतिविधियों में निरंतरता और विस्तार का प्रमाण है. इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा योगदान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का रहा, जिसने छह प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की. चूंकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 75 प्रतिशत है, इसलिए इसका मजबूत प्रदर्शन पूरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था को गति देता है. वस्तुत: मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की यह प्रगति आज कई मायनों में महत्वपूर्ण है. यह उत्पादन क्षमता में वृद्धि को तो दर्शाती ही है, साथ में रोजगार सृजन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. भारत जैसे युवा देश में, जहां हर वर्ष लाखों छात्र इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर कार्यक्षेत्र में प्रवेश करते हैं, वहां यह क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने का प्रमुख माध्यम बनता जा रहा है. फरवरी 2026 में मैन्युफैक्चरिंग के 23 उद्योग समूहों में से 14 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज होना इस क्षेत्र की व्यापक मजबूती को दर्शाता है. विशेष रूप से बुनियादी धातु, मोटर वाहन और मशीनरी एवं उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारत का औद्योगिक ढांचा अब अधिक परिपक्व और प्रतिस्पर्धी हो रहा है. बुनियादी धातु क्षेत्र में वृद्धि से निर्माण और अवसंरचना को बल मिलता है, जबकि ऑटोमोबाइल और मशीनरी क्षेत्र कृषि, परिवहन और उद्योगों की उत्पादकता को बढ़ाते हैं. खनन और बिजली क्षेत्र भी इस विकास यात्रा में पीछे नहीं हैं. फरवरी में खनन क्षेत्र में 3.1 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. ये दोनों क्षेत्र औद्योगिक गतिविधियों की रीढ़ माने जाते हैं और इनमें वृद्धि का अर्थ है कि उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चा माल और ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है. इसके अलावा उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आंकड़े भारत की अर्थव्यवस्था के भीतर हो रहे संरचनात्मक परिवर्तन को उजागर करते हैं. पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि यह दर्शाती है कि उद्योगों में निवेश बढ़ रहा है. मशीनों और उपकरणों का अधिक उत्पादन इस बात का संकेत है कि उद्योग विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे भविष्य में उत्पादन, आय और रोजगार में और वृद्धि होगी. इसी प्रकार उपभोक्ता वस्तुओं, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, रेफ्रिजरेटर और टीवी के उत्पादन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि यह स्पष्ट करती है कि देश में मांग का स्तर बढ़ रहा है. यह बढ़ती आय, मध्यम वर्ग के विस्तार और उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है. जब उपभोक्ता खर्च बढ़ता है, तब यह पूरे आर्थिक चक्र को गति देता है, उत्पादन बढ़ता है, रोजगार सृजित होते हैं और निवेश को प्रोत्साहन मिलता है. यहां उल्लेखित है कि भारत की आर्थिक मजबूती का एक अन्य प्रमुख आधार सरकार द्वारा अवसंरचना क्षेत्र में किया जा रहा भारी निवेश है. राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं में लगातार बढ़ते निवेश के कारण अवसंरचना और निर्माण सामग्री क्षेत्र में फरवरी में 11.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई. निश्चित ही यह उस दीर्घकालिक दृष्टि का परिणाम है, जिसके तहत सरकार देश को एक मजबूत लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी नेटवर्क प्रदान कर रही है. इन परियोजनाओं का प्रभाव बहुआयामी है. एक ओर ये बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करती हैं, वहीं दूसरी ओर उद्योगों के लिए लागत कम करती हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाती हैं. बेहतर सड़क और रेल नेटवर्क से माल परिवहन तेज और सस्ता होता है, जिससे निर्यात को भी बढ़ावा मिलता है. यदि व्यापक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो भारत की अर्थव्यवस्था कई अन्य सकारात्मक संकेत भी दे रही है. देश की जीडीपी वृद्धि दर विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक बनी हुई है. अंतरराष्ट्रीय संस्थान जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक भी भारत को आने वाले वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रहे हैं. भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का प्रवाह लगातार बना हुआ है, जो वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है. 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'पीएलआई (उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन)' जैसी योजनाओं ने मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को नई दिशा दी है. इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, रक्षा उत्पादन और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है. साथ में देखने में आ रहा है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था भी भारत की ताकत का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी है. यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसे प्लेटफॉर्म ने लेन-देन को सरल और पारदर्शी बनाया है. इससे न सिर्फ वित्तीय समावेशन बढ़ा है, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों को भी नई ऊर्जा मिली है. महंगाई पर नियंत्रण और वित्तीय अनुशासन भी भारत की आर्थिक स्थिरता को मजबूत बनाते हैं. सरकार द्वारा संतुलित राजकोषीय नीति और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीतियों ने अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. हालांकि वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां मौजूद हैं, जैसे भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव फिर भी यहां अच्छी बात यह है कि भारत ने अपनी नीतिगत दृढ़ता और आंतरिक मांग के बल पर इनका प्रभाव सीमित रखा है. अंततः, फरवरी 2026 के भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) आंकड़े सिर्फ एक महीने की उपलब्धि न होकर यह उस निरंतर प्रयास और नीति-निर्माण का परिणाम हैं, जोकि भारत को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं. मैन्युफैक्चरिंग की गति, पूंजीगत निवेश में वृद्धि, उपभोक्ता मांग का विस्तार और अवसंरचना पर फोकस, कहना होगा कि ये सभी मिलकर आज एक ऐसे आर्थिक परिदृश्य का निर्माण कर रहे हैं, जोकि आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की अग्रणी आर्थिक शक्तियों में स्थापित कर सकता है. इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत वर्तमान में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और उसके विकास की दिशा भी फिलहाल सुदृढ़ और टिकाऊ है.

भवानीपुर में ममता और शुभेंदु के बीच कांटे की टक्कर के आसार

टीएमसी और भाजपा ने लगाया जोर

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण ने मुकाबले को और जटिल बना दिया है. भवानीपुर में करीब 47,000 नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जो 2021 के उपचुनाव में बनर्जी को मिली 58,000 से अधिक वोटों की बढ़त से लगभग 11,000 कम है. वहीं, लगभग 14,000 नाम अभी भी जांच के दायरे में हैं. जांच के दायरे में आए लोगों में 56 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम हैं, जबकि कुल मतदाताओं में उनकी हिस्सेदारी लगभग 24 प्रतिशत ही है.

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सबकी नजर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गढ़ भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र पर टिकी हैं, जहां उनके और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद है. एक ओर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) दक्षिण कोलकाता में अपनी संगठनात्मक ताकत और भावनात्मक जुड़ाव के सहारे अपनी पकड़ बनाए रखना चाहती है, वहीं भाजपा सामाजिक समीकरण और प्रतीकवाद के आधार पर इस किले में सेंध लगाना चाहती है. साल 2021 में भी दोनों के बीच मुकाबला हुआ था, जब मुख्यमंत्री के पूर्व सहयोगी से प्रतिद्वंद्वी बने अधिकारी ने उन्हें उनके गढ़ नंदीग्राम में चुनौती दी थी. बनर्जी वह मुकाबला हार गई थीं, हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में भाजपा को करारी शिकस्त दी थी. बाद में ममता ने भवानीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की थी. अब मैदान बदल चुका है, और यह देखना बाकी है कि नतीजा भी बदलता है या नहीं.

ममता बनर्जी की पार्टी घोरेर मेये (घर की बेटी) की भावनात्मक अपील, संगठनात्मक ताकत और निरंतरता के भरोसे है. दूसरी ओर, भाजपा जातीय समीकरण और बूथ स्तर पर सोशल इंजीनियरिंग के जरिए मुख्यमंत्री की सबसे सुरक्षित सीट को जीतने की कोशिश में है. तृणमूल कांग्रेस ने 2021 के चुनावी अभियान के नारे बांग्ला निजेर मेयेकी चाय(बंगाल अपनी ही बेटी को चाहता है) को और अधिक स्थानीय रूप में फिर से जीवित किया है.

टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी की अध्यक्षता में हुई रणनीति बैठक में पार्षदों को 'बंगलर उन्नयन घोरे घोरे, घोरेर मेये भबानीपुर' का नारा घर-घर तक ले जाने के लिए कहा गया. संदेश स्पष्ट है कि भवानीपुर को न केवल मुख्यमंत्री को चुनना है बल्कि अपनी बेटी के साथ खड़े रहना है. पार्षदों को घर-घर जाकर प्रचार करने, टकराव से बचने और बनर्जी के विकास कार्यों को दर्शाने वाले पर्चे बांटने को कहा गया है. टीएमसी ने पूरे क्षेत्र में 'फोटो कॉर्नर' भी बनाए हैं, जहां लोग बनर्जी के बड़े कटआउट के साथ तस्वीरें खिंचवा सकते हैं.

ऐसा पहला बूथ वार्ड 73 के मुक्तादल मोड़ पर बनाया गया है, जहां बनर्जी रहती हैं. इसके साथ अपील की गई है, ममता बनर्जी के साथ खड़े हों, उनके साथ तस्वीर खिंचवाएं, बंगाल के लिए अपनी आवाज उठाएं. टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हम यह चुनाव आक्रामकता से नहीं लड़ रहे हैं. हम इसे भावनाओं, जुड़ाव और भवानीपुर में बनर्जी द्वारा किए गए काम के आधार पर लड़ रहे हैं. टीएमसी के आत्मविश्वास के बावजूद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मानना है कि जमीनी स्थिति बदल चुकी है.

भवानीपुर लंबे समय से एक तरह का मिनी-इंडिया रहा है, जहां स्थानीय बंगालियों के साथ-साथ मारवाड़ी और गुजराती व्यापारी, सिख और जैन परिवार और बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता रहते हैं. करीब 42 प्रतिशत मतदाता बंगाली हिंदू, 34 प्रतिशत गैर-बंगाली हिंदू और लगभग 24 प्रतिशत मुस्लिम हैं. इसी सामाजिक गणित ने शुभेंदु अधिकारी को बनर्जी को उनके गढ़ में चुनौती देने के लिए प्रेरित किया है.

कई महीनों से भाजपा ने भवानीपुर के हर बूथ और हर समुदाय का बारीकी से आकलन किया है. पार्टी नेताओं का दावा है कि इस सीट पर कायस्थ 26.2 प्रतिशत, मुसलमान 24.5 प्रतिशत, पूर्वी भारत से आए प्रवासी 14.9 प्रतिशत, मारवाड़ी 10.4 प्रतिशत और ब्राह्मण 7.6 प्रतिशत हैं.

सर्वे में यह भी चिन्हित किया गया कि किन इलाकों में बंगाली हिंदू प्रभावी हैं, कहां हिंदी भाषी व्यापारी केंद्रित हैं और किन बूथ पर मुस्लिम मतदाताओं का प्रभाव अधिक हो सकता है. भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा, भवानीपुर की लड़ाई एक नारे से नहीं जीती जा सकती. इसे बूथ-दर-बूथ और समुदाय-दर-समुदाय लड़ना होगा. इसी संदर्भ में अधिकारी हाल ही में राम नवमी के जुलूस में शामिल हुए, जो भवानीपुर से गुजरते हुए बनर्जी के आवास के पास हाजरा क्रॉसिंग पर समाप्त हुआ.

अधिकारी ने कहा, राज्य अब रामराज्य चाहता है. लोग तुष्टीकरण की राजनीति से थक चुके हैं. वे सुशासन चाहते हैं.

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा बंगाली और गैर-बंगाली हिंदुओं के बीच हिंदू वोटों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है और साथ ही अल्पसंख्यक राजनीति को लेकर बनर्जी को रक्षात्मक स्थिति में ला रही है. राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती ने कहा, भाजपा जानती है कि केवल सामाजिक गणित पर्याप्त नहीं हो सकता. इसलिए वह उस सीट पर, जहां बहुसंख्यक हिंदू हैं और उनमें भी बड़ी संख्या गैर बंगालियों की है, रामनवमी और रामराज्य के जरिए भावनात्मक और वैचारिक ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है.

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण ने मुकाबले को और जटिल बना दिया है. भवानीपुर में करीब 47,000 नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जो 2021 के उपचुनाव में बनर्जी को मिली 58,000 से अधिक वोटों की बढ़त से लगभग 11,000 कम है. वहीं, लगभग 14,000 नाम अभी भी जांच के दायरे में हैं. जांच के दायरे में आए लोगों में 56 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम हैं, जबकि कुल मतदाताओं में उनकी हिस्सेदारी लगभग 24 प्रतिशत ही है.

भाजपा का मानना है कि यदि अल्पसंख्यक वोटों में थोड़ी भी कमी आती है और हिंदू वोट उसके पक्ष में एकजुट होते हैं, तो भवानीपुर में मुकाबला कहीं अधिक कड़ा हो सकता है. टीएमसी एसआईआर की पूरी कवायद को अल्पसंख्यक मतदाताओं और अपने पारंपरिक समर्थकों को असमान रूप से प्रभावित करने वाला मानती है. इसी वजह से फिरहाद हाकिम, सुब्रत बख्शी और अन्य वरिष्ठ नेता व्यक्तिगत रूप से भवानीपुर पर नजर रख रहे हैं, जबकि अभिषेक बनर्जी ने कथित तौर पर यह लक्ष्य रखा है कि ममता बनर्जी कम से कम 60,000 वोटों के अंतर से जीतें.

भाजपा ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भवानीपुर में अपनी बढ़त के संकेत दिखाए थे और 2014 में ममता बनर्जी के अपने कोलकाता नगर निगम के वार्ड नंबर 73 में भी जीत हासिल की थी. यह रुझान 2024 के लोकसभा चुनावों में और स्पष्ट हो गया, जब भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में टीएमसी की बढ़त घटकर सिर्फ 8,297 वोट रह गई, जबकि 2021 के उपचुनाव में बनर्जी की जीत का अंतर 58,832 वोट था. महत्वपूर्ण रूप से, इस क्षेत्र के आठ वार्ड में से पांच में भाजपा आगे रही, जबकि टीएमसी केवल तीन में बढ़त बना सकी. भाजपा के लिए ये आंकड़े संकेत देते हैं कि भवानीपुर अब अभेद्य किला नहीं रहा. वहीं टीएमसी के लिए यह एक चेतावनी है कि ममता बनर्जी की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली सीट को अब सबसे मजबूत रक्षा की जरूरत पड़ सकती है.

सादगी, संगठन और सत्ता

जंगीपाड़ा विसभा में किस पर लगेगी जनता की मुहर?

हुगलीः पश्चिम बंगाल के हुगली जिले की जंगीपाड़ा विधानसभा सीट इस चुनाव में एक बेहद दिलचस्प और बहुकोणीय मुकाबले का केंद्र बन गई है. श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली यह सीट लंबे समय तक वामपंथ का गढ़ रही, लेकिन 2011 के बाद से अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने यहां अपनी मजबूत पकड़ बना ली. पिछले करीब 15 वर्षों से स्नेहाशीष चक्रवर्ती इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिससे उनका संगठनात्मक और प्रशासनिक प्रभाव क्षेत्र में गहरा माना जाता है.

इस बार चुनाव का सबसे बड़ा आकर्षण भाजपा उम्मीदवार प्रसेनजीत बाग हैं, जो बेहद साधारण परिवार से आते हैं और आज भी मिट्टी के घर में रहते हैं. बारहवीं पास बाग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी के संगठन में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है. वे पहले भी इस सीट से चुनाव लड़ चुके हैं, जिससे उन्हें स्थानीय राजनीति और मतदाताओं की नब्ज की अच्छी समझ है. उनकी सादगी और जमीनी जीवनशैली को भाजपा 'आम आदमी की पहचान' के रूप में प्रचारित कर रही है, जो ग्रामीण मतदाताओं के बीच खासा असर डाल रही है.

इसके विपरीत, तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार स्नेहाशीष चक्रवर्ती एक अनुभवी और शिक्षित नेता हैं. वे स्नातकोत्तर डिग्रीधारी हैं और राज्य के परिवहन मंत्री भी रह चुके हैं. तृणमूल उनके अनुभव, प्रशासनिक क्षमता और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को अपनी ताकत के रूप में पेश कर रही है. हालांकि, उनके खिलाफ स्थानीय स्तर पर नाराजगी भी देखने को मिल रही है, खासकर कनेक्टिविटी और परिवहन सेवाओं को लेकर.

इस सीट पर कांग्रेस ने अधिवक्ता शुभाशीष दत्ता को उम्मीदवार बनाया है, जो पेशे से वकील हैं और एक शिक्षित, पेशेवर छवि के साथ चुनाव मैदान में हैं. वहीं माकपा ने सुदीप्तो सरकार को टिकट दिया है, जिन्हें इंडियन सेक्युलर फ्रंट का समर्थन प्राप्त है. इससे अल्पसंख्यक वोटों में संभावित बंटवारा और चुनावी समीकरण दोनों ही जटिल हो गए हैं.

जंगीपाड़ा का सामाजिक ताना-बाना भी इस चुनाव को खास बनाता है. यहां मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है, साथ ही ओबीसी और अनुसूचित जाति समुदाय भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं. ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के मिश्रण वाले इस क्षेत्र में कृषि, छोटे व्यापार और दिहाड़ी मजदूरी मुख्य आजीविका हैं. इस विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला फुरफुरा शरीफ चुनावी दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है.

सूफी परंपरा से जुड़ा यह धार्मिक केंद्र अल्पसंख्यक मतदाताओं पर गहरा प्रभाव रखता है. यहां के धार्मिक नेतृत्व और सामाजिक प्रभाव का असर चुनावी नतीजों पर पड़ना तय माना जाता है, खासकर तब जब इंडियन सेक्युलर फ्रंट सक्रिय भूमिका में हो.

स्थानीय मुद्दों की बात करें तो इस बार कनेक्टिविटी सबसे बड़ा चुनावी विषय बनकर उभरा है. लोगों का आरोप है कि परिवहन मंत्री रहने के बावजूद स्नेहाशीष चक्रवर्ती इलाके में बस सेवाओं और सड़क संपर्क में अपेक्षित सुधार नहीं कर पाए. कई बस रूट बंद होने की शिकायतें हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में लोगों की आवाजाही मुश्किल हो गई है और रोजगार व शिक्षा पर भी असर पड़ा है. इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है. जंगीपाड़ा अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, उपकरणों का अभाव और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर स्थानीय लोगों में असंतोष है. कई मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूर के शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है.

युवा मतदाताओं के लिए रोजगार एक बड़ा मुद्दा है. स्थानीय स्तर पर उद्योगों और अवसरों की कमी के कारण बड़ी संख्या में युवाओं को बाहर काम की तलाश में जाना पड़ता है. वहीं ग्रामीण मतदाता परिवहन और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार की मांग कर रहे हैं.

कुल मिलाकर, जंगीपाड़ा विधानसभा सीट का यह मुकाबला केवल राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग छवियों-अनुभव और सादगी-के बीच सीधी टक्कर बन गया है. अब यह देखना अहम होगा कि मतदाता लंबे समय से स्थापित नेतृत्व पर भरोसा करते हैं या फिर 'मिट्टी के घर' से जुड़े जमीनी उम्मीदवार को मौका देते हैं.

एसआईआर व सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दों का मुर्शिदाबाद विधानसभा सीट पर हो सकता है असर

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के दो-तिहाई मुस्लिम आबादी वाले मुर्शिदाबाद जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नामों का हटाया जाना और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ऐसे मुद्दे हैं जो विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं. एसआईआर के बाद 28 फरवरी को प्रकाशित मतदाता सूची में मुर्शिदाबाद के 55 लाख मतदाताओं में से 11 लाख से अधिक को 'विचाराधीन' श्रेणी में रखा गया, जो कुल मतदाताओं का लगभग 20 प्रतिशत है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बड़े पैमाने पर नाम हटने से भले ही तृणमूल कांग्रेस को थोड़ी मुश्किलें आ सकती हैं, लेकिन मतदाता सत्तारूढ़ दल के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं. इसके अलावा, 2025 से जिले में बार-बार होने वाली सांप्रदायिक हिंसा भी राजनीतिक विमर्श पर हावी है. शमशेरगंज में 12 अप्रैल 2025 को 72 वर्षीय हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन (42) की भीड़ द्वारा की गई हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया था.

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शन जांगीपुर, शमशेरगंज, धुलियान और सूती में हिंसक हो गए थे. प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम किए, पुलिस वाहनों और कई घरों में आगजनी की. यहां तक कि आग बुझाने से रोकने के लिए पानी की आपूर्ति बाधित करने की भी खबरें सामने आईं. हिंसा पर काबू पाने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिसके बाद केंद्रीय बलों की तैनाती, निषेधाज्ञा और अस्थायी रूप से इंटरनेट बंद करने जैसे कदम उठाए गए. करीब 60 प्राथमिकी दर्ज की गईं और लगभग 300 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि सैकड़ों लोग भागीरथी नदी पार कर मालदा जिले में शरण लेने को मजबूर हुए. घटना के लगभग एक साल बाद भी इसके जख्म हरे है. 2021 के चुनावों में तृणमूल ने शमशेरगंज, सूती और जांगीपुर सीट बड़े अंतर से जीती थीं.

जांगीपुर के रघुनाथगंज में 27 मार्च को राम नवमी शोभा यात्रा के दौरान फिर हिंसा भड़की, जिसमें मुस्लिम समुदाय के स्वामित्व वाली दुकानों और ठेलों को निशाना बनाते हुए आगजनी की गई. जांगीपुर से तृणमूल के दो बार के विधायक जाकिर हुसैन ने इन घटनाओं को भाजपा की रणनीति बताया. फिर से किस्मत आजमा रहे हुसैन ने आरोप लगाया कि भाजपा सांप्रदायिक तनाव पैदा कर हिंदू मतों का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही है. हुसैन ने 2021 में 53.65 प्रतिशत वोट हासिल किए थे, जबकि भाजपा 22.17 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रही थी. इस बार भाजपा ने इस सीट से वकील चित्तो मुखर्जी को उम्मीदवार बनाया है.

शमशेरगंज में तृणमूल ने हाल में पार्टी में शामिल हुए स्थानीय उद्यमी नूर आलम को टिकट दिया है, जबकि मौजूदा विधायक अमीरुल इस्लाम को फरक्का सीट से मैदान में उतारा गया है. रोचक बात यह है कि एसआईआर के बाद आलम का नाम भी 'विचाराधीन' सूची में शामिल था, जो इस चुनाव में कई उम्मीदवारों के साथ देखने को मिल रहा है. वहीं, उनके प्रतिद्वंद्वी भाजपा के षष्ठी चरण घोष तृणमूल सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोपों को मुद्दा बना रहे हैं. उन्होंने जल निकासी, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़क नेटवर्क, गंगा कटाव और बेरोजगारी को प्रमुख समस्याएं बताया. सूती सीट पर तृणमूल ने मौजूदा विधायक इमानी विश्वास पर फिर भरोसा जताया है, जिनका मुकाबला भाजपा के नए चेहरे महावीर घोष से होगा.

दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कर्सियांग में पंच कोणीय मुकाबला

पहाड़ी सीटों पर दिलचस्प होगा चुनावी जंग

इंडियन गोरखा जनशक्ति फ्रंट के अलग से चुनाव लड़ने के कारण चुनावी गणित जटिल हो गया है.

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों पर अगले महीने दो चरणों में होने वाले चुनाव में जहां अधिकांश सीटों पर चार कोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा, वहीं दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और कर्सियांग की तीन पहाड़ी सीटों पर इस बार पांच दलों के बीच सीधी टक्कर होने जा रही है.

राज्य की ज्यादातर सीटों पर तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा-आईएसएफ गठबंधन तथा कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला है. लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों की इन तीन सीटों पर चुनावी समीकरण अलग हैं.

इन सीटों पर भाजपा (गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के समर्थन के साथ), भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा, इंडियन गोरखा जनशक्ति फ्रंट, वाम मोर्चा-आईएसएफ गठबंधन और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इंडियन गोरखा जनशक्ति फ्रंट के अलग से चुनाव लड़ने से दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कर्सियांग में चुनावी गणित जटिल हो गया है, क्योंकि इन क्षेत्रों में गोरखा मतदाता परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. हालांकि सभी पार्टी अपने-अपने तरीके से इस स्थिति को अपने पक्ष में बता रहे हैं. भाजपा और उसके सहयोगी गोरखा जनमुक्ति मोर्चा का कहना है कि इंडियन गोरखा जनशक्ति फ्रंट के मैदान में आने से भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा होगा. वहीं भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि इंडियन गोरखा जनशक्ति फ्रंट की मौजूदगी से भाजपा-गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के पारंपरिक मतों में सेंध लगेगी, जिससे उनके उम्मीदवारों की जीत की संभावना बढ़ेगी.

इंडियन गोरखा जनशक्ति फ्रंट के प्रमुख अजय एडवर्ड्स ने इन दावों को खारिज करते हुए हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों के लोग, खासकर गोरखा समुदाय, लंबे समय से स्थायी राजनीतिक समाधान और अलग गोरखालैंड राज्य की मांग पूरी नहीं होने से निराश हैं. उन्होंने कहा कि हम किसी का वोट काटने के लिए नहीं बल्कि तीनों सीटें जीतने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं. हमारा मुख्य मुद्दा अलग गोरखालैंड राज्य है. हमने पहले सभी पहाड़ी दलों को साथ लाने की कोशिश की, लेकिन सहमति नहीं बनी, इसलिए अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया.

वहीं गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के महासचिव रोशन गिरी ने कहा कि उनकी पार्टी ने स्थायी राजनीतिक समाधान और गोरखालैंड की मांग को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा का समर्थन करने का फैसला किया है. उनका कहना था कि छोटे राज्यों के गठन के मुद्दे पर भाजपा का रुख सकारात्मक रहा है.

भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा के संस्थापक अनित थापा ने कहा कि उनकी पार्टी का मुख्य ध्यान पहाड़ी क्षेत्रों के विकास पर है और इसके लिए राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का समर्थन जरूरी है.

पश्चिम बंगाल में चुनावी रणनीति को धार दे रही बीजेपी

संकल्प पत्र में दिखेगा विकास का रोडमैप

अगले हफ्ते भाजपा संकल्प पत्र जारी कर सकती है.

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) मिशन मोड में है. पिछले हफ्ते ममता सरकार के खिलाफ बीजेपी ने चार्जशीट जारी करके भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था पर घेरने की कोशिश की. अब बीजेपी संकल्प पत्र के जरिए सरकार बनने के बाद पार्टी का राज्य के विकास के लिए क्या रोड़मैप रहने वाला है, उसको जनता का सामने लाने जा रही है. अगले हफ्ते पार्टी पश्चिम बंगाल को लेकर संकल्प पत्र जारी कर सकती है, जिसमें खास फोकस युवाओं और महिलाओं और राज्य सरकार के कर्मचारियों पर रहने वाला है.

बंगाल को लेकर क्या होगी भाजपा की रणनीति ?ः भाजपा बंगाल में अपनी चुनावी रणनीति को और धार देने की तैयारी में है. पार्टी का फोकस राज्य के सरकारी कर्मचारियों पर है और लंबे समय से लंबित महंगाई भत्ता (डीए) का मुद्दा उसके आगामी घोषणापत्र के केंद्र में रहने की संभावना है.

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर 7वें वेतन आयोग को लागू करने और डीए बकाया का भुगतान करने का वादा करने की तैयारी में है. राज्य में डीए का अंतर एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, जहां केंद्र सरकार के कर्मचारियों को लगभग 56% डीए मिल रहा है जबकि टीएमसी सरकार के तहत राज्य कर्मचारियों को करीब 22% डीए मिल रहा है. इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने भी दखल दिया है. अदालत ने आंशिक बकाया भुगतान का निर्देश देते हुए राज्य सरकार से बाकी भुगतान के लिए रोडमैप पेश करने को कहा था. हालांकि, क्रियान्वयन को लेकर स्पष्टता की कमी के चलते कर्मचारियों में असंतोष बना हुआ है. सरकारी कर्मचारियों तक पहुंच बनाना भाजपा की बड़ी रणनीति मानी जा रही है, क्योंकि राज्य में तकरीबन 20 लाख के आसपास सरकारी कर्मचारियों के पद है, उनमें से तकरीबन 14 से 15 लाख अभी सरकारी कर्मचारी हैं. इस घोषणा से बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी पार्टी के साथ जुड़ सकते हैं. इसके साथ-साथ बचे हुए खाली पदों को भी जल्दी भरने की घोषणा बीजेपी कर सकती है, जिससे युवाओं को रोजगार देने का वादा करके उनको अपने साथ जोड़ा जा सके.

महिलाओं और युवाओं के लिए पार्टी कर सकती है कई वादेः इसके अलावा, भाजपा के घोषणापत्र में कई कल्याणकारी और विकास से जुड़े वादे भी शामिल होने की संभावना है. महिलाओं के लिए पार्टी बड़ी घोषणा करने जा रही है. उनके लिए लक्ष्मी भंडार योजना की घोषणा करने की तैयारी है. लक्ष्मी भंडार योजना के लाभार्थियों को 3,000 रुपये मासिक भत्ता दिए जाने की घोषणा की जा सकती है और इसमें बेरोजगार युवाओं के लिए युवा साथी कार्यक्रम के तहत 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता शामिल हो सकती है.

सिंगूर को औद्योगिक हब बनाने की योजना बना रही बीजेपीः खास बात यह है कि पार्टी सिंगूर को एक बड़े औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने के लिए विशेष प्रावधान करने की योजना बना रही है. इसमें औद्योगिक जोन की स्थापना, स्पष्ट कानूनी ढांचे के साथ भूमि आवंटन में तेजी और एमएसएमई व बड़े निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन शामिल हो सकते हैं. इसमें निवेशकों का भरोसा बहाल करने, लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी सुधारने और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर भी जोर रहेगा. सिंगूर, जो कभी ठहरे हुए औद्योगीकरण का प्रतीक था, अब नए औद्योगिक नीति के तहत विकास का केंद्र बन सकता है.

बिहार में ईओयू की बड़ी कार्रवाई

दो लोक सेवकों के ठिकानों पर छापेमारी, गहने-दस्तावेज बरामद

करोड़ों की आय से अधिक संपत्ति का मामला

पूर्णिया/किशनगंज/सहरसा: आय से अधिक संपत्ति मामले में मंगलवार को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की. किशनगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) गौतम कुमार के पटना, पूर्णिया और किशनगंज स्थित छह ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी रहा. वहीं, सहरसा विकास भवन और मुजफ्फरपुर में डीआरडीए के निदेशक वैभव कुमार के छह ठिकानों की जांच भी चल रही थी.

किशनगंज में एसडीपीओ गौतम कुमार के धर्मगंज स्थित सरकारी आवास पर ईओयू की टीम सुबह से मौजूद थी. तीन गाड़ियों में आई टीम ने तलाशी ली और जिला प्रशासन द्वारा तैनात पुलिस बल और दंडाधिकारी सुरक्षा में लगे रहे. गौतम कुमार के आवास में नौकरानी पारो समेत अन्य लोग मौजूद थे, जिन्हें जांच के दौरान रोका गया. प्राथमिक जांच में उनके खिलाफ आय से करीब 60 प्रतिशत अधिक संपत्ति रखने का मामला दर्ज किया गया है.

पूर्णिया में भी गौतम कुमार के अन्य ठिकानों पर ईओयू की टीम ने दस्तावेज और अन्य प्रमाण जुटाए. अधिकारियों के अनुसार, छापेमारी में बैंक दस्तावेज, संपत्ति से जुड़े कागजात और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं. वहीं, सहरसा में डीआरडीए के निदेशक वैभव कुमार के घर और कार्यालय में भी आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने तलाशी ली. प्रारंभिक जांच में उनकी आय से 74 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने की बात सामने आई. सहरसा में उनके आवास पर तलाशी के दौरान उनकी पत्नी भी मौजूद थीं, जिन्होंने बैंक कर्मियों से पूछताछ में सहयोग किया. ईओयू ने तलाशी अभियान में जमीन के दस्तावेज, 5 लाख रुपये की ज्वैलरी और नगद 2500 रुपये बरामद किए.

सहरसा पुलिस के डीएसपी सुरेश प्रसाद ने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जो आगे की जांच में अहम भूमिका निभाएंगे. इस छापेमारी अभियान का उद्देश्य दोनों अधिकारियों की संपत्ति और बैंकिंग लेनदेन की पारदर्शिता जांचना है. अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए टीम लगातार सक्रिय है और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी. इस कार्रवाई से क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश गया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से इस तरह की संपत्ति में अनियमितताओं की चर्चा थी और अब ईओयू की कार्रवाई से उम्मीद जताई जा रही है कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगा. जांच के दौरान बरामद दस्तावेजों और ज्वैलरी की सूची तैयार की जा रही है, जिससे आगे की कानूनी प्रक्रिया को गति दी जा सके.

नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को मृत्यु दंड की सजा

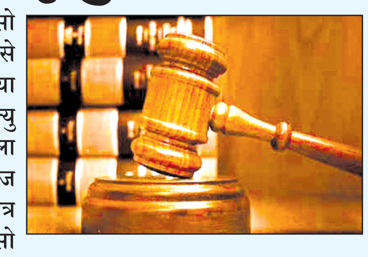

प्रयागराजः यहां की पॉक्सो अदालत ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने के दोषी व्यक्ति को मृत्यु दंड की सजा सुनाई है. जिला शासकीय अधिवक्ता मनोज पांडेय ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो अदालत) विनोद कुमार चौरसिया ने अभियुक्त मुकेश पटेल को नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने और उसकी हत्या का दोषी करार देते हुए सोमवार को मृत्यु दंड की सजा सुनाई. उन्होंने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक विनय कुमार त्रिपाठी ने पैरवी की. पांडेय ने बताया कि इस मामले के तथ्यों के मुताबिक, तीन अक्टूबर, 2024 को शाम करीब छह बजे आठ वर्षीय नाबालिग लड़की एक मेडिकल स्टोर गई थी और घर लौटते समय लापता हो गई. अगले दिन पास के एक खेत में उसका शव पड़ा मिला.

प्रयागराज के थाना सोरांव में चार अक्टूबर को लिखित तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया. जांच प्रक्रिया के दौरान विशेष साक्ष्य और गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी मुकेश पटेल की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया. उन्होंने बताया कि जांच में कथित तौर पर यह साबित हुआ कि आरोपी मुकेश पटेल ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म कर उसकी नृशंस हत्या की. इसके बाद पुलिस द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया गया जिसे अदालत ने संज्ञान में लिया.

पांडेय ने बताया कि साक्ष्यों के अवलोकन और गवाहों के बयान पर गौर करने के बाद अदालत ने पॉक्सो अधिनियम की धारा छह के तहत अभियुक्त मुकेश पटेल को दोषी करार देते हुए मृत्यु दंड की सजा सुनाई. साथ ही उस पर 25,000 रुपये जुर्माना भी लगाया जिसे जमा नहीं करने पर अभियुक्त को एक साल जेल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी.

न्यूज कॉर्नर

अपनी पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने के बाद युवक ने की खुदकुशी

मुजफ्फरनगर : मुजफ्फरनगर जिले के सिविल लाइंस थानाक्षेत्र में मंगलवार को कथित रूप से घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली. पुलिस ने यह जानकारी दी. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि सिविल लाइंस थानाक्षेत्र के सरवत इलाके में इरशाद (32) नामक एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी नौरीन (30), बेटे अहिल (दो) और दो महीने की बेटी अक्सा को जहर खिला दिया, जिससे उनकी मौत हो गयी. उन्होंने बताया कि उसके बाद इरशाद ने अपने कमरे में फांसी लगा ली. कुमार ने बताया कि पुलिस चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए ले गयी. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शुरुआती जांच और रिश्तेदारों से पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई कि इरशाद की बहन शाहीन को ईद का तोहफा देने को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था और इसी बात को लेकर यह घटना हुई. उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है.

भागलपुर में हथियार के साथ दो गिरफ्तार

भागलपुरः जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार और संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया. उक्त आशय की जानकारी मंगलवार को सिटी एसपी शैलेंद्र सिंह ने दी. सिटी एसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई. थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि जगदीशपुर अस्पताल चौक के पास हीरा यादव के फूस के झोपड़ी में कुछ लोग इकट्ठा होकर किसी बड़े अपराध की योजना बना रहे हैं और हथियार जमा कर रहे हैं. सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की. छापेमारी के दौरान एक देशी कट्टा और 7 जिंदा कारतूस बरामद किए गए. मौके से पंकज यादव (40 वर्ष) और अंशु कुमार (21 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी हीरा यादव फरार हो गया. गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने हीरा यादव के दो मंजिला मकान पर भी छापेमारी की. वहां से एक और देशी कट्टा, 6 जिंदा कारतूस तथा एक पेंदा ठोका हुआ कारतूस बरामद किया गया. पुलिस के अनुसार, फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. इस अभियान में थानाध्यक्ष रामचंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी विकाश कुमार, सुधीर कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल की टीम शामिल रही.

नशे को लेकर पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खाया जहर, मौत

सुपौलः राजनगर थाना क्षेत्र के नकटी गांव में एक 35 वर्षीय युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. मृतक सुपौल जिले के उजान गांव निवासी मनोज मुखिया है, जो अपने ससुराल में रहकर सब्जी का कारोबार करता था. बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह नकटी गांव के एक खेत में मनोज मुखिया का शव संदिग्ध अवस्था में मिला. सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई. परिजनों के अनुसार सोमवार शाम मनोज का अपनी पत्नी से नशे को लेकर विवाद हुआ था. झगड़े के बाद वह घर से निकल गया था और देर रात तक वापस नहीं लौटा. परिजनों को आशंका है कि पत्नी से विवाद के बाद तनाव में आकर उसने कीटनाशक दवा खाकर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया. मंगलवार दोपहर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई. राजनगर थानाध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है. प्रारंभिक जांच में पत्नी से नशे को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है. उन्होंने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है. आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

नकली नोट छापने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

प्रयागराजः उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित सराय इनायत थाना एवं सर्विलांस की टीम ने नकली नोट छापने वाले गिरोह के चार सदस्यों को सहसों चौराहे के पास से मंगलवार को गिरफ्तार किया,जबकि गिरोह का सरगना फरार हो गया . पुलिस टीम ने गिरोह के कब्जे से नकली नोट एवं छापने के उपकरण बरामद किए. यह जानकारी पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने दी. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में देवरिया जिले के रूद्रपुर थाना क्षेत्र के महाराजगंज निवासी धर्मेन्द्र कुमार पुत्र राजाराम प्रसाद, देवरिया के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बैतालपुर गांव निवासी नरेन्द्र यादव उर्फ विराट पुत्र रामजी यादव, नकली नोट छापने का कार्य करते थे और भदोही जिले के सुरियावां थाना क्षेत्र के गोकुल पट्टी गांव निवासी विवेक कुमार यादव पुत्र राकेश यादव एवं भदोही जिले के दुर्गागंज थाना क्षेत्र के सरायकंसराय गांव निवासी राहुल यादव पुत्र राजकुमार यादव शामिल है. हालांकि गिरोह का सरगना देवरिया जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के गौरी खुर्द गांव निवासी विवेक यादव पुत्र अवध बिहारी भाग निकला. उसकी तलाश जारी है. पूछताछ के दौरान जानकारी मिली है कि विवेक यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव भी लड़ चुका है. इस गिरोह में सक्रिय सभी सदस्यों को जेल भेजा जाएगा. पुलिस टीम ने गिरोह के कब्जे से 118300 के जाली नोट, जिसमें पांच सौ के दो सौ नोट, सौ रूपये के 183 नोट बरामद किया है. इसके अतिरिक्त एक कार, एक मोटरसाइकिल, एक लैपटॉप,दो प्रिंटर, 5 मोबाइल फोन, चार लैपटॉप चार्जर, माउस सहित अन्य उपकरण बरामद किया गया है. गिरोह का सरगना विवेक यादव इससे पूर्व भी भदोही से नकली नोट मामले में जेल जा चुका है. धर्मेन्द्र कुमार भी देवरिया जिले के रामपुर करखाना थाना क्षेत्र से नकली नोट मामले में वर्ष 2019 में जेल जा चुका है. उन्होंने बताया कि सराय इनायत थानाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नकली नोट के कारोबार करने वाले प्रयागराज में सक्रिय हैं. इस सूचना पर सर्विलांस की टीम का सहयोग लेकर जांच शुरू कर दी गई और गिरोह को पकड़ने के लिए गठित की गई टीम ने देवरिया जिले की पुलिस टीम का सहयोग लेकर वहां दबिश दी तो गिरोह का सरगना मौके से भागने में कामयाब हो गया. हालांकि पुलिस टीम ने गिरोह में सक्रिय चार सदस्यों को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया. इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है.

बिहार में फिल्मी स्टाइल में 30 लाख की लूट, कैमरे पर स्प्रे कर काट ले गए एटीएम

पटना: राजधानी पटना के दानापुर स्थित शाहपुर थाना क्षेत्र के ढिबारा गांव में मंगलवार अहले सुबह करीब 4 बजे बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में लूट की वारदात को अंजाम दिया. अज्ञात अपराधियों ने एसबीआई बैंक के एटीएम को ही उखाड़ लिया. उसमें रखे करीब 30 लाख रुपये लेकर फरार हो गए. घटना को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे कर दिया, ताकि उनकी पहचान न हो सके. बताया जा रहा है कि तीन बदमाशों ने हाथ में दस्ताने पहनकर पूरी योजना के तहत इस वारदात को अंजाम दिया. चार पहिया वाहन से आए थे और एटीएम मशीन को उखाड़कर आसानी से फरार हो गए. हैरानी की बात यह है कि घटना से महज दो मिनट बाद पुलिस टीम इलाके में पहुंची थी, लेकिन तब तक अपराधी मौके से निकल चुके थे. सूचना मिलने के बाद शाहपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार आनंद मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की और डखढ टीम का गठन किया है. सिटी एसपी ने बताया कि एटीएम लूटने वाले अपराधी काफी शातिर हैं. हाथ में दस्ताने पहने हुए थे. एटीएम को काटने के लिए गैस कटर का उपयोग किया गया है. इससे साफ होता है कि ये लोग पूर्व में भी घटना को अंजाम दे चुके हैं. कैमरे पर भी स्प्रे मारा है. इससे लगता है कि ये लोग पहले से प्लान बना लिए थे कि कोई भी सबूत नहीं छोड़ने हैं.

लापता लड़की बरामद, लड़का अब भी फरार

भागलपुरः जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र से बीते 2 मार्च को एक युवक और युवती अपने-अपने घर से अचानक लापता हो गये. करीब 26 दिन बाद युवती थाने से बरामद हुई, लेकिन युवक अब तक लापता है. जबकि लड़की के पिता बबलू शाह का आरोप है कि राजकुमार महतो के बेटे सत्यम महतो ने उनकी बेटी को बहला- फुसलाकर घर से बुलाया और उसके साथ 20,000 नकद और लगभग एक भर सोना-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गया. परिजन के अनुसार, गायब होने के कुछ दिन बाद युवक ने व्हाट्सएप के जरिए दोनों की शादी की तस्वीरें भी दोनों परिवारों को भेजी, जिससे मामला और उलझ गया. करीब 20 दिन बाद युवती नाथनगर थाने में पहुंची, जहां से पुलिस ने उसके पिता को सूचना दी.

मोतिहारी शहर से एक चेन स्नेचर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारणः जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर में दिनदहाड़े हुई चेन स्नैचिंग की घटना का पुलिस ने महज आठ घंटे के भीतर सफलतापूर्वक खुलासा करने का दावा किया है. इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए घटना में प्रयुक्त बाइक भी जब्त कर ली है. जबकि छीनी गई सोने की चेन की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी जारी है. जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के अगरवा मुहल्ला की एक महिला ने थाने में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपने घर के पास ही थी, तभी एक अज्ञात युवक अचानक पीछे से आया और उनके गले से सोने की चेन छीनकर तेज रफ्तार से बाइक पर सवार होकर फरार हो गया. अचानक हुई इस वारदात से पीड़ित महिला सहित आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया.

अपराधियों ने दिनदहाड़े ऑटो चालक को मारी गोली, मौत

जमुई: बिहार के जमुई में ऑटो चालक की हत्या हुई है. दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया है. दिनदहाडे हुई हत्या से इलाके में हड़कंप मच गया. मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण जुट गए. वहीं, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है. ऑटो चालक की हत्या: घटना जिले के टाउन थाना क्षेत्र के जमुई-लखीसराय मार्ग की है. ढंढ के बगल में लखनधनमा के पास इस वारदात को अंजाम दिया गया है. मृतक की पहचान 45 वर्षीय अशोक यादव के रूप में हुई है, जो ऑटो चलाकर अपना और अपने परिवार का गुजारा करता था.

परिजनों ने बताया कि रोजाना की तरह अशोक अपने घर (मुसहरी) के बगल में चौक पर ऑटो लगाकर खड़े थे. कुछ सवारी ऑटो में बैठे थे, कुछ और सवारी का वह इंतजार कर रहे थे. उसी दौरान ढंढ की ओर से दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश हथियारबंद अपराधी वहां आ धमके. अपराधियों ने आते ही ऑटो चालक अशोक यादव को पकड़ लिया. उसी बीच में एक बदमाश ने उसकी कनपट्टी में सटाकर गोली मार दी और आगे सिकंदरा हलसी रोड की तरफ निकल गए. अब तक हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है.

इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक को चार बेटी और एक बेटा है. बेटा बाहर रहकर काम करता है. दो बेटियों की शादी हो चुकी है, वहीं दो बेटी की शादी नहीं हुई है. उनकी पत्नी घरेलू महिला है. अशोक यादव की कमाई से ही घर-परिवार का भरण पोषण होता था.

राष्ट्रपति ने नालंदा विवि के छात्रों को दी डिग्रियां

कहा-यहां मानवता की 'साझा विरासत मिलती है

राजगीरः भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं और कहा कि इस संस्थान से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को मानवता की साझा विरासत प्राप्त होती है. दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, यहां से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों को दो चीजें मिलती हैं- डिग्री और विरासत. डिग्री जहां उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, वहीं मानवता की साझा विरासत मिलती है. उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी हैं, जो 30 से अधिक देशों से आए हैं.

राष्ट्रपति ने समारोह से पहले पौधारोपण अभियान में भी हिस्सा लिया और विश्वविद्यालय की 'नेट-जीरो' लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की. 'नेट जीरो' उत्सर्जन का मतलब है कि जो जितना कार्बन उत्सर्जन करता है, उतना ही कार्बन खत्म करने की व्यवस्था भी करे. 'नेट जीरो' का मतलब यह नहीं है कि कार्बन का उत्सर्जन शून्य हो जाएगा. उन्होंने कहा, यह परिसर 'नेट-जीरो' कैंपस बनने की दिशा में स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है. उच्च शिक्षण संस्थानों को उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व करना चाहिए.

राष्ट्रपति ने अपने दौरे की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में बने 'विश्व मित्रालय' भवन के उद्घाटन से की. यह अत्याधुनिक भवन लगभग दो हजार लोगों की क्षमता वाला है और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. राष्ट्रपति नालंदा विश्वविद्यालय की 'विजिटर' भी हैं.

मुख्यमंत्री योगी की मां पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मौलाना को एसटीएफ ने किया बिहार से गिरफ्तार

बहराइचः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी करने वाले मौलाना अब्दुल्ला सालिम कासमी उर्फ चतुर्वेदी को सोमवार देर शाम बिहार से गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. उसने बताया कि विशेष कार्यबल (एसटीएफ) उसे लेकर बहराइच आयी, जहां आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद अदालत ने उसे जेल भेज दिया. बहराइच के पुलिस क्षेत्राधिकारी (शहर) नारायण दत्त मिश्र के अनुसार, मौलाना अब्दुल सालिम कासमी का एक विवादित भाषण इस माह की शुरुआत में सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें मुख्यमंत्री की मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था. उन्होंने कहा कि इसके बाद आठ मार्च को कोतवाली नगर थाने में विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं अधिवक्ता अजीत प्रताप सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया. उन्होंने बताया कि एसटीएफ ने सोमवार शाम बिहार के पूर्णिया से आरोपी को गिरफ्तार किया और देर रात उसे बहराइच लेकर आई. पुलिस क्षेत्राधिकारी के अनुसार पूछताछ के बाद मंगलवार को उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया. गिरफ्तारी को लेकर देवीपाटन परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक ने मंगलवार दोपहर एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि बिहार के अररिया के मोहम्मद सालिम ने मुख्यमंत्री की माता को लेकर सार्वजनिक मंच से अशोभनीय टिप्पणी की थी जिसके बाद देवीपाटन परिक्षेत्र के बलरामपुर एवं बहराइच जिलों में मुकदमे दर्ज किये गये थे. उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को विशेष कार्यबल की गोरखपुर इकाई उसे बिहार से पूछताछ के लिये बहराइच शहर कोतवाली लायी, जहां पर सालिम ने अपनी गलती स्वीकार करके माफी मांगी. इस संबंध में विधिक कार्रवाई कोतवाली नगर बहराइच से की जा रही है.

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मीडिया प्रकोष्ठ ने मंगलवार दोपहर बयान जारी कर बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करके विधिक कार्यवाही के तहत न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया. पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया, अदालत में पेश किए जाने से पहले आरोपी मौलाना ने कोतवाली नगर में पुलिस के सामने अपना अपराध स्वीकार करते हुए माफ करने का अनुरोध किया है. इसी बीच आज दोपहर सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए मौलाना के एक वीडियो में वह अपना अपराध स्वीकार करते हुए दिखाई दे रहा है. वीडियो में मौलाना को यह कहते देखा और सुना जा सकता है, मैं अपने जुर्म को स्वीकार करता हूं. पांच मई 2024 को बिहार के भागलपुर जिले की एक बस्ती में आयोजित शैक्षिक जागरुकता सम्मेलन में भाषण के दौरान मेरी जुबान से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री साहब की माता के लिए कुछ ऐसी गंदी बातें निकल गईं, जो बिल्कुल नहीं निकलनी चाहिए थीं.

मौलाना ने वीडियो में कहा,मैं अपनी गलती का पूरी तरह से एहसास करता हूं और दिल से माफी मांगता हूं. मैं वादा करता हूं कि भविष्य में ऐसी कोई गलती नहीं होगी. मैं अपने सभी साथियों और देशवासियों से यह संदेश देना चाहता हूं कि अपने भाषणों में ऐसी बातें न कहें, जिससे किसी व्यक्ति या धर्म को ठेस पहुंचे और माहौल बिगड़े. मौलाना ने वीडियो में कहा, मैं विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री साहब से भी माफी मांगता हूं और उनसे निवेदन करता हूं कि यदि मेरी वजह से उन्हें तकलीफ पहुंची है तो मुझे क्षमा करें. पुलिस क्षेत्राधिकारी ने वायरल वीडियो इसी मौलाना अब्दुल सालिम का होने की बात स्वीकार की है.

मार्च के पहले हफ्ते में मौलाना की तकरीर वायरल होने के बाद देश भर में विरोध शुरू हुए थे. अकेले उत्तर प्रदेश के अधिकांश जनपदों से विरोध प्रदर्शन एवं मुकदमे दर्ज कराने हेतु पुलिस को तहरीर दिए जाने की खबरें आई थीं. इसके अलावा बहराइच के पड़ोसी बलरामपुर जनपद में भी मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था.

तलाक की मन्नत पूरी होने पर नौ किमी 'दंडवत यात्रा' कर भगवान को किया धन्यवाद

बस्ती : निजी जीवन में लंबे समय तक तनाव और वैवाहिक कलह से जूझने के बाद जब 25 वर्षीय जोगेश की तलाक की मन्नत पूरी हुई तो उसने नौ किलोमीटर की 'दंडवत यात्रा' कर भगवान को धन्यवाद किया. यह मामला जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के नरखोरिया गांव का है, जहां जोगेश ने अपनी पत्नी से अलग होने की कामना को लेकर सिद्ध पीठ बैरवा समय माता मंदिर में प्रार्थना की थी. जोगेश ने बताया कि उसकी शादी 2022 में हुई थी और तभी से वह वैवाहिक कलह से जूझ रहा था. उन्होंने मन्नत मांगी थी कि यदि तलाक हो गया तो वह 'दंडवत यात्रा' कर मंदिर पहुंचेंगे. जोगेश ने दावा किया कि उसकी यह मन्नत 2025 में पूरी हुई.

जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 125 (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 144) के तहत निषेधाज्ञा लागू होने के मद्देनजर जोगेश ने अनुष्ठान के लिए स्थानीय प्रशासन से अनुमति मांगी थी. उपजिलाधिकारी (भानपुर) हिमांशु कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए उसके गांव से मंदिर तक नौ किलोमीटर की यात्रा की अनुमति दी. थाना प्रभारी महेश सिंह ने कहा, 28 मार्च को आयोजित इस यात्रा के दौरान सुरक्षा के लिए दो पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था.

जोगेश ने शनिवार सुबह बिना भोजन और पानी ग्रहण किए यात्रा शुरू की और करीब 12 घंटे में इसे पूरा किया. इस दौरान उसके परिजन और ग्रामीण भी उसके साथ रहे. नरखोरिया निवासी जोगेश दिल्ली में पीओपी (इंटीरियर डिजाइन) क्षेत्र में काम करता है. उन्होंने बताया कि शादी के बाद वह अपनी पत्नी को दिल्ली ले गए थे लेकिन कम आय व काम का समय निर्धारित नहीं होने को लेकर अक्सर विवाद होते थे, जिससे वह तनाव में रहने लगा था. जोगेश ने कहा, कठिन समय में लिया गया संकल्प ही इस दंडवत यात्रा की प्रेरणा बना.

बिहार के कुख्यात 7 बदमाश गिरफ्तार, पूछताछ में 16 बड़ी वारदातों का खुलास

रोहतास : बिहार में अपराधियों के खिलाफ रोहतास पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जोरदार अभियान चलाया है. पुलिस ने एक ही हफ्ते के अंदर 16 अलग-अलग आपराधिक मामलों का खुलासा कर सनसनी फैला दी है. पकड़े गए सभी अपराधियों का पुराना इतिहास भी है. रोहतास पुलिस की बड़ी कार्रवाई में कुल सात शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. इन अपराधियों के पास से कई आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए हैं, साथ ही एक बुलेट बाइक, एक अपाची बाइक व 6 मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है. रोहतास के एसपी रोशन कुमार ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस पूरे मामले का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुई कई आपराधिक घटनाओं को सुलझा लिया गया है. सासाराम के नवरत्न बाजार से पुलिस ने मोहित कुमार और अजय प्रजापति को लूट की योजना बनाते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक ये दोनों आरोपी कैमूर जिले के कुदरा के रहने वाले हैं. गोली मारकर लूट पाट करने के मामले में पुलिस ने खिड़की घाट इलाके से कुख्यात अपराधी भूलेटन यादव को गिरफ्तार किया है. इसके अलावे पुलिस ने आपराधिक मामले में कैमूर जिले के भगवानपुर से मंटू पांडे और दिनेश विश्वकर्मा को भी गिरफ्तार किया है, साथ ही सासाराम के खिड़की घाट से रोशन कुमार और चेनारी थाना क्षेत्र के टेकारी गांव से विजय कुमार को भी दबोचा गया है. पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी बेहद शातिर किस्म के अपराधी हैं. यह लोग पहले भी कई अपराधी घटनाओं में शामिल रह चुके हैं. इनके खिलाफ लूटपाट गोलीबारी और जानलेवा हमले जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं.

बेल के पेड़ से लटका मिला पिता का शव, इसी साल होनी थी बेटी की शादी

नवादा: बिहार के नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड के बरेव गांव में मंगलवार को एक हैरान करने वाली घटना सामने आई. यहां 50 वर्षीय शख्स का शव खेत में बेल के पेड़ से बंधा हुआ मिला. मृतक की पहचान स्थानीय निवासी राजेश कुमार उर्फ मंटू सिंह के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई.

परिजनों का आरोप है कि राजेश कुमार की हत्या कर दी गई. उनके भाई राजीव कुमार ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 से 2:00 बजे के बीच राजेश घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे. पूरे परिवार और गांव वालों ने काफी खोजबीन की, लेकिन मंगलवार सुबह घर से महज 600 मीटर दूर खेत में उनका शव बेल के पेड़ से बंधा मिला. परिजनों ने इस घटना को हत्या बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है.

मृतक के गले में गमछा बंधा हुआ था और उसी गमछे से पैर भी बंधे थे. परिजनों का कहना है कि गर्दन पर गमछे के निशान साफ दिख रहे हैं, जिससे गला दबाकर हत्या करने की आशंका मजबूत हो गई है. उन्होंने बताया कि शव को पेड़ से बांधकर साक्ष्य मिटाने की कोशिश की गई है. राजेश कुमार ट्रैक्टर चलाकर खेतों की जोताई का काम करते थे और अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे.

राजेश कुमार के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है. बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी की शादी इसी साल होने वाली थी. परिवार का कहना है कि राजेश का किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं था और वे सामान्य जीवन जी रहे थे.

घटना की सूचना मिलते ही रजौली एसडीपीओ गुलशन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. परिजनों द्वारा लगाए गए हत्या के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच के हर पहलू पर काम किया जा रहा है.

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है. साथ ही खोजी कुत्तों की मदद से भी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. एसडीपीओ ने बताया कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषियों को जल्द ही पकड़कर सख्त कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल मामले की तहकीकात जारी है.

न्यूज कॉर्नर

........विलियम वॉल्श इंडिगो के नए सीईओ होंगे, अगस्त में संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को विलियम वॉल्श को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है. उनके 3 अगस्त तक सीईओ का कार्यभार संभालने की उम्मीद है. 'विली' के नाम से मशहूर वॉल्श ब्रिटिश एयरवेज के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं.इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड) के बोर्ड ने आज की बैठक में विलियम वॉल्श को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है. वॉल्श वर्तमान में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं. आईएटीए में विलियम वॉल्श का कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है. इसके बाद वह 3 अगस्त तक इंडिगो में अपनी नई भूमिका संभाल लेंगे. पीटर एल्बर्स के अचानक इस्तीफे के कुछ हफ्तों बाद इंडिगो ने नए सीईओ के रूप में 'विली' के नाम से मशहूर वॉल्श का चयन किया है. यह नियुक्ति इंडिगो के अंतरराष्ट्रीय विस्तार और भविष्य की विकास योजनाओं के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है.

सरकार ने पीएनजी नेटवर्क के विस्तार का काम तेज किया, मार्च में 2.7 लाख नए कनेक्शन जोड़े

नयी दिल्ली: भारत ने मार्च महीने में पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) के 3.1 लाख से अधिक नए कनेक्शन के लिए गैस की आपूर्ति शुरू की है, जबकि 2.7 लाख अन्य नए कनेक्शन जोड़े हैं. पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के बंद होने से रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति में आई बाधाओं के बीच सरकार ने स्वच्छ ईंधन नेटवर्क के विस्तार को और तेज कर दिया है.होर्मुज जलडमरूमध्य वह महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जिसके माध्यम से भारत अपना अधिकांश एलपीजी का आयात करता है. युद्ध के कारण इस मार्ग के प्रभावित होने से एलपीजी की आपूर्ति में दिक्कतें आई हैं. हालांकि, देश की प्राकृतिक गैस की आधी जरूरत स्थानीय उत्पादन से पूरी होती है और शेष हिस्से के लिए सरकार ने विभिन्न विदेशी स्रोतों से इंतजाम किए हैं.पेट्रोलियम मंत्रालय ने बयान में बताया कि मार्च के दौरान घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, छात्रावासों और कैंटीन सहित 3.1 लाख से अधिक कनेक्शन के लिए गैस की आपूर्ति शुरू की गई है.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

भाजपा अवैध मतदाताओं ....

से बाहरी मतदाताओं को लाने की ही योजना बना रहे हैं.

इस बीच ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखकर तीखे लहजे में कहा कि जिनका बंगाल से कोई वैध संबंध नहीं है, उनसे संबंधित फॉर्म 6 के आवेदन 'अवैध, असंवैधानिक और मौलिक रूप से अलोकतांत्रिक' हैं, जो दुर्भावनापूर्ण इरादे को दर्शाते हैं. उन्होंने कहा कि अगर भाजपा बंगाल की मतदाता सूची में 'बाहर से अवैध मतदाताओं को जबरदस्ती शामिल करने' की कोशिश करती है, तो लोग इसका विरोध करेंगे. मुख्यमंत्री बनर्जी ने गरबेटा में अपनी दूसरी चुनावी रैली में कहा, उसे एक भी वोट नहीं मिलेगा क्योंकि बंगाल के लोग जानते हैं कि भाजपा ने बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह चाल चली है और वहां विपक्ष के इस हथकंडे को नहीं समझ पाने के कारण बच गई. उन्होंने दावा किया कि भाजपा के मन में बंगाल और राज्य के लोगों के लिए कोई सम्मान नहीं है.मुख्यमंत्री ने बांकुड़ा के बिष्णुपुर में एक और चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, भाजपा एक बर्बर पार्टी है. यह बांग्ला भाषी प्रवासियों को प्रताड़ित करती है और विरोध प्रदर्शन करने वाले तृणमूल सांसदों को पुलिस लॉकअप में डाल देती है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बंगाली युवाओं की बुद्धि, उनकी पेशेवर सफलता और सांस्कृतिक श्रेष्ठता से ईर्ष्या करती है.भाजपा नेता मुझसे नफरत करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि दूसरे के विपरीत, वे मुझे अपने वश में नहीं कर सकते. उन्होंने भाजपा पर निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत करने और 'एसआईआर' प्रक्रिया की आड़ में राज्य की मतदाता सूची से महिलाओं और अल्पसंख्यकों के नाम हटाने का आरोप लगाया.ममता बनर्जी ने कहा, हिंदू, आदिवासी, मुस्लिम और अनुसूचित जाति समुदायों की माताओं और बहनों के साथ-साथ बुजुर्ग नागरिकों की तस्वीरें देखकर मेरा दिल टूट गया, जो पूरक सूची (एसआईआर) से अपना नाम हटाए जाने के बाद न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील के लिए एक बार फिर कतारों में खड़े थे. एसआईआर का अर्थ है 'सर्वनाश' (विनाश). उन्होंने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय ने उनकी चुनौती के कारण ही निर्वाचन आयोग ने 22 लाख नाम मतदाता सूची में जोड़े.

टेनिस कोर्ट के बाद.....

जीते जिनमें आठ पुरूष युगल में और 10 मिश्रित युगल में थे . अपनी चपलता, शानदार वॉली और कोर्ट पर जोश के लिए मशहूर पेस चालीस पार की उम्र में भी पेशेवर सर्किट पर सक्रिय रहे.वह भारतीय डेविस कप टीम की भी रीढ़ थे और ऊंची रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जीत दिलाने में सूत्रधार रहे . महेश भूपति के साथ उनकी जोड़ी को 'इंडियन एक्सप्रेस' कहा जाता था. दोनों ने कई ग्रैंडस्लैम और एटीपी खिताब जीतकर भारत को टेनिस के वैश्विक मानचित्र पर पहचान दिलाई. मूल रूप से गोवा के रहने वाले पेस इससे पहले 2021 में गोवा में ही तृणमूल कांग्रेस से जुड़े थे जब पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने उन्हें छोटा भाई कहा था .वह हाल ही में बंगाल टेनिस संघ के अध्यक्ष बने और अब नये राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के तहत अखिल भारतीय टेनिस संघ के ताजा चुनाव में भी वह प्रत्याशी हो सकते हैं.

निर्वाचन आयोग के कार्यालय...

के दौरान भाजपा समर्थकों ने उन पर हमला किया.पुलिस ने कहा कि कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण बनी रही. इसके बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी के नए कार्यालय के बाहर अतिरिक्त बल तैनात किए गए, ताकि इसे काबू किया जा सके. पुलिस ने कहा कि अधिकारी आगे हिंसा रोकने के लिए स्थिति पर नजर रख रही है.

चौरंगी से संतोष पाठक और ...

सोनारपुर उत्तर से देबाशीष धर, पांचला से रंजन कुमार पॉल, चंडीपुर से डॉ. पीयूष कांति दास, गारबेटा से प्रदीप लोढ़ा, मेमारी से मानव गुहा, बाराबनी से अरिजीत राय और मयनागुड़ी से ने पूर्व में घोषित कैंडिडेट में बदलाव करते हुए दालिम रॉय को उम्मीदवार बनाया गया है. बीजेपी ने पहली सूची में सोनारपुर उत्तर से देबाशीष धर को उतारा है. मेमारी सीट से यू ट्यूबर मानव गुहा को मौका मिला है.इससे पहले भाजपा ने 144 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची 16 मार्च को जारी की थी, जबकि 19 मार्च को दूसरी सूची घोषित की गई थी जिसमें 112 उम्मीदवारों के नाम थे. इसके बाद 24 मार्च को तीसरी सूची जारी की गई थी. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल, 2026 को होगा जबकि मतगणना चार मई को की जाएगी. बीजेपी ने पूर्व में घोषित एक कैंडिडेट को बदला है. बंगाल में पहले चरण के लिए 23 और दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे.

आईएएस-आईपीएस अफसरों...

को स्थापित करने के लिए कोई सामग्री पेश नहीं की जा सकी.

फैसले में कहा गया कि केवल इसलिए कि निर्वाचन आयोग ने बड़ी संख्या में अधिकारियों का तबादला किया है, यह नहीं कहा जा सकता कि कार्रवाई मनमानी, आवेग में या दुर्भावनापूर्ण तरीके से की गई है, खासकर तब जब देश भर में इसी तरह या इससे भी अधिक संख्या में अधिकारियों के तबादले/पदस्थापना हुई हों. अदालत ने टिप्पणी की, इस प्रकार, हमें यह मानने का कोई कारण नहीं मिलता कि पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को स्थानांतरित करते समय, निर्वाचन आयोग ने किसी प्रकार का सौतेला व्यवहार किया.पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ऐसा कोई मामला साबित नहीं कर सका, जिससे यह स्पष्ट और स्पष्ट रूप से सिद्ध हो सके कि अधिकारियों के तबादले के आदेश से कोई प्रशासनिक शून्यता आई होगी या जनता विकास योजनाओं से वंचित हो जाएगी. अदालत ने स्थानांतरण को सेवा का एक हिस्सा मानते हुए कहा कि यदि स्थानांतरण आदेश किसी वैधानिक प्रावधान के विपरीत है, तो पीड़ित कर्मचारी या अधिकारी उचित प्रक्रिया के तहत उसे चुनौती दे सकता है. पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि यह फैसला पीड़ित अधिकारियों को कानून के अनुसार उचित प्रक्रिया के तहत अपने स्थानांतरण आदेश को चुनौती देने से नहीं रोकेगा. अदालत ने रेखांकित किया कि याचिकाकर्ता सक्रिय अधिवक्ता है. उसने कहा कि अधिकारियों के तबादलों पर उसे तवतक कोई शिकायत नहीं हो सकती जब तक कि ऐसे कदम सार्वजनिक हित को नुकसान न पहुंचाएं. पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील कल्याण बनर्जी और पश्चिम बंगाल सरकार का पक्ष रख रहे महाधिवक्ता किशोर दत्ता की इस दलील में दम नजर नहीं आता कि बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों के कारण राज्य में एक रिक्ति उत्पन्न हो गई है. अदालत ने कहा कि इस मामले में देखा गया है कि जब एक अधिकारी का तबादला होता है, तो दूसरा अधिकारी उसका पदभार ग्रहण कर लेता है. पीठ ने कहा, इस प्रकार, व्यवस्था या प्रशासनिक क्षेत्र में कोई रिक्ति उत्पन्न नहीं होती है. पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा का चुनाव करने के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है.

भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल चीन दौरे पर, नए व्यापारिक अवसरों पर हुई चर्चा

शंघाई: शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के कॉर्पोरेट प्रतिनिधिमंडल के साथ एक उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य वैश्विक व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करना और भारत-चीन के बीच सतत आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है.इस उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन का उद्घाटन भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने किया. इस अवसर पर उन्होंने यहां आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और भारत की उल्लेखनीय आर्थिक विकास यात्रा पर प्रकाश डाला. माथुर ने बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना जारी रखे हुए है और यहां की जनसांख्यिकी दुनिया में सबसे युवा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों और निवेश के लिए अपार अवसर पैदा हो रहे हैं.

अपने संबोधन के दौरान प्रतीक माथुर ने कई उभरते क्षेत्रों में भारत की बढ़ती संभावनाओं पर जोर दिया, जिनमें नई और नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का विकास, साथ ही

सूचना और प्रौद्योगिकी उद्योग शामिल हैं. उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र, टिकाऊ विकास की तलाश कर रही भारतीय और वैश्विक कंपनियों के बीच सहयोग के लिए महत्वपूर्ण क्षमता प्रदान करते हैं.

भारतीय चैंबर्स ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल इस समय चीन के दौरे पर है, जहां वे अपने चीनी समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे. पांच वर्षों तक संबंधों में रही ठहराव के बाद यह अपनी तरह का पहला ऐसा दौरा है. ये पहला भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल है जिसने चीन का दौरा किया है. यह दौरा दोनों देशों द्वारा पिछले साल अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के बाद हुआ है, जो 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद पांच साल से अधिक समय तक चले अंतराल के बाद संभव हो पाया है.इस उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन में चीनी पक्ष की ओर से भी उच्च-स्तरीय भागीदारी देखने को मिली. इसमें मुख्य रुप से एचएसबीसी और वूशी प्रौद्योगिकी विकास निगम जैसी अग्रणी कंपनियां और वित्तीय संस्थान शामिल थे. उनकी भागीदारी ने उभरते उद्योगों और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग का विस्तार करने में उनकी गहरी रुचि को दर्शाया. उल्लेखनीय है कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) का एक प्रतिनिधिमंडल 29 मार्च से 4 अप्रैल तक शंघाई और चीन के जियांग्सू प्रांतके दौरे पर है. यह चीन के सबसे अधिक विकसित औद्योगीकृत क्षेत्रों में से एक है.

एयरलाइंस पर युद्ध के प्रभाव का सटीक आकलन करना अभी असंभव, हवाई किराये में पहले से वृद्धि: आईएटीए

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण एयरलाइन कंपनियों की संभावनाओं पर इसके पूरे प्रभाव का सटीक आकलन करना अभी असंभव है. हालांकि, ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि, सीमित क्षमता और एयरलाइंस के कम मुनाफे के चलते पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण हवाई किराये में पहले से ही वृद्धि हो रही है. यह जानकारी वैश्विक एयरलाइंस समूह आईएटीए ने मंगलवार को दी.अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) लगभग 350 एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करता है, जिनमें एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी कंपनियां शामिल हैं.आईएटीए ने मंगलवार को बयान में फरवरी, 2026 के लिए वैश्विक यात्री मांग के आंकड़े जारी किए और बताया कि राजस्व यात्री किलोमीटर (आरपीके) के संदर्भ में कुल मांग पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.1 प्रतिशत बढ़ी है.बयान के अनुसार, उपलब्ध सीट किलोमीटर (एएसके) के रूप में मापी जाने वाली कुल क्षमता में सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि यात्रियों के संदर्भ में विमान क्षमता का उपयोग 81.4 प्रतिशत रहा, जो फरवरी का अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है.

आईएटीए के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि राजस्व यात्री किलोमीटर में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, फरवरी एक बेहतर महीना रहा. यह बताता है कि मांग में वृद्धि के लिए आधारभूत परिस्थितियां सकारात्मक बनी हुई हैं.उन्होंने कहा, ''हालांकि, पश्चिम एशिया में युद्ध की अवधि और तीव्रता जाने बिना, एयरलाइन कंपनियों की संभावनाओं पर इसके पूरे प्रभाव का सटीक आकलन करना असंभव है. लेकिन कुछ बातें पहले से ही साफ हैं. ईंधन की लागत में भारी वृद्धि हुई है. सीमित क्षमता और कम मुनाफे के कारण हवाई किराये पहले से ही बढ़ रहे हैं.''वॉल्श के अनुसार, क्षमता तैनाती में भी बदलाव हो रहा है. विशेष रूप से पश्चिम एशिया से आने-जाने वाले या वहां से गुजरने वाले यातायात के लिए या उन क्षेत्रों में जहां ईंधन आपूर्ति एक समस्या है.उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मार्च के लिए निर्धारित क्षमता वृद्धि पहले के पांच प्रतिशत से अधिक के अनुमान से घटकर 3.3 प्रतिशत रह गई है.एक अलग घटनाक्रम में, इंडिगो ने मंगलवार को घोषणा की कि वॉल्श एयरलाइन के अगले सीईओ

सर्राफा बाजार में फिसली चांदी, दिन के कारोबार में आई गिरावट

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज बिना किसी बदलाव के कारोबार शुरू करने वाली हाजिर चांदी की कीमत में दोपहर के वक्त 300 से लेकर 400 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली गिरावट दर्ज की गई है. कीमत में आई इस कमजोरी के बाद देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में आज दोपहर एक बजे चांदी 2,44,400 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 2,44,500 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है. इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 400 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी के साथ 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है. देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 300 रुपये

किलोग्राम से लेकर 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही थी.दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 300 रुपये प्रति किलोग्राम फिसल कर 2,44,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है. इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 300 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 2,44,400 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है. जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,44,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है.

वहीं बेंगलुरु में चांदी 400 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती होकर 2,44,900 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 300 रुपये प्रति प्रति किलोग्राम सस्ती होकर 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है.

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड में काफी गिरावट आ गई है. जनवरी के महीने तक इंडस्ट्रियल डिमांड में तेजी आने के कारण लंदन सिल्वर मार्केट में डिमांड की तुलना में सप्लाई नहीं हो पा रही थी, जिसकी वजह से चांदी के भाव चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए थे.दूसरी ओर, फिलहाल इंडस्ट्रियल डिमांड में कमी आने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की उपलब्धता बढ़ गई है.

किशनगंज एसडीपीओ गौतम कुमार के ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी, आय से 1.94 करोड़ अधिक संपत्ति का आरोप

किशनगंज: बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने मंगलवार को किशनगंज के एसडीपीओ-वन गौतम कुमार के बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल तक स्थित कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की. यह कार्रवाई किशनगंज के अलावा पूर्णिया, अररिया, पटना और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में की जा रही है.

किशनगंज में ईओयू की टीम मंगलवार सुबह करीब आठ बजे तीन वाहनों से एसडीपीओ गौतम कुमार के आवास और कार्यालय पहुंची. टीम में करीब 12 अधिकारी शामिल हैं, जो दस्तावेजों, संपत्ति से जुड़े कागजात और अन्य महत्वपूर्ण सामानों की जांच कर रहे हैं.छापेमारी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई है. आर्थिक अपराध इकाई ने एसडीपीओ गौतम कुमार पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है. प्रारंभिक जांच में करीब 1 करोड़ 94 लाख रुपये की अवैध संपत्ति का मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि जांच टीम संपत्ति से जुड़े बैंक दस्तावेज, जमीन खरीद-बिक्री के कागजात और अन्य वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही है.गौतम कुमार का पुश्तैनी घर सहरसा में है, जबकि पटना में भी उनका मकान है. वहीं पूर्णिया में उनका ससुराल बताया जा रहा है. इन सभी स्थानों पर भी जांच की जा रही है.

नया आयकर कानून एवं कई बजटीय प्रावधान एक अप्रैल से होंगे लागू, जानिए क्या होगा बदलाव

नई दिल्ली: नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ ही एक अप्रैल से देश का आयकर ढांचा भी बड़े बदलावों के दौर में प्रवेश करने जा रहा है. नया आयकर अधिनियम, 2025 बुधवार से लागू हो जाएगा, जो करीब छह दशक पुराने 1961 के कानून की जगह लेगा. इस नए कानून के तहत टैक्स सिस्टम, प्रक्रियाओं और नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं. सबसे बड़ा बदलाव वित्तीय वर्ष और निर्धारण वर्ष की जगह एकल 'कर वर्ष' की शुरुआत है, जिससे टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बनाने की कोशिश की गई है.

आयकर विभाग के मुताबिक नए आयकर कानून और अन्य बजटीय प्रावधान 1 अप्रैल से लागू होंगे. इन बजटीय प्रावधान में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) व्यापार पर उच्च प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) और चिकित्सा तथा शिक्षा उद्देश्यों के लिए विदेशी पर्यटन पैकेज एवं एलआरएस प्रेषणों पर कम टीसीएस शामिल हैं. इसके अलावा भारत में डेटा सेंटर सेवाएं लेने वाली विदेशी कंपनियों को 2047 तक 20 वर्ष की कर छूट और सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए 'सेफ हार्बर' प्रावधानों की सीमा बढ़ाने से संबंधित बजट घोषणाएं भी वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ बुधवार से प्रभावी हो जाएंगी.

नए कानून का उद्देश्य उसी कर नीति को अधिक तार्किक, सुलभ एवं पाठक-अनुकूल प्रारूप में प्रस्तुत करना है. बदलाव अवधि के दौरान उसका ई-फाइलिंग मंच पुराने और नए दोनों आयकर कानूनों के तहत अनुपालन की सुविधा देगा. साथ ही पिछले वर्षों से संबंधित सभी आकलन, अपील एवं अन्य कार्यवाही अंतिम निपटान तक पुराने कानून के तहत ही जारी रहेंगी. आकलन वर्ष 2026-27 (जो पुराने कानून की अवधि से संबंधित है) के लिए जुलाई में रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता पुराने कानून के तहत निर्धारित प्रपत्रों का ही उपयोग करेंगे. कर वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम कर भुगतान जून से शुरू होगा. आयकर अधिनियम, 2025 में आकलन वर्ष और पूर्व वर्ष के अंतर को समाप्त कर एकल 'कर वर्ष' व्यवस्था लागू की गई है.

इसके साथ ही समय सीमा के बाद आयकर रिटर्न दाखिल होने पर भी टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) की वापसी बिना किसी दंड शुल्क के लेने की अनुमति दी गई है. एक अप्रैल से लागू होने वाला एक अन्य बड़ा बदलाव वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सौदों पर एसटीटी में वृद्धि है. वायदा अनुबंधों पर एसटीटी 0.02 फीसदी से बढ़कर 0.05 फीसदी हो जाएगा. विकल्प प्रीमियम एवं विकल्प के प्रयोग पर एसटीटी क्रमशः 0.1 फीसदी और 0.125 फीसदी से बढ़कर 0.15 प्रतिशत हो जाएगा. एसटीटी में यह बढ़ोतरी इक्विटी बाजार के एफएंडओ खंड में सट्टेबाजी को सीमित करने और छोटे निवेशकों को भारी नुकसान से बचाने के उद्देश्य से की गई है.

आंकड़ों के मुताबिक इक्विटी डेरिवेटिव (एफएंडओ) खंड में कारोबार करने वाले व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2024-25 में 1.06 करोड़ थी, जो 2025-26 में (30 दिसंबर 2025 तक) घटकर लगभग 75.43 लाख रह गई. सेबी के अध्ययन 'इक्विटी डेरिवेटिव खंड में वृद्धि बनाम नकद बाजार' के अनुसार, 2024-25 में व्यक्तिगत निवेशकों को 1.05 लाख करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध नुकसान हुआ. इसके साथ ही आईटी सेवाओं के लिए 'सेफ हार्बर' सीमा को 300 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है. इससे आईटी/आईटीईएस क्षेत्र को अधिक निश्चितता मिलेगी एवं मुकदमेबाजी में कमी आने की उम्मीद है.

एनबीएफसी के वित्तपोषण के लिए वाणिज्यिक पत्र बना हुआ है प्रमुख जरिया: इंडिया रेटिंग्स

मुंबई: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) वित्तपोषण के लिए मार्च महीने में वाणिज्यिक पत्र जारी करने के मामले में आगे रही हैं जबकि कंपनियों ने अल्पकालिक कर्ज लागत में वृद्धि के कारण सतर्कता बरती है. रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने एक रिपोर्ट में यह बात कही है.'कमर्शियल पेपर' यानी वाणिज्यिक पत्र एक बिना गारंटी वाले, अल्पकालिक कर्ज जुटाने का साधन हैं. कंपनियां अल्पकालिक देनदारियों के वित्तपोषण के लिए इसके जरिये पैसा जुटाती हैं.रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि उधार लेने के प्रतिरूप में यह अंतर बना रहेगा. इसका कारण एनबीएफसी विशेष रूप से वित्त वर्ष के अंत में अपनी वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक पत्र बाजार का सक्रियता से उपयोग करना जारी रखेंगी जबकि कंपनियां उच्च वित्तपोषण लागत और पर्याप्त आंतरिक नकदी के कारण चयनात्मक रुख अपनाएंगी.रिपोर्ट में कहा गया है कि आमतौर पर एनबीएफसी के लिए वित्तपोषण के लिहाज से मार्च का महीना महत्वपूर्ण समय होता है और प्रतिफल में वृद्धि के बावजूद उनकी मांग मजबूत बनी हुई है.

इस रुख को दर्शाते हुए, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा जारी किए गए वाणिज्यिक पत्र (सीपी) मार्च, 2026 में बढ़कर 70,300 करोड़ रुपये का हो गया, जो फरवरी, 2026 में 45,500 करोड़ रुपये का था. इसके विपरीत, कंपनियों का वाणिज्यिक पत्र के जरिये वित्तपोषण जुटाने में इसी अवधि में भारी गिरावट आई और यह घटकर 26,600 करोड़ रुपये रहा जो एक महीने पहले 40,700 करोड़ रुपये था.रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''वर्तमान स्थिति से संकेत मिलता है कि एनबीएफसी तिमाही के अंत के दायित्वों को पूरा करने के लिए अल्पकालिक बाजारों का सहारा लेना जारी रखेंगी, जबकि लागत संबंधी चिंताओं और आंतरिक नकदी के कारण कंपनियां सतर्क रुख अपना सकती हैं.''इस बीच, बैंकों द्वारा जारी जमा प्रमाणपत्र (सीडी) आने वाले महीनों में अधिक संतुलित रहने की संभावना है. इसका कारण जमा की स्थिति स्थिर हो रही है और नए वित्त वर्ष की शुरुआत में कर्ज की मांग आमतौर पर हल्का रहता है.

रिपोर्ट के अनुसार, 24 मार्च, 2026 तक, लगभग दो लाख करोड़ रुपये के जमा प्रमाणपत्र जारी किये गए थे. इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का हिस्सा 1.32 लाख करोड़ रुपये था, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों ने 67,800 करोड़ रुपये के जमा प्रमाणपत्र जारी किये थे. मासिक आधार पर यह राशि लगभग अपरिवर्तित रही. इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, जमा प्रमाणत्र जारी करने में आई यह नरमी बैंकों में अल्पकालिक वित्तपोषण दबाव में कुछ कमी का संकेत देती है और नकदी की स्थिति में अपेक्षित सुधार के साथ कर्ज लेने की गति में और कमी आने की संभावना है.

महावीर जयंती पर कल स्टॉक मार्केट में रही छुट्टी, कमोडिटी मार्केट में शाम के सत्र में हुआ कारोबार

नई दिल्ली: आज श्री महावीर जयंती की छुट्टी होने की वजह से घरेलू शेयर बाजार में कोई कारोबार नहीं हो रहा है. शेयर बाजार की तरह ही कमोडिटी मार्केट में भी आज दिन के ट्रेडिंग सेशन यानी सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक श्री महावीर जयंती की छुट्टी रहेगी. हालांकि शाम के सत्र में यानी शाम पांच बजे से रात 11:55 बजे तक कमोडिटी मार्केट में सामान्य कारोबार होगा. इस सप्ताह आज के बाद शुक्रवार यानी तीन अप्रैल को गुड फ्राइडे की वजह से शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी. इस तरह मौजूदा सप्ताह में सिर्फ तीन दिन ही शेयर बाजार में कारोबार होने वाला है. इनमें कल यानी सोमवार को एक दिन का कारोबार हो चुका है, जबकि बुधवार और गुरुवार को कारोबार होना बाकी है. इसके पहले शुक्रवार यानी 27 मार्च को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान भी घरेलू शेयर बाजार में रामनवमी की छुट्टी के कारण सिर्फ चार दिन ही कारोबार हुआ था.स्टॉक मार्केट द्वारा जारी हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार साल 2026 में जनवरी से लेकर दिसंबर तक शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा कुल 16 दिन छुट्टी की घोषणा की गई है. पूरे साल के दौरान सबसे अधिक छुट्टी मार्च के महीने में दी गई है. मार्च के महीने में तीन मार्च को होली की छुट्टी थी, जबकि 26 मार्च को रामनवमी की छुट्टी थी. इसके बाद मार्च के आखिरी दिन यानी आज श्री महावीर जयंती के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी है.

मार्च के बाद 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे की छुट्टी रहेगी, जबकि 14 अप्रैल को डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर जयंती के कारण स्टॉक मार्केट बंद रहेगा. इसी तरह एक मई को महाराष्ट्र दिवस के कारण स्टॉक मार्केट में कोई कारोबार नहीं होगा, जबकि 28 मई को स्टॉक मार्केट में बकरीद की छुट्टी रहेगी. जून के महीने में सिर्फ एक दिन 26 जून को मोहर्रम के कारण स्टॉक मार्केट में कारोबार नहीं होगा.

इस हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक जुलाई और अगस्त में स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा और कोई छुट्टी नहीं होगी. सितंबर के महीने में 14 तारीख को गणेश चतुर्थी की छुट्टी होगी, जबकि अक्टूबर के महीने में 2 तारीख को महात्मा गांधी जयंती के कारण स्टॉक मार्केट में कोई

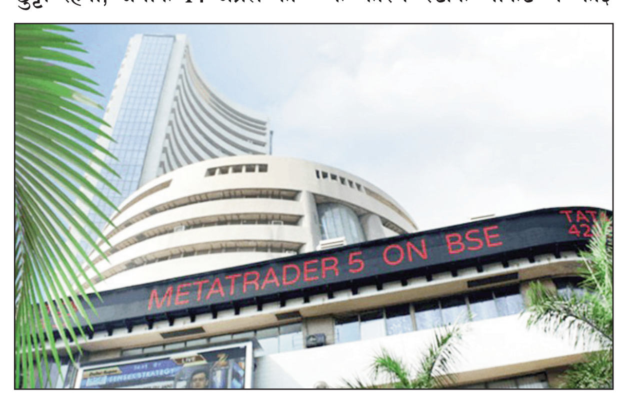

कारोबार नहीं होगा.इसी महीने 20 तारीख को स्टॉक मार्केट में दशहरा की छुट्टी होगी, जबकि 10 नवंबर को दिवाली और बलि प्रतिपदा के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी. नवंबर के महीने में 24 तारीख को श्री गुरु नानक देव गुरु परब की छुट्टी रहेगी. इसी तरह साल के आखिरी महीने दिसंबर में 25 तारीख को क्रिसमस की छुट्टी रहेगी.

उर्वरक कंपनियों को हरित अमोनिया की आपूर्ति में कम से कम 3 साल लगेंगे

नयी दिल्ली: भारतीय उर्वरक कंपनियों को इस सप्ताह हस्ताक्षरित महत्वपूर्ण अनुबंधों के तहत घरेलू हरित अमोनिया की आपूर्ति 2028 से पहले नहीं मिल पाएगी, क्योंकि उत्पादकों को पहले नए विनिर्माण संयंत्र बनाने होंगे. उद्योग जगत के अधिकारियों ने मंगलवार को यह बात कही.इफको, कोरोमंडल इंटरनेशनल, पारादीप फॉस्फेट्स (पीपीएल), ओस्तवाल और इंडोरामा इंडिया ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) के तहत पांच घरेलू उत्पादकों से सालाना 6.7 लाख टन हरित अमोनिया खरीदने के लिए 10 साल के समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर किए.

अधिकारियों ने हालांकि आगाह किया कि असल आपूर्ति में अभी कई साल लगेंगे.इफको के निदेशक बिरिंदर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' वे इसकी आपूर्ति तीन साल बाद करेंगे और उसके बाद 10 साल तक करते रहेंगे. इसलिए, मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में इससे कोई मदद नहीं मिलेगी.''इफको का समझौता दो लाख टन हरित अमोनिया खरीदने के लिए है जिसकी कीमत 49.75 रुपये प्रति किलोग्राम और 54.73 रुपये प्रति किलोग्राम तय की गई है.पीपीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एन. सुरेश कृष्णन ने भी यही बात दोहराई और कहा कि नए अमोनिया संयंत्र को चालू होने में आमतौर पर तीन साल लगते हैं.उन्होंने बताया कि पारादीप (ओडिशा) और गोवा के पास एक-एक संयंत्र लगाया जा रहा है जिससे पीपीएल के अनुबंध के तहत 1.25 लाख टन अमोनिया की आपूर्ति की जाएगी.पीपीएल ने 55.75 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 62.84 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत सीमा में हरित अमोनिया खरीदने का अनुबंध किया है.

भारत अभी अपनी मांग को पूरा करने के लिए खासकर उर्वरकों के मामले में आयात पर निर्भर है.केवल इफको ही सालाना करीब आठ लाख टन 'ग्रे' अमोनिया आयात करता है जिससे उर्वरक विनिर्माता वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव एवं आपूर्ति में रुकावटों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं. ये रुकावटें पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण और भी बढ़ गई हैं.'ग्रे' अमोनिया वह अमोनिया है जिसे जीवाश्म ईंधन से उत्पादित किया जाता है और इस प्रक्रिया में भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है.कृष्णन ने कहा कि हरित अमोनिया की कीमत (प्राइस प्रीमियम) पारंपरिक 'ग्रे' अमोनिया के मुकाबले अभी करीब 200 डॉलर प्रति टन अधिक है लेकिन उम्मीद है कि जब तक आपूर्ति शुरू होगी, तब तक यह अंतर काफी कम हो जाएगा.उन्होंने कहा, '' हम सभी का मानना है कि जब तक इसकी आपूर्ति शुरू होगी, तब तक कीमतों का यह अंतर काफी हद तक कम हो चुका होगा.''

अधिकारियों ने बताया कि उर्वरक विभाग ने कंपनियों को हरित और 'ग्रे' अमोनिया के बीच कीमत के किसी भी अंतर की भरपाई करने पर सहमति जताई है. इस प्रावधान को आपूर्ति समझौतों में शामिल किया गया है.सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) ने इन अनुबंधों के लिए नोडल एजेंसी के तौर पर काम किया जो पूरे देश में उर्वरक इकाइयों को आपूर्ति से जोड़ती है.

हरित अमोनिया जीवाश्म ईंधन के बजाय नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाले 'इलेक्ट्रोलिसिस' के जरिये बनाया जाता है औा उर्वरक उत्पादन के लिए एक शून्य-कार्बन विकल्प प्रदान करता है. यह पारंपरिक 'ग्रे' अमोनिया की जगह लेकर सीधे तौर पर नाइट्रोजन उर्वरक विनिर्माण को कार्बन मुक्त बनाएगा.

लखनऊ सुपर जाइंट्स का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से, पंत पर रहेगा दबाव

लखनऊ: लखनऊ सुपर जाइंट्स बुधवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी तो कप्तान ऋषभ पंत पर प्रदर्शन में सुधार का काफी दबाव रहेगा. पिछले साल लखनऊ टीम के साथ बतौर कप्तान और स्टार बल्लेबाज अपने पहले साल में पंत अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके थे. प्रमुख खिलाड़ियों खासकर तेज गेंदबाजों की चोटों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी थी. इस साल उनके पास पूरी तरह से फिट टीम है और मोहम्मद शमी तथा एनरिच नॉर्किया जैसे अनुभवी गेंदबाजों के आने से आक्रमण मजबूत हुआ है. अक्सर चोटिल रहने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पिछले एक साल में अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है और लखनऊ को उम्मीद होगी कि वह उस भरोसे पर खरे उतरें जो टीम ने उन पर किया है. तेज गेंदबाज मोहसिन खान भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं जबकि प्रिंस यादव ने भी अपनी मध्यम तेज गेंदबाजी से प्रभावित किया है. स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी ने पहले साल में ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी थी और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे. गेंदबाजी की तुलना में लखनऊ की बल्लेबाजी बेहतर लग रही है.

मैच का समय : शाम 7.30 से

मिचेल मार्श और एडेन मार्करम आईपीएल की सबसे खतरनाक सलामी जोड़ियों में से है. पिछले सत्र में चौथे नंबर पर कोई कमाल नहीं कर सके पंत ने तीसरे नंबर पर शतक जमाया था. वह तीसरे नंबर पर ही उतरेंगे जबकि निकोलस पूरन चौथे नंबर पर खेलेंगे. दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सत्र में सात सलामी जोड़ियों को आजमाया लेकिन बात नहीं बनी. इस सत्र में उन्हें शीर्षक्रम में स्थिरता की उम्मीद होगी. केएल राहुल पारी का आगाज करेंगे लेकिन उनके साथ पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल या पाथुम निसांका में से कौन होगा, अभी तय नहीं है. मध्यक्रम को मजबूती देने के लिये डेविड मिलर को लाया गया है जबकि दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स भी टीम में हैं. चोट के कारण मिचेल स्टार्क पहला मैच नहीं खेल सकेंगे लेकिन दिल्ली का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है. कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे दो मैच विनर उसके पास है. उनके साथ लुंगी एंगिडि भी हैं जो टी20 विश्व कप में जबर्दस्त फॉर्म में थे.

टीमें : (लखनऊ सुपर जाइंट्स) : ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी.

(दिल्ली कैपिटल्स) : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडि, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख.

गांगुली ने किया बीसीसीआई का समर्थन, पारंपरिक केंद्रों ही नहीं हर जगह खेले जायें टेस्ट

कोलकाता: भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों लेकिन उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर खेले जा रहे हैं. बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है. ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जायेंगे. गांगुली ने स्पोटर्सस्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा, ''ईडन गार्डंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है. कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हो लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी की थी. इसके बाद टी20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं.'' उन्होंने कहा, ''हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों

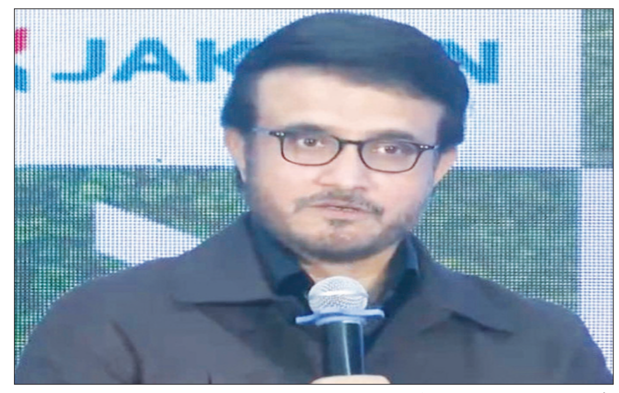

पर भी मैच होने चाहिये.'' गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं. वहीं अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था. वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था. बीसीसीआई के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता (तीन जनवरी, 2027) और मुंबई (नौ जनवरी, 2027) में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे होंगे जबकि दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ वनडे खेला जायेगा. पहली बार इस मसले पर बोलते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है. चेन्नई, गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है. वहां सुविधायें काफी अच्छी है.'' वहीं भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा, ''हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई, दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे. उसका अपना आकर्षण था और मुझे लगता है कि फिर ऐसा ही होना चाहिये.'' गांगुली ने इस मौके पर यह भी कहा कि ईडन गार्डंस पर 2001 की टीम के मिलने की योजना बनाई जा रही है. उन्होंने कहा, ''हम ईडन पर यह समारोह करेंगे. इस महीने की शुरूआत में होना था लेकिन सचिन तेंदुलकर के बेटे की शादी के कारण देर हो गई.''

न्यूज कॉर्नर

अभय और अनाहत ने एशियाई स्क्वाश 2025 के पुरस्कार जीते

नयी दिल्ली: भारत के अभय सिंह को एशियाई स्क्वाश महासंघ (एएसएफ) ने 2025 का 'उत्कृष्ट पुरुष खिलाड़ी' घोषित किया जबकि उभरती हुई युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह को लड़कियों के वर्ग (जूनियर) में शीर्ष सम्मान के लिए चुना गया. एएसएफ द्वारा जारी विजेताओं की सूची के अनुसार भारतीय लड़कों की टीम को 'पुरुष टीम पुरस्कार' के लिए चुना गया है जिसने मिस्र में आयोजित 2025 विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था. अभय वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज हैं. वह कई बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुके हैं और एशियाई चैंपियनशिप के विजेता भी हैं. वह उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पिछले साल भारत को पहला 'विश्व कप मिश्रित टीम' खिताब दिलाया था. विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत भी कई बार एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं. 2025 में उन्होंने काहिरा में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और वह भारत की स्वर्ण पदक विजेता विश्व कप मिश्रित टीम का भी हिस्सा रही थीं. इससे पहले भारतीय खिलाड़ी 2022 में एएसएफ की वार्षिक पुरस्कार सूची में शामिल हुए थे जब सौरव घोषाल और जोशना चिनप्पा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था.

टेबल टेनिस वर्ल्ड कप में मनिका ने नॉकआउट की उम्मीदें जिंदा रखीं, श्रीजा को पहले मुकाबले में मिली हार

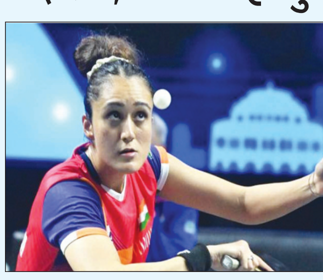

मकाऊ (चीन): आईटीटीएफ टेबल टेनिस वर्ल्ड कप में भारत की मनिका बत्रा ने शानदार वापसी करते हुए नॉकआउट में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है, जबकि श्रीजा अकुला को अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. तीन बार की ओलंपियन मनिका बत्रा ने अमेरिका की लिली झांग को कड़े मुकाबले में 3-2 (11-7, 11-2, 14-16, 5-11, 11-6) से हराया. यह मुकाबला 43 मिनट तक चला. इससे पहले मनिका को अपने पहले मैच में जापान की मिवा हारिमोटो के खिलाफ 0-3 से हार झेलनी पड़ी थी. वहीं, विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज श्रीजा अकुला को अपने पहले मुकाबले में पुर्तगाल की फू यू के हाथों 1-3 (11-8, 9-11, 13-15, 8-11) से हार का सामना करना पड़ा. अब श्रीजा का अगला मुकाबला चीन की विश्व नंबर-2 वांग मान्यु से होगा. पुरुष वर्ग में भारत के एकमात्र खिलाड़ी मानव ठक्कर को अपने पहले मैच में कोरिया के पार्क गांगह्योन के खिलाफ 0-3 से हार मिली थी. अब उन्हें स्वीडन के ओलंपिक रजत पदक विजेता ट्रुल्स मोरेगार्ड के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला खेलना होगा. गौरतलब है कि पुरुष और महिला एकल के 16 समूहों में केवल ग्रुप टॉपर ही राउंड ऑफ 16 में जगह बनाएंगे, जिससे हर मुकाबला बेहद अहम हो गया है.

गेंद से छेड़खानी के कारण फखर दो पीएसएल मैचों से निलंबित

लाहौर: पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां पर मंगलवार को गेंद से छेड़खानी के मामले में पाकिस्तान सुपर लीग के दो मैचों से निलंबित कर दिया गया. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि मैच रैफरी ने फखर को लेवल तीन के अपराध का दोषी पाया जो पीएसएल में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये आचार संहिता की धारा 2.14 के उल्लंघन को लेकर है. यह घटना कराची किंग्स की पारी के आखिरी ओवर से पहले की है जब उन्हें जीत के लिये 14 रन की जरूरत थी. फखर को हारिस रऊफ और लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी से बात करते देखा गया. इसके बाद अंपायर फैसल अफरीदी ने गेंद मांगी और उसे देखने के बाद पाया कि इससे छेड़छाड़ की गई है. मैदानी अंपायर शाहीद सैकत और फैसल खान आफरीदी, टीवी अंपायर आसिफ याकूब और चौथे अंपायर तारिक रशीद ने आरोप लगाये. फखर ने इससे इनकार किया और अनुशासनात्मक सुनवाई की गई. सारे सबूतों और फखर की दलील सुनने के बाद यह सजा तय की गई. इस सुनवाई के दौरान लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, टीम निदेशक समीन राणा और टीम मैनेजर फारूक अनवर भी मौजूद थे. इस बीच लाहौर कलंदर्स प्रबंधन ने लाहौर में टीम होटल में पीएसएल का सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने के लिये कप्तान शाहीन शाह पर दस लाख रूपये का जुर्माना लगाया है.

कनाडा सुपर 60 का दूसरा सत्र 29 सितंबर से शुरू होगा

मुंबई: कनाडा सुपर 60 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा सत्र इस साल के आखिर में आयोजित किया जाएगा जिसमें पिछले सत्र की पुरुष वर्ग की विजेता ब्रैम्पटन ब्लिट्ज अपना खिताब बरकरार रखने की कोशिश करेगी जबकि टोरंटो सिक्सर्स महिलाओं के वर्ग में अपने मजबूत प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए प्रयासरत होगी. यह लीग 29 सितंबर से चार अक्टूबर तक वैंकुवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में होगी . लीग के साझेदार और भारत के मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा कि क्रिकेट की दुनिया इस टूर्नामेंट की ओर बड़े उत्साह के साथ ध्यान दे रही है. उन्होंने कहा, ''पिछले साल के पहले सत्र की सफलता के बाद मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कनाडा सुपर 60 अपने दूसरे सत्र के लिए वापसी कर रहा है. प्रशंसकों, खिलाड़ियों और दुनिया भर के क्रिकेट समुदाय से मिली प्रतिक्रिया बहुत ही उत्साहजनक थी. यह स्पष्ट था कि दुनिया ने इस टूर्नामेंट पर ध्यान दिया है.'' कनाडा की राष्ट्रीय टीम के कई खिलाड़ी हाल में टी20 विश्व कप में खेले थे जिसका आयोजन भारत और श्रीलंका में किया गया था.

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत का सामना सैफ अंडर-20 सेमीफाइनल में भूटान से

माले, मालदीव: डिफेंडिंग चैंपियन भारत एसएएफएफ अंडर-20 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में भूटान का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है. यह मुकाबला 1 अप्रैल को माले के नेशनल स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 21:00 बजे खेला जाएगाश्र दूसरा सेमीफाइनल नेपाल और बांग्लादेश के बीच भारतीय समयानुसार 16:15 पर शुरू होगा. भारत की अंडर-20 पुरुष टीम ग्रुप चरण के बाद मिले तीन दिन के ब्रेक का पूरा फायदा उठाते हुए सेमीफाइनल में उतर रही है. ब्लू कोल्ट्स ने इस दौरान शारीरिक रूप से रिकवरी और मानसिक रूप से खुद को रीसेट किया. खिलाड़ियों ने बीच पर समय बिताकर खुद को तरोताजा किया और टीम बॉन्डिंग को मजबूत किया. इसका सकारात्मक असर ट्रेनिंग में भी दिखा, जहां टीम ने नई ऊर्जा और फोकस के साथ तैयारी की. भारत ने ग्रुप बी में पाकिस्तान (3-0) और बांग्लादेश (1-1) के खिलाफ संतुलित प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बनाई. टीम ने दबाव के क्षणों

में संयम और धैर्य का अच्छा प्रदर्शन किया. मुख्य कोच महेश गवाली ने खिलाड़ियों की अब तक की मेहनत और मानसिकता की सराहना की. गवाली ने कहा, लड़के अच्छा खेल रहे हैं और दबाव को अच्छी तरह संभाल रहे हैं. हमें टूर्नामेंट से पहले ज्यादा तैयारी का समय नहीं मिला, लेकिन खिलाड़ी अपना 100 प्रतिशत दे रहे हैं. अब तक के प्रदर्शन से मैं खुश और गर्व महसूस कर रहा हूं. हालांकि ग्रुप चरण के नतीजे सकारात्मक रहे, लेकिन भारतीय टीम जानती है कि सेमीफाइनल में उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करना होगा. टीम ने मौके बनाए हैं, लेकिन उन्हें गोल में बदलने की जरूरत है. साथ ही, नॉकआउट मुकाबले में रक्षात्मक एकाग्रता बनाए रखना भी अहम होगा. गवाली ने कहा, कुछ भी आसान नहीं होता. हमने मौके बनाए, लेकिन हमें उन्हें बेहतर तरीके से भुनाना होगा. डिफेंस में भी हमें ज्यादा फोकस्ड रहना होगा. भूटान की टीम ग्रुप ए में संघर्ष के बाद सेमीफाइनल तक पहुंची है. उन्होंने नेपाल के खिलाफ हार से शुरुआत की, लेकिन मालदीव के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला. इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ इंजरी टाइम में गोल कर 1-0 से जीत दर्ज करते हुए उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बनाई. यह जीत उनकी जुझारू मानसिकता को दर्शाती है. भारत इस मुकाबले में सतर्क रवैये के साथ उतरेगा. भूटान की अनुशासित खेल शैली और अहम मौकों पर गोल करने की क्षमता उन्हें खतरनाक प्रतिद्वंद्वी बनाती है. पूरे 90 मिनट तक एकाग्रता बनाए रखना ब्लू कोल्ट्स के लिए बेहद जरूरी होगा. हमले में भी दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है. भारत के विशाल यादव और ओमांग डोडुम ने टूर्नामेंट में दो-दो गोल किए हैं, जबकि भूटान के धेंदुप ग्येल्त्शेन भी दो गोल कर चुके हैं. इन फॉरवर्ड्स का प्रदर्शन मैच के नतीजे को प्रभावित कर सकता है. इस मुकाबले में अतिरिक्त समय नहीं होगा और निर्धारित समय के बाद स्कोर बराबर रहने पर सीधा पेनल्टी शूटआउट होगा. ऐसे में संयम और सही निर्णय लेना बेहद महत्वपूर्ण होगा. भारत ग्रुप चरण के सकारात्मक पहलुओं को आगे बढ़ाते हुए अनुशासित प्रदर्शन करना चाहेगा और फाइनल में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा.

आरसीबी में आया है ठहराव, खिलाड़ियों को अपनी भूमिका पता है : कृणाल

बेंगलुरू: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के कृणाल पंड्या का कहना है कि टीम में पिछले साल की तुलना में ठहराव आया है और खिलाड़ियों को इस सत्र में अपनी भूमिकाओं के बारे में बखूबी पता है. आरसीबी ने 2025 में 18 साल में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीता था और पंजाब किंग्स के खिलाफ फाइनल में कृणाल प्लेयर आफ द मैच थे जिन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लिये थे.

आरसीबी ने मैच छह रन से जीता था. कृणाल ने टीम द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, ''मेरा मानना है कि इस साल अधिक ठहराव आया है. पिछले साल यह नयी टीम थी और सभी एक दूसरे को समझ रहे थे. इस साल खिलाड़ियों को अपनी भूमिका, एक दूसरे की ताकत और कमजोरी बखूबी पता है.'' उन्होंने कहा, ''जब मैं बड़े मौकों पर खेलता हूं तो मुझे लगता है कि अगर भगवान आपको यहां तक लाये हैं तो कोई कारण होगा और मुझे लगता है कि ये बड़े मौके मेरे लिये ही बने हैं. मुझे दबाव महसूस होता है लेकिन मैं सोचता हूं कि कैसे शांतचित्त रहूं और जरूरत के मुताबिक खेलूं.'' उन्होंने विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा, ''विराट अच्छा उदाहरण हैं. आप उसकी जीत की भूख और जुनून देख सकते हैं. विराट कोहली किसी भी पीढी में पैदा होते, वह महानतम खिलाड़ियों में ही होती. उनका किसी और से मुकाबला ही नहीं है.''

सरगुजा में कुश्ती का दमदार समापन, हिमाचल और असम बने चैंपियन

अंबिकापुर: छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में पिछले चार दिनों से चल रही कुश्ती स्पर्धा का मंगलवार को शानदार समापन हो गया. देशभर से पहुंचे खिलाड़ियों के बीच जोरदार मुकाबले देखने को मिले, जहां प्रतिभागियों ने अपनी तकनीक, ताकत और रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों पर कब्जा जमाया. समापन अवसर पर घोषित टीम चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग में हिमाचल प्रदेश ओवरऑल चैंपियन रहा, जबकि जम्मू-कश्मीर ने फर्स्ट रनरअप और महाराष्ट्र व झारखंड ने संयुक्त रूप से सेकंड रनरअप का स्थान हासिल किया. वहीं महिला वर्ग में असम ने ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि झारखंड फर्स्ट रनरअप और कर्नाटक व तेलंगाना सेकंड रनरअप रहे. अंतिम दिन खेले गए मुकाबलों में महिला सीनियर 57 किलोग्राम वर्ग में तेलंगाना की नागलक्ष्मी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कर्नाटक की शालिनी सिद्धि को रजत और अमूल्या भीमसेन कुन्दरगी को कांस्य पदक मिला. महिला सीनियर 68 किलोग्राम वर्ग में कर्नाटक की प्रिंसिता पेड्रू फर्नांडिस सिद्दी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि मिजोरम की एलिजाबेथ रोहलुपुल्ल को रजत और गुजरात की चावड़ा लीलाबेन मैयाभाई तथा राजस्थान की बालकेश कुमारी मीना को कांस्य पदक मिला. पुरुष वर्ग के मुकाबलों में फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम में ओडिशा के अजीत भुयां ने स्वर्ण, महाराष्ट्र के पारस सुभाष बिडकर ने रजत और महाराष्ट्र के विक्की रामचंद्र उइके व हिमाचल प्रदेश के अब्दुल खान ने कांस्य पदक हासिल किया. ग्रीको रोमन 77 किलोग्राम वर्ग में झारखंड के अभिषेक मुंडा ने स्वर्ण, हिमाचल प्रदेश के अर्फन ने रजत और तेलंगाना के जादव चरण व जम्मू-कश्मीर के इंजमाम ने कांस्य पदक जीता. इसी तरह पुरुष फ्रीस्टाइल 86 किलोग्राम में हिमाचल प्रदेश के सुमित ठाकुर ने स्वर्ण, जम्मू-कश्मीर के बहादुर खान ने रजत और हिमाचल प्रदेश के शब्बीर खान ने कांस्य पदक अपने नाम किया. ग्रीको रोमन 130 किलोग्राम वर्ग में मध्यप्रदेश के शिवा भलावी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के दिलेर खान को रजत और तेलंगाना के कर्रा राजू को कांस्य पदक मिला.

केआईटीजी : झारखंड के शिव कुमार और पृथ्वी उरांव को 100 मीटर में स्वर्ण पदक

छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण, डिस्कस थ्रो में रजत जीता

रायपुर: झारखंड के शिव कुमार सोरेन और पृथ्वी उरांव ने मंगलवार को जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर मैदान में आयोजित किए जा रहे पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक बनने का गौरव हासिल किया. वहीं, मेजबान छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीता, जबकि तिलक बारसेट ने पुरुष 100 मीटर में रजत पदक अपने नाम किया. शिव कुमार और पृथ्वी ने अपनी-अपनी 100 मीटर दौड़ की शुरुआत से अंत तक बढ़त बनाए रखते हुए अपने राज्य के लिए स्वर्ण पदक जीते. शिव कुमार ने 10.58 सेकंड का समय लिया, जबकि बारसेट ने 10.87 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया. ओडिशा के अतिश किंडो (10.91 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता. महिला 100 मीटर फाइनल में 16 वर्षीय पृथ्वी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12.73 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता. नागालैंड की रुडुओल्हौनुओ बेल्हो (12.90 सेकंड) और झारखंड की पुतुल बक्शी (13.03 सेकंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए. पृथ्वी ने दौड़ के बाद कहा, मैं पदक जीतने को लेकर आश्वस्त थी क्योंकि मैंने चयन ट्रायल्स में अच्छा प्रदर्शन किया था. आज मैंने

अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दिया और खुशी है कि मैंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय बनाया. मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए सिद्धार्थ नागेश ने दिन की शुरुआत पुरुष डिस्कस थ्रो में 35.56 मीटर के साथ रजत पदक जीतकर की. गुजरात के दानिश मकवाना (44.83 मीटर) ने स्वर्ण, जबकि ओडिशा के चंद्राय मुर्मू (33.97 मीटर) ने कांस्य पदक जीता. शाम के सत्र में सिद्धार्थ ने एक कदम आगे बढ़ते हुए 13.52 मीटर के थ्रो के साथ शॉट पुट में स्वर्ण पदक हासिल किया. दानिश मकवाना (13.04 मीटर) को रजत मिला. मेजबान छत्तीसगढ़ ने महिला फुटबॉल के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फाइनल में जगह बनाई. फाइनल में उसका सामना झारखंड से होगा जिसने गुजरात को 9-0 हराया. छत्तीसगढ़ अब पदक तालिका में 2 स्वर्ण, 7 रजत और 4 कांस्य के साथ 10वें स्थान पर है. कर्नाटक 19 स्वर्ण, 7 रजत और 7 कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि ओडिशा 13 स्वर्ण, 8 रजत और 15 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है. झारखंड ने महिला 4100 मीटर और पुरुष 77 किग्रा ग्रीको रोमन में स्वर्ण जोड़कर 7 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर छलांग लगाई. अंबिकापुर में अभिषेक मुंडा ने हिमाचल प्रदेश के अरफान को हराकर स्वर्ण जीता. पिछली शाम जगदलपुर में असामयिक बारिश के कारण एथलेटिक्स सत्र रद्द होने के बाद सुबह का सत्र बेहद व्यस्त रहा, जिसमें सात फाइनल हुए और लंबी कूद का फाइनल दर्शकों के लिए रोमांचक साबित हुआ. लक्षद्वीप के 26 वर्षीय अब्दुल फताह ने अंतिम प्रयास में 7.03 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और 7 मीटर पार करने वाले अपने क्षेत्र के पहले खिलाड़ी बने. ओडिशा के भीमा सरदार (6.96 मीटर) ने रजत और जीवन बिलुंग (6.95 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया. पुरुष 400 मीटर फाइनल में कांटे की टक्कर देखने को मिली, जहां ओडिशा के नोबल कुमार किसन की आखिरी क्षणों की डाइव भी उन्हें जीत नहीं दिला सकी. गुजरात के संतोषभाई गणवित ने 49.332 सेकंड में स्वर्ण जीता, जबकि नोबल 49.335 सेकंड के साथ रजत पर रहे. कर्नाटक के रामू (49.60 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता. गोवा की मानसी कुंकलका ने 9.72 मीटर के थ्रो के साथ महिला शॉट पुट में स्वर्ण जीतकर अपने राज्य का खाता खोला. बिहार की अनामिका गोंड (9.50 मीटर) और मेघालय की मेलिबाडक्रो (9.43 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते

किसी और को अपनी सीमायें तय मत करने दो : शीतल देवी

नयी दिल्ली: वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुनी गई दुनिया की नंबर एक शीतल देवी का मानना है कि यह सम्मान बरसों की कड़ी मेहनत, नाकामियों और चुपचाप किये गए बलिदानों को दर्शाता है और उनका फलसफा यही है कि किसी और को अपनी सीमायें तय करने नहीं दें. दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज शीतल को विश्व तीरंदाजी ने सोमवार को वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जो उनकी असाधारण उपलब्धियों में एक और इजाफा है. बैंकॉक में एक टूर्नामेंट में भाग ले रही शीतल ने भाषा से खास बातचीत में कहा, ''यह अद्भुत है. दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों में नामांकन मिलना ही खास था और यह पुरस्कार जीतना यादगार और बहुत खास है. यह हर घंटे की कड़ी मेहनत, हर नाकामी और चुपचाप किये गए बलिदानों को दर्शाता है.'' जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ की 19 वर्ष की पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने दक्षिण कोरिया में 2025 विश्व पैरा तीरंदाजी चैम्पियनशिप में गत चैम्पियन और तत्कालीन नंबर एक तीरंदाज तुर्की की ओजनुर क्यूरे को हराकर खिताब जीता था. वह विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली पहली भुजाहीन महिला तीरंदाज भी बनी. शीतल ने कहा, ''यह माता रानी का आशीर्वाद है और उनकी कृपा मुझ पर हमेशा रहती है . मैं अपने परिवार, कोच, टीम और मेरे साथ विकट परिस्थितियों में भी खड़े रहने वाले हर व्यक्ति को इसका श्रेय देती हूं.'' उदीयमान खिलाड़ियों को क्या सुझाव देंगी, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि सभी को संयम के साथ प्रक्रिया पर भरोसा करते हुए आगे बढना चाहिये. उन्होंने कहा,

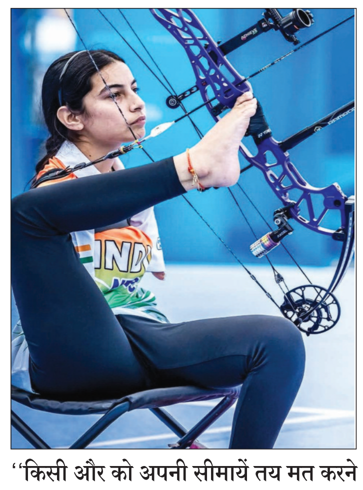

''किसी और को अपनी सीमायें तय मत करने दो. आपका सफर अपना है जिसमें संयम बनाये रखते हुए प्रक्रिया पर भरोसा रखो और हर दिन बेहतर करने की कोशिश करो. किसी में कोई कमी नहीं होती बस थोड़ी मेहनत की कमी होती है.'' अपने कैरियर की अब तक की सबसे बड़ी चुनौती के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि पिछले साल नयी तकनीक सीखना सबसे चुनौतीपूर्ण था. उन्होंने कहा, ''नयी तकनीक सीखना आसान नहीं था. उस समय नतीजे नहीं मिल रहे थे और लोग मेरी काबिलियत पर संदेह करने लगे थे.'' उन्होंने कहा, ''मैने समारोहों में जाना और इंटरव्यू देना बंद कर दिया जिससे सवाल और संदेह बढते गए. मैने अपना पूरा फोकस ट्रेनिंग पर लगा दिया. इससे मुझे दृढता मिली और आत्मविश्वास भी.'' एक दुर्लभ बीमारी के कारण भुजाओं के बिना जन्मी इस तीरंदाज की तकनीक अनूठी है जिसमें वह एक विशेष उपकरण 'रिलीजर' का इस्तेमाल करती है. वह अपने पैर के अंगूठे से तीर उठाती है और धनुष में लोड करती है. फिर रिलीजर का इस्तेमाल करके वह अपने शरीर को धनुष से जोड़ती है, फोकस करती है, निशाना लगाती है और फायर करती है. पिछले साल विश्व तीरंदाजी महासंघ ने नियमों में बदलाव किया. पहले वह धनुष को एड़ी से छूकर निशाना लगा सकती थी, लेकिन अब केवल पैर के अंगूठे और अगले हिस्से से ही निशाना लगाने की अनुमति है. उनके कोच गौरव शर्मा ने कहा, ''इसके मायने थे कि हमें नये सिरे से शुरूआत करनी पड़ी. इसमें काफी संयम और समय लगा. इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना था कि वह दबाव झेलने के लिये मानसिक रूप से मजबूत रहे.

न्यूज कॉर्नर

गुरुग्राम: कोचिंग के लिए नही हुआ पैसों का प्रबंध तो छात्र ने की आत्महत्या

गुरुग्रामः जिला के खंड फर्रुखनगर में स्कूल के स्टाफ क्वार्टर में दसवीं कक्षा के एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. उसने अपनी मां की चुन्नी का फंदा बनाया. मृतक छात्र की पहचान आकाश (15) के रूप में हुई है. आकाश का परिवार मूलरूप से बिहार के जिला छपरा का रहने वाला है.जानकारी के अनुसार छात्र आकाश का पिता एक निजी स्कूल में चपरासी की नौकरी करता है. उसे स्कूल में ही स्टाफ क्वार्टर मिला हुआ है. पूरा परिवार वहीं पर रहता है. आकाश पढ़ाई में अच्छा था. वह दिल्ली के जनकपुरी स्थित विद्यापीठ में अपनी पढ़ाई के लिए दाखिला लेना चाहता था. पांच हजार रुपये देकर उसका वहां पर पंजीकरण भी कराया गया था. बताया जा रहा है कि दाखिला लेने के लिए और पैसों की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी. आकाश भी इससे परेशान था. सोमवार की शाम को उसने अपनी मां की चुन्नी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली. जब शाम को उसकी मां काम से घर आई तो पता चला. मां ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे. स्कूल प्रबंधन की ओर से पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची एसएचओ संतोष ने पुलिस टीम के साथ मुआयना किया. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

वाहन की चपेट में आने पर वेयर हाऊस कर्मी की मौत

गुरुग्रामः बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव बोहड़ाकलां रोड पर तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से वेयर हाऊस कर्मी की मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. जांच अधिकारी एएसआई राजेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि चालक पर केस दर्ज कर लिया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.जानकारी के अनुसार बोहड़ाकलां गांव निवासी सुनील सैनी नूरपुर स्थित वेयर हाऊस में नौकरी करता था. सुनील 29 मार्च को नूरपुर वेयर हाऊस से ड्यूटी खत्म करके पैदल ही अपने गांव बोहड़ाकलां की ओर आ रहा था. भारत पेट्रोल पंप के निकट तेज रफ्तार वाहन ने उसको टक्कर मार दी. हादसे में सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे उपचार के लिए रेवाड़ी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया. जहां से परिवार वाले उसे जयपुर स्थित एनआईएमएस मेडिकल कालेज में ले गए. उपचार के दौरान सुनील की मौत हो गई. जांच अधिकारी एएसआई राजेश कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है. सुनील को टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं. वाहन की पहचान होने पर चालक को गिरफ्तार करके आगामी कार्रवाई की जाएगी

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार कंपनी कर्मी की मौत

गुरुग्रामः खेडक़ीदौला क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार कंपनी के कर्मचारी की मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. बाइक चालक पर केस दर्ज कर लिया. पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि मामले की जांच की जा रही है. जानकारी के अनुसार बिहार के अरवल निवासी अजय कुमार यहां एक कंपनी में काम करता था. वह बसई गांव में रह रहा था. अजय के चाचा लालबाबू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 मार्च को अजय कुमार मानेसर से अपनी ड्यूटी पूरी कर साइकिल से घर लौट रहा था. सरदारजी होटल के सामने एक बाइक ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में अजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे पहले सिल्वर स्ट्रीक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसको दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया. इलाज के दौरान रात को अजय कुमार की मौत हो गई. पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है.

तलवारों से हमला कर युवक की हत्या, शादी से लौटते समय घेरकर किया वार

उदयपुरः जिले के पहाड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात में छह से अधिक बदमाशों ने तलवारों से ताबड़तोड़ हमला कर एक युवक की हत्या कर दी. युवक अपने चचेरे भाई की शादी के कार्यक्रम से घर लौट रहा था, तभी रास्ते में उसे घेरकर इस वारदात को अंजाम दिया गया.घटना खेड़ाघाटी, बलीचा क्षेत्र की है, जहां रात करीब दो बजे हमलावरों ने 35 वर्षीय नीलेश गरासिया पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया. हमले में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई.नीलेश अपने चचेरे भाई नरेश गरासिया के साथ शादी समारोह में शामिल होकर स्कूटी से घर लौट रहा था. तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उनकी स्कूटी रुकवाई और अचानक तलवारों से हमला शुरू कर दिया.हमलावरों ने पहले नीलेश के हाथ पर वार किया, इसके बाद गर्दन और कमर पर लगातार प्रहार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा और मौके पर ही दम तोड़ दिया. इस दौरान साथ मौजूद नरेश किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा.प्रत्यक्षदर्शी नरेश ने बताया कि हमलावरों में अनिल, विपिन, जयदीप, बद्री, हितेश सहित अन्य लोग शामिल थे. इनमें से कई आरोपी पहले शादी समारोह में भी मौजूद थे और बाहर निकलने का इंतजार कर रहे थे. जैसे ही वे समारोह से निकले, बदमाश पीछे लग गए और सुनसान जगह पर हमला कर दिया.प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक और आरोपियों के बीच पुरानी रंजिश थी, जिसके चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया. हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया.परिजन और ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं. स्थिति को देखते हुए पाटिया, पहाड़ा और खेरवाड़ा थानों का पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात किया गया है..

नंद नगरी में साले ने जीजा को चाकू से गोदा, मौत

नई दिल्लीः पूर्वी जिले के नंद नगरी के ताहिरपुर स्थित लेप्रोसी कॉलोनी (कोढ़ी कॉलोनी) में पति-पत्नी के बीच किसी बात पर झगड़ा हो रहा था. इस बीच खबर मिलने के बाद पत्नी का भाई अपने दोस्तों के साथ वहां पहुंचा. आरोपित ने अपने जीजा पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. बाद में वह फरार हो गया. गंभीर हालत में पीड़ित नीरज कुमार (30) को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान नीरज की मौत हो गई. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपित साले रमेश (20) को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपित की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है. पुलिस इसके बाकी दोस्तों की तलाश कर रही है.पुलिस ने नीरज की पत्नी तारा के बयान भी दर्ज किए हैं. तारा का कहना है कि उसने अपने भाई को रोकने का खूब प्रयास किया था, लेकिन वह नहीं माना. पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद नीरज का शव परिवार के हवाले कर दिया. उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि नीरज अपने परिवार के साथ ताहिरपुर इलाके में रहता था. इसके परिवार में पिता विष्णु दयाल, छोटा भाई मोहित के अलावा पत्नी तारा, 9 और 5 वर्ष व तीन माह की बेटियां हैं. नीरज टेंट का काम करता था. 11 साल पहले उसकी लेप्रोसी कॉलोनी निवासी तारा से शादी हुई थी. रविवार देर रात को नीरज और तारा के बीच किसी बात पर झगड़ा हो रहा था. इस बीच नीरज के साले को झगड़े का पता चल गया. वहां अपने दोस्तों के साथ पहुंचा और वारदात को अंजाम दिया. नीरज को बेहद गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान सोमवार को नीरज की मौत हो गई.

काली नृत्य के दौरान युवक की मौत, परिजनों ने बताया 'देवी की महिमा', नहीं कराया पोस्टमार्टम

उमरियाः मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पठारी में जावरा विसर्जन के दौरान काली नृत्य कर रहे एक युवक की अचानक मौत हो गई. घटना का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.जानकारी के अनुसार, 29 मार्च को गांव में जावरा विसर्जन का पारंपरिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था. हर वर्ष की तरह इस बार भी कुछ युवक माता काली का स्वरूप धारण कर नृत्य कर रहे थे. जुलूस जब गांव के मुख्य चौराहे पर पहुंचा और काली नृत्य शुरू हुआ, उसी दौरान 38 वर्षीय राम गरीब कोल पुत्र प्रेम लाल कोल अचानक नृत्य करते-करते लड़खड़ा गए.प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक ने खुद को संभालने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही क्षणों में वह जमीन पर गिर पड़ा. आसपास मौजूद लोगों ने उसे संभालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.नौरोजाबाद थाना प्रभारी बालेन्द्र शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिली थी, लेकिन मृतक के परिजनों ने किसी भी प्रकार की पुलिस कार्रवाई या पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया. इस कारण थाने में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है.ग्रामीणों के अनुसार, परिजनों का मानना है कि युवक पर माता काली की कृपा (देवी का वशीकरण) हुआ था और वह इसे सहन नहीं कर सका, जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गई,

कूड़ेदान में जाती थीं कांग्रेस की घोषणाएं, भाजपा निभा रही हर वादा : नायब सैनी

चंडीगढ़ः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में की गई घोषणाएं 'कुड़ेदान' में चली जाती थी, लेकिन इसके विपरीत, वर्ष 2014 से अब तक भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार ने हर संकल्प को पूरा करने की दिशा में ठोस कार्य किए है. वर्तमान सरकार घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करने का काम कर रही है.सैनी मंगलवार को भिवानी के तोशाम में आयोजित उन्नत सिंचाई उत्सव 2026 को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम में पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसीलाल और स्व. चौधरी सुरेंद्र सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. इस दौरान मुख्यमंत्री ने ड्रिप इरिगेशन पर सिंचाई विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गांव सांगवान निवासी पर्वतारोही प्रवीण को सम्मानित भी किया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि तोशाम की यह धरती परिश्रम, त्याग और खेती-किसानी की समृद्ध परंपरा की साक्षी रही है.

उन्होंने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसी लाल और स्व. चौधरी सुरेंद्र सिंह को याद करते हुए हरियाणा के लिए किये गये कार्यों का जिक्र किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हरियाणा के बनने के समय ही विकास की नई इबारत लिखी थी. वे तोशाम-लोहारू के बालू रेत के टीलों पर लहलहाती फसल देखना चाहते थे.सैनी ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे करते भी हैं. इसका प्रमाण यह है कि हमने पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 60 वादों को डेढ़ साल में ही पूरा कर दिखाया है. यही नहीं, 157 वादों पर काम प्रगति पर है. उन्होंने कहा कि प्रदेश की नॉनस्टॉप डबल इंजन सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को जमीन पर उतारकर दिखाया है. मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि तोशाम हलके के विकास को गति देने के लिए वर्तमान सरकार के साढ़े 11 वर्षों के कार्यकाल में 283 मुख्यमंत्री घोषणा हुईं. इनमें से 258 का काम पूरा हो चुका है तथा शेष पर काम चल रहा है.

उन्होंने कहा कि आज अगर हरियाणा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, तो इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी मार्गदर्शन है. 'विकसित भारत 2047' का जो संकल्प प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के सामने रखा है, वह केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है. यह ऐसा संकल्प है, जिसमें देश का हर नागरिक भागीदार है. हम सब मिलकर 'विकसित हरियाणा' के माध्यम से 'विकसित भारत' के सपने को साकार करेंगे.

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तेल-गैस की उपलब्धता पर कहा कि हरियाणा में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है. प्रदेश के 4,032 पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है.

असम में अब विकास और आधारभूत संरचना की होती है बात : राजनाथ सिंह

गोलाघाट (असम)ः असम विधान सभा चुनाव 2026 के मद्देनजर मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनवी सभाओं में हिस्सा लेते हुए भाजपा सरकार के पूर्वोत्तर के विकास के लिए उठाए गये कदमों को गिनाया. उन्होंने कहा कि अब असम में विकास और आधारभूत संरचना की बात होती है.रक्षा मंत्री सिंह आज शोणितपुर जिले के तेजपुर और गोलाघाट जिला के देरगांव विधान सभा क्षेत्रों में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने देरदाव में चुनावी सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि कांग्रेस के कुशासन में असम की पहचान अशांति और इन्सर्जेंसी के साथ जुड़ी थी. कांग्रेस ने असम समेत पूर्वोत्तर की अनदेखी की लेकिन अब असम में आधारभूत संरचना की बात होती है.उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर अपराध, अलगाववाद, नक्सलवाद और उग्रवाद से निकलकर प्रगति, विकास और समृद्धि की राह पर बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में दशकों तक भ्रष्टाचार चरम पर था, लेकिन आज सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के तहत असम के लोगों को सुरक्षा, सम्मान और गरिमा वापस मिली है. कांग्रेस असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाकर वोट बैंक मजबूत करना चाहती है.उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के द्वारा राज्य में चलाए गये विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगली सरकार में इसे और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा. इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे.

विधायकों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता: उपमुख्यमंत्री

जम्मूः उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि विधायकों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता है और उन्होंने जम्मू-कश्मीर में हाल के सुरक्षा वापसी के फैसलों की तत्काल समीक्षा करने का आह्वान किया.जम्मू में पत्रकारों से बात करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों और मुख्यधारा के राजनीतिक नेताओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए खतरे की धारणा ही एकमात्र आधार बनी रहनी चाहिए. उन्होंने कहा कि जमीनी आकलन के बजाय विवेक से लिया गया कोई भी निर्णय जीवन को खतरे में डाल सकता है. उन्होंने उपराज्यपाल से सुरक्षा वापसी की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करने का आग्रह किया खासकर राजनीतिक हस्तियों पर पिछले आतंकवादी हमलों के मद्देनजर उन्होंने कहा कि पहले भी कई विधायकों को निशाना बनाया गया है और ऐसी घटनाएं सतर्क दृष्टिकोण की मांग करती हैं.

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह से सामान्य नहीं बताया जा सकता है. उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में एकरूपता का भी आह्वान किया और कहा कि सभी विधायकों को बिना किसी आंशिक उपचार के खतरे के मूल्यांकन स्तर के अनुसार सख्ती से सुरक्षा मिलनी चाहिए. मुख्यधारा की राजनीति में बिना किसी परिभाषित भूमिका वाले व्यक्तियों को सुरक्षा कवर दिए जाने पर चिंता जताते हुए उपमुख्यमंत्री ने ऐसे आवंटन के मानदंडों पर सवाल उठाया और पारदर्शिता और तर्कसंगतता का आह्वान किया. सदन में तीखी नोकझोंक के दौरान विधायक सज्जाद गनी लोन द्वारा की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि लोन ने आतंकवाद का शिकार होने के बावजूद इस मुद्दे को हल्के में लिया और इसका राजनीतिकरण करने का प्रयास किया.

ट्रंप का कोई सच्चा दोस्त नहीं: संजय राऊत

मुंबईः ईरान- अमेरिका तनाव के बारे में शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय राजनीति की कड़ी आलोचना की है. राऊत ने कहा कि ट्रंप का कोई सच्चा दोस्त नहीं है और वह अपने आस-पास गुलाम सोच वाले लोगों को रखते हैं. अमेरिका में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे हैं. लोकतंत्र की रक्षा के लिए लोगों को सड़कों पर उतरना होगा.राऊत ने मंगलवार को प्रेस वार्ता को संभोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने धर्मवाद में झोंक दिया है. इसलिए लोग अन्याय के खिलाफ खड़े नहीं होते हैं. देश में मनमानी और भीड़ का राज चल रहा है. लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है. भारत में पहले भी लोग सड़कों पर उतरे हैं और बड़े आंदोलन किए हैं. राऊत ने कहा कि किया. जनता ने आजादी की लड़ाई, संयुक्त महाराष्ट्र और इमरजेंसी के खिलाफ संघर्ष किया. सरकार ने पिछले दस वर्षो में लोगों को निष्क्रिय करने का काम किया है. लोगों को अब जग जाना चाहिए.

राजस्थान हाईकोर्ट : बिना कब्जे के वक्फ संपत्ति का दावा खारिज, स्टे रद्द

जोधपुरः जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) और नगर निगम जोधपुर को बड़ी राहत देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने एक विवादित गार्डन पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश को रद्द कर दिया है. जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की एकल पीठ ने जेडीए की अपील पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि जब संपत्ति पर कब्जा ही साबित नहीं है, तो अस्थाई रोक नहीं दी जा सकती.यह विवाद जोधपुर के एक बगीचे से जुड़ा है. शांतिप्रिय नगर के रहने वाले और मजलिस हमदर्दने कौम मेड़ती सिलावटान (जोधपुर) के सदर सलीम चौहान ने राजस्थान वक्फ बोर्ड, जयपुर के समक्ष एक अस्थाई रोक की अर्जी दायर की थी. इस मामले में राजस्थान मुस्लिम वक्फ बोर्ड भी एक पक्षकार है. वादी का दावा था कि 22 अक्टूबर 1966 के विनिमय पत्र और वक्फ रजिस्टर की प्रविष्टि के आधार पर यह बगीचा वक्फ संपत्ति का हिस्सा है. ट्रिब्यूनल की भूमिका निभा रहे बोर्ड ने 20 नवंबर 2025 को अर्जी मंजूर कर जेडीए व निगम को संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी.जेडीए की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य और उनके सहयोगी रजत दवे ने पैरवी की. डॉ. आचार्य ने तर्क दिया कि 1966 के विनिमय पत्र की अनुसूची-1 में बगीचा संपत्ति के रूप में शामिल ही नहीं है, इसे केवल दिशात्मक विवरण में पड़ोसी सीमा के रूप में दर्शाया गया है. दूसरी ओर, नगर निगम की ओर से पेश वकील ने अलग से अपना पक्ष रखा. नगर निगम के वकील ने तर्क दिया कि राजस्व रिकॉर्ड में यह संपत्ति नगर निगम के नाम दर्ज है. निगम के वकील ने तर्क दिया कि वादी ने बगीचे का कब्जा सौंपे जाने का कोई भी दस्तावेज पेश नहीं किया है और अस्थाई रोक के आदेश से निगम के वैधानिक अधिकारों तथा नगर प्रशासन के कार्यों में अनुचित बाधा उत्पन्न होती है.

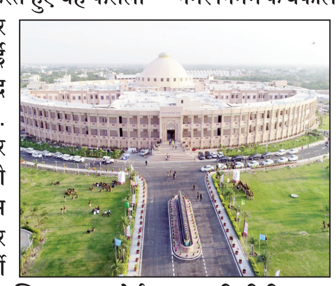

सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने पाया कि विनिमय पत्र में बगीचा शामिल नहीं होने के कारण वक्फ रजिस्टर में इसका इंद्राज प्रथम दृष्टया संदेहास्पद है. कोर्ट ने वादी द्वारा पेश किए गए सभी छह फैसलों को वर्तमान मामले के तथ्यों से अलग मानते हुए खारिज कर दिया, क्योंकि उन मामलों में वादी का कब्जा या प्रथम दृष्टया अधिकार साबित हुआ था. कोर्ट ने कहा कि जब अंतिम राहत ही कानूनी रूप से नहीं मिल सकती, तो उसी प्रकृति की अस्थाई रोक भी नहीं दी जा सकती है.

एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन भविष्य की संभावनाओं को प्रदान करेगा मजबूत आधार : डॉ. मोहन यादव

भोपालः मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहे हैं. इस क्रम में आज आयोजित एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन भविष्य की संभावनाओं को आधार प्रदान करेगा.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को वाराणसी में एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम दुनिया के सात पवित्र स्थानों में शामिल है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कर्मक्षेत्र भी है. उनके नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है. प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत सशक्त राष्ट्र बनकर उभरा है, जो स्थिरता, संभावनाओं और भरोसे का प्रतीक है. उनके नेतृत्व में हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं.उन्होंने कहा कि वाराणसी की तरह उज्जैन भी धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से विशेष महत्व रखता है. प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दोनों ही शहरों में धार्मिक पर्यटन की बड़ी संभावनाओं को देखते हुए विकास कार्यों की शुरुआत की गई है. दोनों राज्यों के बीच भौगोलिक रिश्ते होने के साथ

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं.

मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, पारम्परिक शिल्प, ओडीओपी और जीआई टैग उत्पादों, कृषि एवं खाद्य उत्पादों, निवेश अवसरों और पर्यटन संभावनाओं को एक साझा मंच देने के उद्देश्य से आयोजित सहयोग सम्मेलन का वाराणसी के होटल रामाडा में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण और श्री महाकाल मंदिर प्रबंधन समिति तथा ओडीओपी की पहल को मजबूत करने, स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने तथा अंतर्राज्यीय सहयोग के माध्यम से आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिये उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के मध्य दो महत्वपूर्ण एमओयू हुए.मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प से देश ने लाल सलाम को आखिरी सलाम किया है. नक्सलवाद लोकतंत्र की स्थापना के लिए बड़ी चुनौती था. मध्य प्रदेश अब नक्सल मुक्त हो चुका है. इससे प्रदेश के विकास और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होगा. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सुशासन के नये प्रतिमान स्थापित किए है. उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने भी कानून-व्यवस्था के साथ विकास की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है.उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश अपनी नीति आधारित पारदर्शिता, उद्योगों के लिए उपलब्ध विशाल भूमि बैंक, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेशक हितैषी वातावरण के साथ नए अवसरों का केन्द्र बन रहा है.

भाजपा सांसद निशिकांत दूबे के बयान को लेकर ओडिशा विधानसभा में हंगामा, नहीं चल सका प्रश्नकाल

भुवनेश्वरः ओडिशा विधानसभा में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणी के विरोध में जबरदस्त हंगामा हुआ.. जिसके चलते प्रश्नकाल बाधित हो गया और सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. आज निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10:30 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई. प्रश्नकाल शुरू होते ही बीजद, कांग्रेस और वाम दलों के सदस्यों ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान का विरोध करते हुए सदन के वेल में आकर नारेबाजी करने लगे. विपक्ष ने इस टिप्पणी को ओड़िया अस्मिता का अपमान बताते हुए सांसद के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की. हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढी ने कई बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करने की अपील की. हालांकि, विपक्षी सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और वे लगातार विरोध करते रहे. लगातार शोर-शराबे और गतिरोध की स्थिति को देखते हुए अध्यक्ष ने अंततः सदन की कार्यवाही को सुबह 11:30 बजे तक स्थगित कर दी.

सुडोकू–21

	9			5		4	1	3
3			4		2		5	
		4			8	7	2	
	4	5	6					
7			9		1			4
					4	8	3	
	7	1	2			3		
	6		8		5			7
4	8	3		6			9	

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -20 का उत्तर

3	8	2	1	6	9	5	7	4
5	4	9	2	8	7	3	1	6
7	6	1	4	5	3	8	9	2
9	2	3	6	1	8	4	5	7
6	7	5	3	9	4	1	2	8
4	1	8	7	2	5	9	6	3
2	9	6	8	3	1	7	4	5
1	3	7	5	4	6	2	8	9
8	5	4	9	7	2	6	3	1

युवा शक्ति माथापच्ची- 42

1		2			3	■	■	4
	■		■	■	5	6	7	
■	8		■	9	■	10		■
11			12		13		■	14
15		■		■		■	16	
	■	17		18		19		
■	20		■		■	21		■
22			23	■	■		■	24
	■	■	25					

● **बाएं से दाएं**

1. भेद खुलना, पता चलना, 5. खाना, निगलना, हडपना, 8. एक अंक की संख्या, 10. गधा, कडा, हानिकारक, 11. जल्दी लिखना, 15. गरदन, ढरकी, नाल, स्त्री, 16. नाटक खेलने का स्थान, भाषण, देने का स्थल, 17. तंग करना, किसी के बल पर कुदना, 20. वश, अधिकार, अभियोग, 21. आदर, सम्मान, मूल्य, रुठना, 22. गायब, लुप्त, 25. संपन्न, होना, धनी बनना,

● **उपर से नीचे**

1. तीर, शर, 2. लगातार, अनवरत, 3. साँप, 4. किडा लगा फल, 6. एडी की बाहर निकली हड्डी, पैर का गट्टा, 7. हाथ, सूंड, 8. शिक्षित, 9, गुलाम स्त्री, 11. दाने वाला फल, दाडिम, 12. नगाडे का गम्भीर स्वर, 13. भिडंत, मुठभेड, 14. परखना, सत्यापन करना, 16. नाटक का खेला जाना, 17. पानी की घास, 18. चिट्ठी, 19. अयोग्य, नालायक, 20. गुडां, एक रिश्ता, 22. गीला, तर, 23. सांस का रोग, 24. अन्न–कण, छोटी गोल वस्तु,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 41 का हल

सु	नि	श्चि	त	■	का	■	जा	न
म	र्द	■	र	ह	म	दि	ल	■
■	ह	मा	ल	■	ना	न	■	द
आ	न	■	■	द	■	क	ल	श
स	■	ए	का	धि	का	र	■	ह
पा	त	क	■	ज	■	■	धा	रा
स	■	मा	स	■	अं	ति	म	■
■	प	त्र	वा	ह	क	■	के	त
चा	ल	■	र	■	क	र्म	शी	ल

2625 वाँ भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

भगवान महावीर भारतीय संस्कृति के दैदीप्यमान नक्षत्र : मुनि श्री जिनेश कुमार

युवा शक्ति न्यूज़

कोलकाता: युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी ठाणा-3 के सानिध्य में 2625 वाँ भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, कोलकाता द्वारा महासभा भवन में हर्षोल्लास पूर्वक आयोजित किया गया. इस अवसर पर वृहत्तर कोलकाता के अच्छी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे.उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री जिनेश कुमार जी ने कहा- भगवान महावीर भारतीय संस्कृति के दैदीप्यमान नक्षत्र थे. वे महायोगी, महात्यागी, महातपस्वी, महामनस्वी, महातेजस्वी, महायशस्वी, महाप्रभावक थे. उनकी उज्ज्वलतम साधना संपूर्ण दीप्ति के साथ आज भी उद्भाषित हो रही है. वे अतीन्द्रिय चेतना के धनी थे. उनको ग्रंथों व पंथों में न खोजकर स्वयं में खोजने का प्रयत्न करें. उन्होंने आगे कहा- जो दूसरों को जीतता है वह वीर होता है और जो स्वयं को जीतता है वह महावीर होता है. भगवान महावीर का जन्म चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को मध्य रात्रि में हुआ. उनकी माता त्रिशला एवं पिता सिद्धार्थ थे. उन्होंने साधना कर केवल ज्ञान को प्राप्त किया. उन्होंने तीर्थ की स्थापना कर दुनिया को अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह का संदेश प्रदान किया. उनके सिद्धांत वर्तमान में भी बहुत उपयोगी है. उनको जीवन में लागू किया जाए तो अनेक समस्याओं का समाधान संभव है. भगवान महावीर में मातृ भक्ति, भ्रातृ प्रेम, करुणा, निरभिमानता व सहनशीलता विशिष्ट थी. उनका जीवन सभी के लिए आदर्श प्रेरणा है. महावीर जयंती के अवसर पर सभी के प्रति आध्यात्मिक शुभकामनाएं देता हूं. मुनि कुणाल कुमार जी ने सुमधुर गीत का संगान किया. कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल, मध्य कोलकाता के मंगलाचरण से हुआ. स्वागत भाषण श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा कोलकाता के अध्यक्ष अजय भंसाली ने दिया. इस अवसर पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के प्रधान न्यासी सुरेश जी गोयल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम कोलकाता जनरल के अध्यक्ष प्रतीक दुगड़ ने अपने विचार व्यक्त किए. पूर्वांचल उत्तर हावड़ा, उपनगरीय, टॉलीगंज, साउथ कोलकाता, साउथ हावड़ा, सॉल्टलेक क्षेत्र की ज्ञानशालाओं ने भगवान महावीर के जीवन दर्शन के अलग अलग विषय पर झांकियां प्रस्तुत की. श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय की छात्रा दीपिका सिंह ने भगवान महावीर पर अपने विचार व्यक्त किए. आभार ज्ञापन कोलकाता सभा के मंत्री उमेद जी नाहटा ने किया. झांकियां एवं लघु नाटिकाओं का परिणाम निर्णायक सुशील जी चोरड़िया, धर्मेंद्र जी चोरड़िया व शशि जी दुगड़ ने तैयार कर घोषित किया. प्रथम स्थान पर दक्षिण हावड़ा सभा, द्वितीय स्थान पर पूर्वांचल सभा, तृतीय स्थान पर उत्तर हावड़ा सभा एवं चतुर्थ स्थान पर सबअर्बन की ज्ञानशाला रही. बाकी संभागीयों को सहभागिता पुरस्कार दिया गया. पुरस्कार सम्मान कार्यक्रम का संचालन बुधमल लूनिया ने किया. कार्यक्रम में नगर के मुख्य मुख्य मार्गों से शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें वृहत्तर कोलकाता के अच्छी संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने सहभागिता दर्ज की. साथ ही जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय के छात्र, छात्राओं ने भी शोभा यात्रा में भाग लिया. कार्यक्रम के संयोजक बुधमल जी लूनिया व विजय जी चोपड़ा थे.

मारवाड़ रतन श्री दीप सिंह जी भाटी की साहित्य सेवा के लिए राजस्थान का साहित्यकार जगत सदैव आभारी है : हिंगलाज दान रतनू

पश्चिम राजस्थान की माङधरा के बाड़मेर जिले के रणधा गांव के लाड़ले सपूत जिनकी कलम और वाणी पर मां वीणापाणी अत्यंत कृपा रही है, जिन्होंने डिंगल रसावळ के माध्यम धोरां रो धोरी बनकर राजस्थानीयत के साहित्य, इतिहास, कला, संस्कृति की विशिष्ट पहचान कायम करने में अपना सकारात्मक योगदान देते हुए स्वांत सुखाय एवं बहुजन हिताय बहुजन सुखाय के मूल मंत्र को अपनाते हुए साहित्य जगत की वो सेवा की है जिनसे प्रदेश का पूरा साहित्यकार जगत प्रेरणा ले रहा है. यह उद्गार व्यक्त करते हुए राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान सूचना केंद्र कोलकाता के सहायक निदेशक हिंगलाज दान रतनू ने कहा कि ऐसे साहित्य समर्पित व्यक्तित्व हमारे लिए सदैव वंदनीय है. रतनू ने बताया कि हाल ही में श्री दीप सिंह जी भाटी द्वारा हाल ही में निर्मित एवं प्रसारित वीडीयो मॉरिशस रा राष्ट्र संत स्वामी कृष्णानंद जी सरस्वती महाराज मानव सेवा,साहित्य, कला, संस्कृति जगत में प्रसिद्धी पाते हुए प्रदेश, देश एवं विदेश (सात समंदर पार) तक बहुत प्रतिष्ठित हुआ है. इस हेतु साहित्य सेवी जगत में हर्ष की लहर है. श्री दीप सिंह जी भाटी के इस वीडीयो मॉरिशस रा राष्ट्र संत स्वामी कृष्णानंद जी सरस्वती महाराज पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजस्थानी भाषा साहित्य संस्कृति अकादमी के पूर्व सचिव पृथ्वीराज रतनू, डॉ.सत्तार खिलजी, वरिष्ठ साहित्यकार श्री राजेन्द्र जोशी, वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश रतनू, समाज सेवी एवं स्वामी कृष्णानंद जी निकटतम प्रिय रहे पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एवं समाज सेवी श्री अमर सिंह भाटी, आशुकवि गिरधारी दान बीठू सिंहस्थल, वरिष्ठ साहित्यकार लेखक श्री राजेन्द्र जोशी जी, पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी श्री सुनील बांठिया जी, कवि शायर मोहम्मद फारूख जी, श्री योगेन्द्र पुरोहित, डॉ.एम.एल.जांगिड़, मेवाड़ उदयपुर के कुराबङ ठिकाने के ताजिमदार रावत श्री सज्जन सिंह जी कृष्णावत, श्री बलबीर सिंह जी बीका (बिरकाळी) श्री विक्रम देपावत, कर्नल हेमसिंह जी शेखावत, ठाकुर महावीर सिंह जी तंवर, युवा साहित्यकार मदन रतनू दासोड़ी, श्री सुनील प्रजापत, श्री अमर सिंह जी खंगारोत सहित मॉरिशस से प्रसिद्ध विद्वान लेखक श्री राज हीरामन जी, पूर्व राजदूत महामहिम हेमनदोयाल दीलम, श्री जगदीश्वर गोवर्धन, डॉ.माधुरी रामधारी, श्री अशोक बिहारी, श्री विनय दशोई, श्रीमति ऊमा जगन्नाथ, श्री विजय मधु, मॉरिशस सहित इंग्लैंड से श्री विजय जायसवाल, फीजी से डिप्टी हाई कमिश्नर श्री नीलेश के आर, नेपाल से डॉ.भावना पराजुली एवं संतोष सापोक्ता सहित उत्तराखंड सरकार के केबिनेट मिनिस्टर श्री सुबोध उनियाल, कोलकाता से श्री रतन शाह, श्री राजेन्द्र केडिया, श्री विश्वनाथ चांडक, श्री प्रह्लाद राय गोयनका, श्री ललित कांकरिया, राउरकेला उडीसा से श्री अरूण अग्रवाल, अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध उद्योगपति श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया रांची, सहित सैकड़ो विशिष्ट जनों ने श्री दीप सिंह जी भाटी के कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए श्री भाटी को बधाई देते हुए आभार प्रकट किया है. ज्ञात रहे श्री दीप सिंह भाटी राजस्थान सरकार में शिक्षा विभाग में सेवानिवृत्त प्राचार्य हैं जिनकी दो दर्जन पुस्तकें प्रकाशित है, डिंगल रसावल के संस्थापक एडमिन, प्रसिद्ध कबीर वाणी गायक भी है. इनकी साहित्य सेवा से कला साहित्य संस्कृति जगत में आज हर्ष की लहर है.

महावीर जयंती

स्वरचित : चंदा प्रहलादका

युद्ध बिना जग जीता जिसने,
महावीर वो कहलाये.
अनेकांत का मंत्र बताया
अपरिग्रह ही सिखलाये.

भौतिक बंधन तोड़ें सारे,
त्याग दिया वैभव माया.
ठान लिया जग मुक्ति पाना,
ये जीवन फिरती छाया.

त्याग तपस्या साधक
योगी,
जीयो जीने दो नारा.
दीन दुखी सेवा सहिष्णुता,
प्रीत सुधा बहती धारा.

धर्म पंथ पर बढ़े मनुज पग,
हृदय भाव जगाना है.

मंगल गान करे सब तारे,
रवि प्रभा चहुं बिछाना है.

ऐसे वीरा महावीर को
शत् शत् नमन हमारा है.
सत्य अहिंसा सदाचार का,
ज्ञान विशद विस्तारा है.

मोह बंधनों से छूटे मन,
राग द्वेष निस्तारा है.
नहीं सताये किसी जीव को,
आत्म स्वरूप पसारा है.

त्रिशला नंद जन्म कल्याणक,
मिलकर आज मनाये हम.
उनके आदर्शों पर चलकर,
मुक्ति जगत से पायें हम.

सीबीआई ने एमसीडी के उपायुक्त और प्रशासी अधिकारी को चार लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के शाहदरा उत्तरी जोन में तैनात प्रशासी अधिकारी गौतम और उपायुक्त अभिषेक मिश्रा को चार लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने 30 मार्च को प्रशासी अधिकारी गौतम के खिलाफ मामला दर्ज किया था. आरोप था कि उन्होंने उपायुक्त अभिषेक मिश्रा की ओर से शिकायतकर्ताओं से चार लाख रुपये की घूस मांगी थी, ताकि उनकी जांच रिपोर्ट को सक्षम प्राधिकारी के पास अनुकूल रूप से भेजा जा सके. एजेंसी ने उसी दिन जाल बिछाकर प्रशासी अधिकारी गौतम को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया. आगे की कार्रवाई में उपायुक्त अभिषेक मिश्रा की भूमिका भी सामने आई, जिसके बाद दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया. एजेंसी ने बताया है कि फिलहाल मामले की जांच जारी है. आरोपियों की निशानदेही पर साक्ष्यों को ढूंढा जा रहा है और तफ्तीश को आगे बढ़ाया जा रहा है.

भारतीय संग्रहालय में गूंजा भगवान महावीर का संदेश: आत्म-संयम और अहिंसा से ही संभव है विश्व शांति

युवा शक्ति न्यूज़

कोलकाता: महावीर जयंती के पावन अवसर पर मंगलवार, 31 मार्च को कोलकाता स्थित भारतीय संग्रहालय (इंडियन म्यूजियम) के सभागार में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र संरक्षण महासभा, पश्चिम बंगाल शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी का मुख्य विषय 'आत्म-संयम से आंतरिक शांति: महावीर का सार्वभौमिक संदेश' रहा. पहली बार भारत सरकार के निर्देश से यह कार्यक्रम देश भर के संग्रहालयों में मनाया गया.

आधुनिक युग में सिद्धांतों की सार्थकता : कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, जादवपुर विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग के आचार्य सुमित बरुआ ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांत केवल जैन धर्म तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण मानवता की धरोहर हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि 2600 वर्ष पूर्व प्रतिपादित 'स्थावर' जीवों की रक्षा का सिद्धांत आज के 'ग्लोबल वार्मिंग' के दौर में पर्यावरण संरक्षण का सबसे सटीक मार्ग है.

प्रमुख वक्ताओं ने साझा किए विचार : संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में आध्यात्मिक वक्ता सूरज बाड़िया, जीतो कोलकाता के अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन चौरड़िया, साहित्यकार व कवयित्री चंदा जैन प्रहलादका एवं गुजराती जैन समाज की वक्ता भावना शाह ने अपने विचार रखे. वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संग्रहालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में महावीर जयंती का आयोजन गौरव का विषय है.

महानगर के प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति : कार्यक्रम में पुरातत्व विभाग के प्रमुख सत्यकाम सेन सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे. आयोजन में महासभा के संरक्षक व महामंत्री राज कुमार सेठी, अध्यक्ष निर्मल बिंदक्या जैन, कार्याध्यक्ष सुनील जैन, कोषाध्यक्ष मोज कासलीवाल, संजय काला और राजेंद्र जैन की सक्रिय भूमिका रही. प्रचार मंत्री विजय सरावगी ने मीडिया एवं सूचना प्रसार का कार्यभार संभाला.

जैन समाज की सक्रिय भागीदारी : जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला समाज और जीतो लेडीज विंग की ओर से अध्यक्ष सुनीता सेठिया, अनीता गंगवाल, मंजू पाटनी, आशा पाटनी, सुधा काला, रेखा छाबड़ा, अनीता सोनी, सुमन कासलीवाल, तान्या जैन, ज्ञान देवी सेठी और राशि सेठी ने कार्यक्रम में सहभागिता की.

आगामी कार्यक्रम: 9 अप्रैल को नवकार मंत्र दिवस : कार्यक्रम की संयोजिका सुमन पाटनी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर आगामी 9 अप्रैल को भवानीपुर स्थित मानस्तंभ पर आयोजित होने वाले 'नवकार मंत्र दिवस' के लिए भी आमंत्रण दिया गया, जहाँ प्रातः 8:01 बजे सामूहिक प्रार्थना की जाएगी. कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी जनों ने 'जियो और जीने दो' के संकल्प को दोहराते हुए अहिंसा के मार्ग पर चलने की शपथ ली.

महावीर जयंती समारोह: कवयित्री चंदा जैन प्रहलादका की रचनाओं ने मोहा मन

युवा शक्ति न्यूज़/**कोलकाता:** भारतीय संग्रहालय (इंडियन म्यूजियम) में आयोजित महावीर जयंती के विशेष कार्यक्रम में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवयित्री चंदा जैन प्रहलादका ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई. विशिष्ट वक्ता के रूप में सम्मिलित चंदा जैन प्रहलादका ने मंच से अपनी दो बेहद प्रभावशाली कविताएं साझा कीं, जिन्होंने सभागार में उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. उनकी काव्य पंक्तियों में भगवान महावीर के अहिंसा और आत्म-संयम के संदेश की गहरी झलक देखने को मिली. वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में शांति और सद्भाव की आवश्यकता पर केंद्रित उनकी इस भावपूर्ण प्रस्तुति की सभी गणमान्य अतिथियों और प्रबुद्ध जनों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की. कार्यक्रम की संयोजिका सुमन पाटनी सहित उपस्थित समाजसेवियों ने चंदा जैन प्रहलादका के साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान को सराहा.

श्री जैन विद्यालय कोलकाता में महावीर जयंती का सफल आयोजन

युवा शक्ति न्यूज़

कोलकाता: श्री जैन विद्यालय कोलकाता के पारसमल कांकरिया सभागार में परंपरागत ढंग से महावीर जयंती का सफल आयोजन हुआ. इस अवसर पर पारसमल कांकरिया सभागार में विद्यालय के छात्रों के बीच संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में छात्रों ने बड़े ही मनमोहक तरीके से भगवान महावीर के सिद्धांतों एवं उनके चरित्र पर अपने विचार व्यक्त किये. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सफल व्यवसायी एवं श्री स्थानकवासी जैन सभा के अध्यक्ष श्री विनोद मिन्नी ने की. कार्यक्रम में श्री जैन विद्यालय के अध्यक्ष एवं सभा के सचिव श्री विनोद काँकरिया की गरिमामयी उपस्थिति रही. स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव श्री मनोज बोथरा ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाने पर बल दिया. श्री विनोद कांकरिया ने वर्तमान युग में अहिंसा की प्रासंगिकता एवं सेवा भावना पर बल दिया. इस पावन अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान देवांश तिवारी, द्वितीय स्थान रौनक गुप्ता एवं तृतीय स्थान पीयूष मिश्रा ने प्राप्त किया. प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को क्रमशः रु. 7500 रु. 5000, रु. 3000 की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया. अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप रु. 500 की राशि प्रदान की गई. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका सुश्री एस. दास ने किया. प्रधानाचार्य श्री संजय कुमार पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए छात्रों को स्वयं पर विजय प्राप्त करने का आह्वान किया. इस पावन अवसर पर श्री ललित काँकरिया, श्री अशोक मिन्नी, श्री प्रदीप पटवा की गरिमामयी उपस्थिति रही.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन